ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी का पहला भाषण झूठ और निराधार ... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 03 जुलाई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।✻। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-184

पश्चिम बंगाल में तालिबानी सजा की दूसरी घटना उजागर

महिला को बांधकर सड़क पर घुमाया और पीटा

उत्तर दिनाजपुर, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में उत्तर दिनाजपुर के चोपरा विधानसभा क्षेत्र में एक महिला और युवक को सड़क पर घसीट घसीट कर पीटे जाने की तालिबानी घटना के उजागर होने के दूसरे दिन उसी इलाके में हुई ऐसी ही एक अन्य घटना का वीडियो भी सामने आया है। ताजा वीडियो सामने आने के बाद यह साफ हो गया है कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का मुस्लिम तुष्टिकरण इस स्तर तक पहुंच गया है कि वहां खुले तौर पर कट्टर इस्लामिक तौर तरीके अख्तियार किए जाने लगे हैं। महिला को बांध कर सड़क पर घुमाने और उसे लगातार पीटे जाने की घटना में भी चोपरा के टीएमसी विधायक हमीदुल रहमान का चमचा ताजेमुल शामिल है। शरीयत कानून का ठेकेदार ताजेमुल उर्फ जेसीबी ही बना बैठा है।

पहले उजागर हुए वीडियो में आपने देखा कि ताजेमुल किस वहशियाना तरीके से एक महिला और एक युवक की खुलेआम भीड़ के सामने पिटाई कर रहा है। लगातार पिटाई से महिला के बेहोश होने पर ताजेमुल ने कैसे उसे घसीटा और लात मारी, यह सब आपने देखा। आज जो वीडियो जारी हुआ है उसमें वही खुदमुख्तार इस्लामिक जज एक महिला को रस्सी से बांध कर सड़क पर परेड करा रहा है और बेशर्मी से उसे पीट भी रहा है। पश्चिम बंगाल में प्रतिपक्ष के नेता और नंदीग्राम के भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने यह वीडियो जारी किया है। घटना रविवार 16 जून 2024 की बताई जा रही है। रात के समय हुई घटना के इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एक महिला को रस्सी से बांध कर उसका परेड निकाला जा रहा है। उक्त महिला के साथ-साथ एक पुरुष के भी कपड़े उतार कर रस्सी उसके शरीर में बांध दी गई है।

प. बंगाल की जनता पर खुलेआम गिर रहा इस्लामिक राज का खाज

वीडियो देखें : https://twitter.com/i/status/1807748353582891180

रास्ते में परेड निकाले जाने वक्त दोनों की डंडे से पिटाई भी की जा रही है। साथ में चल रहे लोग तमाशा देखते हुए चल रहे हैं। इसके बाद इन दोनों को एक पेड़ के पास जमीन पर बिठा कर पीटा गया। कुछ लोग मोबाइल से वीडियो बनाते भी दिखते हैं। फिर एक कमरे में ले जाकर महिला और उस पुरुष को जमीन पर लिटा कर पीटा गया, इस दौरान महिला छटपटाती रही। कोई उन्हें बचाने की कोशिश नहीं करता है। ताजेमुल जल्लाद की तरह उन्हें पीटता रहता है। शुभेंदु अधिकारी कहते हैं, इस्लामिक स्ट्रीट जस्टिस का दूसरा एपिसोड। ममता बनर्जी के बंगाल का एक और दिन, जहां मुस्लिम राष्ट्र की परंपराओं का मनमाने ढंग से पालन किया जाता है।

इससे पहले जो वीडियो सामने आया था, उसमें भी एक महिला और उसके प्रेमी को डंडे से पीटते हुए ताजेमुल दिखा था। उसका बचाव करते हुए चोपरा के विधायक हमीदुल रहमान ने खु-लेआम कहा, मुस्लिम राष्ट्र के कुछ आचार-विचार होते हैं। ऐसे में ममता बनर्जी से यह सवाल पूछा जाने लगा है कि चैतन्य महाप्रभु और रामकृष्ण परमहंस की धरती क्या अब मुस्लिम राष्ट्र में तब्दील हो चुकी है?

शरिया भारत के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है, जहां मनमाने ढंग से भारत के संविधान और कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। लेकिन इन घटनाओं पर पूरी संसद मौन साधे हुई है।

राहुल गांधी के अमर्यादित आचरण का संसदीय प्रदर्शन

पीएम का वक्तव्य बाधित करने के लिए कराया हंगामा

इनकी हरकतें नेक नहीं, गंभीर खतरे के संकेत हैं : मोदी

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वक्तव्य को बाधित करने के लिए राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता की मर्यादा ताक पर रख दी। राहुल गांधी ने योजनाबद्ध तरीके से संसद में हंगामा कराया और प्रधानमंत्री के वक्तव्य के दौरान सदन में लगातार नारेबाजी कराते रहे। राहुल गांधी ने विपक्षी सदस्यों को लोकसभा अध्यक्ष के आसन के सामने वेल में जाकर हंगामा करने के लिए उकसाया। यह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने देख लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री को बैठने का आदेश देकर राहुल गांधी को बुरी तरह डांटा। स्पीकर ने राहुल से कहा, माननीय सदस्य आप विपक्ष के नेता की मर्यादा समझें और उसी तरह आचरण करें। आप सदन में जो कर रहे हैं, वह निहायत अनुचित और अस्वीकार्य है। लोकसभा अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को फिर से बोलने के लिए कहा, लेकिन राहुल गांधी ने अपनी अमर्यादित हरकत जारी रखी और भारी शोरगुल के बीच ही प्रधानमंत्री ने अपना वक्तव्य रखा। सदन की परंपरा है कि सत्ता पक्ष या विपक्ष का नेता बोलने के लिए खड़ा होता है तो पूरा सदन चुप रहता है। विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी ने कल जो कुछ भी कहा, उसे सत्ता पक्ष सुनता रहा। लेकिन

- विपक्षी सदस्यों को उकसाते देख स्पीकर ओम बिरला ने राहुल को डांटा
- लोगों ने देखी राहुल की अमर्यादित अलोकतांत्रिक और अवांछित हरकतें
- हिंदुओं के खिलाफ राहुल का अपमानजनक बयान संयोग था या षडयंत्र?
- हिंदुओं के साथ ऐसा व्यवहार? यह देश इसे शताब्दियों तक भूलेगा नहीं

आज जब सत्ता पक्ष के नेता बोलने के लिए खड़े हुए तो उन्हें राहुल गांधी निर्देशित अमर्यादित, अलोकतांत्रिक और अवांछित हरकतों का सामना करना पड़ा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, कल अग्निवीर को लेकर सदन में झूठ बोला गया। कल यह झूठ बोला गया कि एमएसपी नहीं दिया जा रहा है। कल सदन में संविधान की गरिमा से खिलवाड़ किया गया। इन हरकतों को बालकबुद्धि मानकर हम नजरअंदाज नहीं करना चाहेंगे। इसके पीछे इरादे नेक नहीं बल्कि गंभीर खतरे के हैं। इन लोगों का संसद में बोला गया झूठ हमारे देश के नागरिकों की विवेक बुद्धि पर तमाचा मारने की निर्लज्ज हरकत है। सभापति जी, इस सदन की गरिमा बचाने की बड़ी जिम्मेदारी आप पर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, यह गंभीर बात है कि आज हिंदुओं पर झूठा आरोप लगाने की कोशिश हो रही है। ये कहा गया कि हिंदू हिंसक होते हैं। क्या यही आपके संस्कार हैं? क्या यही आपका चरित्र, आपकी सोच है या यह आपकी नफरत है? इस देश के हिंदुओं के साथ ऐसे व्यवहार? यह देश शताब्दियों तक इसे भूलने वाला नहीं है। कुछ दिन पहले हिंदुओं में जो शक्ति की परंपरा है, उसे बर्बाद करने की कोशिश की गई। यग देश शक्ति की पूजा करता है और आप उस शक्ति का विनाश करने की बात करते हैं? कुछ दिन पहले इन लोगों ने हिंदू आतंकवाद शब्द गढ़ने की कोशिश की थी। इन लोगों ने हिंदू धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया से की है। यह देश इन्हें कभी माफ नहीं करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, ईश्वर का हर रूप दर्शन के लिए होता है, प्रदर्शन के लिए नहीं। सभापति जी, निजी स्वार्थ के लिए कल सदन में ईश्वर के रूप का प्रदर्शन किया गया। सदन के कल के दृश्यों को देखकर हिंदू समाज को भी सोचना होगा कि क्या यह अपमानजनक बयान महज संयोग था या सुनियोजित षडयंत्र था?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर लोकसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि वे राष्ट्रपति के भाषण के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए सदन में उपस्थित हुए हैं। पीएम मोदी ने कहा, जो पहली बार सांसद बनकर हमारे बीच आए हैं और उनमें से कुछ साथियों ने अपने विचार व्यक्त किए।

▶10 पर

गैर-कांग्रेसी का तीसरी बार पीएम बनना बर्दाश्त नहीं हो रहा

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को एनडीए सांसदों के साथ बैठक की। इस बैठक में प्रधानमंत्री ने एनडीए सांसदों को संसदीय नियमों और संसदीय आचरण का पालन करने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष एक गैर कांग्रेसी नेता का लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना बर्दाश्त नहीं कर पा रहा है। एनडीए सांसदों की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विपक्ष इस बात से परेशान है कि पहली बार एक गैर-कांग्रेसी नेता, वह भी एक चायवाला, लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बना है। नेहरू-गांधी परिवार पर कटाक्ष करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के सदस्य प्रधानमंत्री हुआ करते थे तथा अपने दायरे से बाहर के लोगों को बहुत कम मान्यता देते थे। कांग्रेस के सबसे प्रमुख परिवार से बाहर से आए प्रधानमंत्रियों के योगदान को नजरअंदाज किया जाता था, उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में यह सुनिश्चित किया कि उन सभी को मान्यता मिले क्योंकि प्रत्येक ने किसी न किसी तरह से देश के लिए योगदान दिया है। एनडीए सांसदों की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए सांसदों से वरिष्ठ सदस्यों से संसद की सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में सीखने की अपील की। पीएम मोदी की यह अपील राहुल गांधी के लोकसभा में सोमवार को दिए भाषण के बाद सामने आई है, जिसे एनडीए ने सबसे गैर जिम्मेदाराना भाषण करार दिया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बैठक के बाद संवाददाताओं को जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों से संसदीय मुद्दों का अध्ययन करने, नियमित रूप से संसद में उपस्थित रहने तथा अपने निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित मामलों को प्रभावी ढंग से उठाने को कहा।

▶10 पर

हाथरस में हादसा

सत्संग के बाद मची भगदड़ में 120 श्रद्धालुओं की मौत

हाथरस, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में हाथरस जिले के सिकंदराराऊ कस्बा स्थित फुलरई गांव में मंगलवार को सत्संग के बाद मची भगदड़ करीब 120 लोगों के मरने की खबर है। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। कार्यक्रम आयोजकों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

हादसे में अब तक तकरीबन 120 लोगों की मौत की खबर है। हालांकि भगदड़ में मरने वालों का आधिकारिक ब्यौरा अब तक नहीं आया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबंधित अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्यों के युद्ध स्तर पर संचालन और घायलों के समुचित उपचार हेतु निर्देश दिए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, संदीप सिंह घटना स्थल के लिए रवाना हो चुके हैं। प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार को भी घटना स्थल पर पहुंचने का मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है।

पीएम मोदी ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर संबोधन के दौरान ही हाथरस हादसे का जिक्र करते हुए दुख प्रकट किया। उन्होंने पीड़ितों को हर संभव मदद का भरोसा दिया। बाद में उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी बात की और रेस्क्यु ऑपरेशन का जायजा लिया। पीएम मोदी ने कहा, यूपी सरकार सभी पीड़ितों की हरसंभव सहायता में जुटी हुई है। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं, जिन्होंने इसमें अपने प्रियजनों को खोया है। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं'।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने हादसे पर कहा, यूपी के जिला हाथरस में सत्संग के दौरान मची भगदड़ में काफी संख्या में लोगों की हुई मौत और अनेक लोगों के घायल होने की घटना अत्यंत दुःखद है। सरकार इस घटना की जांच कर उचित कार्रवाई करे और पीड़ित परिवारों की आर्थिक मदद करे। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी हादसे को लेकर दुख जताया और घटना की जांच की मांग की।

शेयर मार्केट

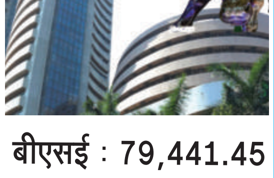

बीएसई : 79,441.45
-34.74 -0.04% ↓
एनएसई :24,123.85
-18.10 (-0.07%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 21^0

इलाहाबाद हाईकोर्ट की महत्वपूर्ण टिप्पणी

अवैध धर्मांतरण से अल्पसंख्यक हो जाएंगे बहुसंख्यक

प्रयागराज, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में एससी/एसटी और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों का ईसाई धर्म में अवैध धर्मांतरण बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। इसे तत्काल रोका जाना चाहिए। लालच देकर धर्म बदलने का खेल जारी रहा तो देश की बहुसंख्यक आबादी जल्दी ही अल्पसंख्यक बन जाएगी।

न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम- 2021 के तहत हमीरपुर के मौदहा निवासी आरोपी कैलाश की जमानत याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। कैलाश पर अवैध रूप से धर्म परिवर्तन कराने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था। शिकायतकर्ता रामकली प्रजापति ने एफआईआर में कहा था कि उसके भाई रामफल को कैलाश घर से दिल्ली में एक सामाजिक समारोह में भाग लेने के लिए ले गया था।

▶10 पर

हिंदुओं पर बेजा टिप्पणी के खिलाफ राहुल गांधी पर मुकदमा

मुजफ्फरपुर, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

हिंदुओं पर दिए गए राहुल गांधी के बेजा बयान के खिलाफ बिहार के मुजफ्फरपुर कोर्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। हिंदूवादी नेता देवयांशु किशोर ने परिवाद दायर किया है। कोर्ट ने मामले को स्वीकार कर सुनवाई की तिथि 15 जुलाई निर्धारित की है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 299, 302 और 356 (1) के तहत मामला दर्ज कराया है।

मामले में परिवादी हिंदूवादी नेता और गिरिराज सिंह फैंस क्लब के देवयांशु किशोर ने बताया कि कल कांग्रेस पार्टी के सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा हिंदू धर्म को लेकर एक विवादित बयान दिया गया था। उन्होंने अपने बयान से देश भर के करोड़ों हिंदू समाज के लोगों की भावनाओं को आहत किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने हिंदुओं को हिंसक बताया था, जिसको लेकर हम लोगों ने विचार किया कि राहुल गांधी हिंदू धर्म की भावना को ठेस पहुंचा रहे हैं। इससे आहत होकर कोर्ट में परिवाद दायर किया है, जिसे कोर्ट ने आज स्वीकार किया है।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

देसी खेलों में महिलाओं ने दिखाई प्रतिभा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ ने अकाडमिक सिटी नेलमंगला में देसी खेल का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार महामंत्र व दीप प्रज्वलन से हुई। इससे पूर्व 24 जून को टीम मालिकों के साथ सभी प्रतिभागियों का टीम चयन ऑनलाइन नीलामी से किया गया। जेएलडब्ल्यू बेंगलूरु साउथ के खेल कार्यक्रम एबीसीडीइएफजी देसी खेल के 8 सौभाग्यशाली टीम मालिक बने। जिसमें लता बोहरा फतेह स्टोन्स इंटरनेशनल, ललिता नागोरी एल्युमीनियम पीपल, सविता पोरवाल लेजेंड्स ऑफ टुमारो (राजेश एंड कंपनी, सुनीता गांधी पिजन के परिंदे, बबीता रायसोनी बब्बली क्वीन्स, रेखा मेहता, भारती मेहता ब्लीसफुल ब्यूटीज (मैक्स केम फार्मा), गीता संचेती प्लीटअप (फर्निशिंग), ललिता गुलेच्छा गुगली गुलेच्छा (वाल्मार्क ग्रुप) शामिल रहे। जीतो महिला विंग साउथ की चेयरपर्सन सुनीता गांधी ने हमारे नियमित जीवन में खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। ललिता गुलेच्छा ने सभी प्रतिभागियों को अच्छा खेलने की शुभकामना दी। जीतो के पूर्व मुख्य सचिव महेश नाहर ने सभा का स्वागत करते हुए कहा कि खेल का क्षेत्र खुद को परखने का मापदंड हैं, ये खेल हमें यह समझने में मदद करेंगे कि हम जीवन के खेल में कहां खड़े हैं। बेंगलूरु साउथ चेयरमैन दिनेश बोहरा एवं मुख्य सचिव मोनिका पिरगल ने टीम को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम स्थल के टाइटल प्रायोजक श्रीपाल कवाड एवं उनके परिवार ने अपने प्रेरक शब्दों से सभी महिलाओं का स्वागत किया और कहा कि जीतो खेल कार्यक्रम सभी को सक्रिय रखता है।

थ्रोबॉल फाइनल में लेजेंड्स ऑफ टुमॉरो बनाम बबली क्वीन्स थी, जिसमें कडे मुकाबले से लेजेंड्स ऑफ टुमॉरो की जीत हुई। थ्रो बाल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बब्बली क्वीन्स से अंकिता रही। खो खो का फाइनल एल्युमीनियम पीपल और गुगली गुलेच्छा के बीच हुआ जिसमें अति कठिन प्रतिस्पर्धा के बाद गुगली गुलेच्छा विजेता रही। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी गूगली गुलेच्छा से ममता कटारिया रही। एल्युमीनियम पीपल और गुगली गुलेचा के बीच लागोरी फाइनल हुआ जिसमें एल्युमीनियम पीपल विजेता रही व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी राजुल रही। 10 प्लस विभिन्न प्रकार की दौड़ टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब एल्युमीनियम पीपल से निशा टुकलिया को दिया गया। ओवरऑल चैंपियनशिप में, उपविजेता बबली क्वींस- बबीता रायसोनी की टीम रही, जिन्हें 11 हजार का चेक और ट्रॉफी के साथ पूरी टीम को कांस्य पदक दिए गए। दौड़ विजेता में भारती मेहता की टीम रही, जिन्हें 15 हजार का चेक और ट्रॉफी के साथ पूरी टीम को रजत पदक दिए गए। ललिता नागोरी की टीम विजेता रही जिन्हें 21 हजार का चेक और ट्रॉफी के साथ पूरी टीम को स्वर्ण पदक दिए गए।

संयोजक साक्षी जैन और सह संयोजक रेखा जैन ने कार्यक्रम के संचालन में सहजता से काम किया और इसे सफल बनाने के लिए पूरे कार्यक्रम का प्रबंधन किया। नीलम लालवानी ने शानदार एंकरिंग से कार्यक्रम का संचालन किया और अंत तक कार्यक्रम को ऊर्जावान बनाये रखा। कार्यक्रम में जेएलडब्ल्यू बेंगलूरु नार्थ चेयरपेर्सन बिन्दु रायसोनी व मुख्य सचिव सुमन वेदमुथा और बेंगलूरु साउथ की उपाध्यक्ष प्रभा गुलेच्छा, कार्यकारिणी सदस्य निधी पा-लरेचा, प्रतिमा जैन, प्रिया गांधी, उर्मिला बरडिया, पुष्पा गुलेच्छा, बिन्दु मेहता आदि उपस्थित थे। खेल कूद के आयोजन में कुल 175 सदस्याओं ने भाग लिया।

श्री राम कथा का भव्य आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय राजपुताना सेवा संगठन की ओर से बेंगलूरु अध्यक्ष सुनील सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार से श्री राम कथा का भव्य आयोजन शुरू किया गया। यह कथा 7 जुलाई तक शाम 4 बजे से रात्रि 8 बजे तक आयोजित की जाएगी। इस धार्मिक आयोजन में बनारस के प्रसिद्ध कथावाचक पूज्य शशिकांत जी और उनके साथ पूज्या आराधना देवी विशेष रूप से शामिल हैं। कार्यक्रम की शुरुआत निम्बेकाइपुरा ओम शक्ति मंदिर से कलश यात्रा के साथ हुई, जो श्री अभय अंजनीस्वामी मंदिर, कटमनल्लूर गेट फ्लाईओवर टेंपल पर समाप्त हुई।

इस कलश यात्रा में शहर के कई सम्मानित लोग भी सम्मिलित हुए। कथा के प्रारंभ में भारतीय राजपुताना सेवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह सिकरवार और गुरु महाराज के द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई और पूरे आयोजन में भक्ति का माहौल बना रहा। श्री राम कथा के माध्यम से भक्तों ने धार्मिक ज्ञान और भक्ति का अनुभव किया। आयोजन की संपूर्णता और शांति बनाए रखने के लिए विशेष सुरक्षा और व्यवस्था की गई है। श्री राम कथा के माध्यम से संगठन समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है।

विद्यार्थियों में खाद्य व शिक्षण सामग्री का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय कर्नाटका दाधीच महिला मंडल प्रकोष्ठ के तत्वावधान में महिला अध्यक्ष सुषमा आसोपा एवं कार्यकारिणी के सदस्य ममता दाधिच, रमा भेड़ा, सरिता मंडोलिया, रचना सुंठवाल, देवयानी सुंठवाल, सीमा मुडेल, पूनम जोशी, नीमा बगड़िया, विजयलक्ष्मी जाजोदिया ने चन्द्रालेआट स्थित सहाना चैरिटेबल ट्रस्ट फॉर डिसेबल्स भवन में जरूरतमंद विद्यार्थियों में खाद्य, शिक्षण सामग्री का वितरण किया।

हर घर चमत्कारी गुरुदेव का जाप सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुडी द्वारा अनंत उपकारी युगप्रधान दादा गुरुदेव का इक्तीसा पाठ आनन्द कुमार, दीपक कुमार चोपड़ा परिवार के निवास पर आयोजित किया गया। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने सभी का स्वागत अभिनन्दन किया। मंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि अत्यन्त चमत्कारी इक्तीसे का पाठ प्रत्येक माह के एक दिन मंडल की ओर से संघ के सदस्यों के निवास पर आयोजित किया जाता है।

इस कार्यक्रम में राजेन्द्र गु-लेच्छा, नितेश बोहरा, पारस पारख, महावीर पारख, नमन बोहरा आदि सदस्यों ने बहुत ही सुन्दर भक्ति गीत प्रस्तुत किए। इस अवसर पर चोपड़ा परिवार के साथ मंडल के उपाध्यक्ष अनिल भडकतिया, राकेश डाकलिया, सहमंत्री धर्मेन्द्र संकलेचा, कोषाध्यक्ष पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल के साथ मंडल और संघ के अनेक सदस्य मौजूद थे।

डॉ नितेश जैन को महावीर इंटरनेशनल ने किया सम्मानित

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

डॉक्टर दिवस के अवसर पर महावीर इंटरनेशनल हुब्बल्ली शाखा द्वारा हुब्बल्ली के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ नितेश जैन को सम्मानित किया गया। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष सुरेश मेहता, पूर्व अध्यक्ष महावीर पालरेचा, कोषाध्यक्ष अशोक ओस्तवाल, सह कार्यदर्शी विजय गोलेछा, सुभाष चंद्रा डंक, नरेश शर्मा सहित अन्य उपस्थित थे। संस्था के अध्यक्ष सुरेश मेहता ने बताया कि डॉ जैन पिछले कई वर्षो से हुब्बल्ली में चिकित्सा सेवा दे रहे हैं और वे सदैव साधु- साध्वी भगवन्तों की सेवा में पिछले कई वर्षो से तत्पर है। कोरोना महामारी के दौरान भी डॉ जैन ने दिन रात उपलब्ध रहकर लोगों की सेवा की थी।

इन्ही सेवाओं को ध्यान में रखते हुए संस्था के सदस्यों ने डॉ नितेश जैन को डॉक्टर दिवस के अवसर पर सम्मानित करने का निर्णय लिया था। डॉ जैन ने इस सम्मान के लिए संस्था के सभी सदस्यों का आभार जताया।

गौतम दक बने अध्यक्ष

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा ट्रस्ट एचबीएसटी हनुमंतनगर की साध-ारण सभा का आयोजन हनुमंतनगर स्थित तेरापंथ भवन में हुआ।

अध्यक्ष तेजमल सिंघवी ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। इसके बाद अपने दो वर्षीय अध्यक्षीय कार्यकाल का विवरण दिया। मंत्री हरकचंद ओस्तवाल ने दो साल में ट्रस्ट द्वारा किये गए कार्यो का सम्पूर्ण विवरण प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष नाथूलाल बोल्या ने गत दो वर्षों का आय-व्यय का ब्यौरा दिया।

उसे सभी ने सर्वसम्मति से पारित किया। अध्यक्ष तेजमल सिंघवी ने अपनी कायकरिणी को भंग करके मंच चुनाव अधिकारी के सौंपा। चुनाव अधिकारी ने सत्र 2024-25 के अध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति से गौतम दक के नाम की घोषणा की। नवनिर्वाचित अध्यक्ष गौतम दक का स्वागत किया गया। गौतम दक ने सभी का स्वागत करते हुए दो साल के अपने विजन को सबके सामने प्रस्तुत किया। संचालन मंत्री हरकचंद ओस्तवाल ने किया।

कांग्रेस विधायक ने सीएम के पक्ष में बोलते हुए शिवकुमार की चेतावनी को किया नजरअंदाज

2013 में, सिद्धरामैया को वोटिंग के जरिए सीएम चुना गया था

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

मांड्या जिले के मालवल्ली से कांग्रेस विधायक पी एम नरेंद्रस्वामी ने मंगलवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को पार्टी ने सीधे तौर पर नियुक्त नहीं किया था, बल्कि पार्टी ने विधायकों से राय लेने के बाद उन्हें सीएम बनाया था। यह बयान तब आया है जब उपमुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने पार्टी पदाधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि वे नेतृत्व के मुद्दों पर सार्वजनिक बयानबाजी न करें।

मालवल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए विधायक नरेंद्रस्वामी ने कहा कि पार्टी अभी भी अपने विधायकों की बहुमत की राय से बंधी हुई है। उन्होंने कहा 2013 में, सिद्धरामैया को वोटिंग के जरिए सीएम चुना गया था। यह हमारी पार्टी का आंतरिक लोकतंत्र है। अब भी, पार्टी आंतरिक लोकतंत्र के लिए प्रतिबद्ध है। पार्टी की संभावनाओं को देखते हुए दूसरों को अवसर दिए जाएंगे। कांग्रेस विधायक शिवगंगा बसवराज के बयान का हवाला देते हुए कि शिवकुमार को सीएम बनाया जाना चाहिए, विधायक नरेंद्रस्वामी ने कहा मुख्यमंत्री बदलने का मामला किसी को खुश करने या उसकी तारीफ करने के लिए नहीं उठाया जाना चाहिए। पहली बार विधायक बने व्यक्ति बहुत ज्यादा शोर मचा रहे हैं। इस मामले पर पार्टी के ढांचे के भीतर चर्चा होनी चाहिए, सार्वजनिक रूप से नहीं। नरेंद्रस्वामी ने लंबे समय तक मांड्या जिले में पार्टी को खड़ा करने का दावा करते हुए कहा मैं सड़कों पर जाकर अन्याय की शिकायत नहीं कर सकता। मैं उन लोगों की तरह अवसर का हकदार हूं जो मौजूदा मंत्री हैं। मेरे पास योग्यता और वरिष्ठता है, लेकिन मैंने पार्टी के फैसले को स्वीकार कर लिया है। अन्य लोगों को भी इसका अनुसरण करना चाहिए। इस बीच, कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने खुलासा किया कि हाईकमान ने सीएम सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के वफादारों को सत्ता के बंटवारे और अधिक उपमुख्यमंत्री पदों के सृजन पर टिप्पणी करने के लिए नोटिस जारी करने का फैसला किया है। हाईकमान ने पार्टी नेताओं को राज्य विधायकों की पार्टी बैठक बुलाने का निर्देश दिया है ताकि बढ़ते मतभेदों को शांत किया जा सके। लोकसभा चुनाव में मंत्रियों के प्रदर्शन पर तथ्य-खोजी समिति के गठन और घटनाक्रम के बारे में पूछे जाने पर गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा राज्य अध्यक्ष के तौर पर शिवकुमार को तथ्य-खोजी समिति बनाने की जरूरत है। यह उनका विशेषाधिकार है। उपमुख्यमंत्री पद और मुख्यमंत्री परिवर्तन पर बयान देने वालों को नोटिस जारी करने की शिवकुमार की चेतावनी के बारे में परमेश्वर ने कहा यह पार्टी अध्यक्ष का कर्तव्य है। मुझे लगता है कि शिवकुमार ने विधायकों और मंत्रियों को पार्टी के ढांचे के भीतर काम करने के लिए कहा है।

बयान देने वालों को कारण बताओ नोटिस जारी कर रहा हूं

उल्लेखनीय है कि कर्नाटक में सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर सियासी खींचतान के बीच मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सोमवार को कहा था कि वह नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर कांग्रेस आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे।

वोक्कालिगा समुदाय के एक संत ने पिछले हफ्ते सार्वजनिक रूप से सिद्धरामैया से पद छोड़ने और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के लिए रास्ता खाली करने का अनुरोध किया था। विश्व वोक्कालिगा महासंस्थान मठ के संत चंद्रशेखर स्वामी की अपील के बारे में पूछे जाने पर सिद्धरामैया ने कहा यह ऐसा मामला नहीं है जिस पर सार्वजनिक रूप से चर्चा की जाए। आलाकमान जो भी फैसला लेगा, हम उसका पालन करेंगे। उन्होंने कहा स्वामीजी क्या कहते हैं, मैं उस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। हमारी राष्ट्रीय पार्टी है। एक हाईकमान है। वहीं उप मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा मैं उन लोगों को कारण बताओ नोटिस जारी कर रहा हूं, जिन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री से जुड़े बयान दिए हैं। इंतजार कीजिए और देखिए मैं किसे नोटिस जारी करने जा रहा हूं।

बिजली के करंट से घायल व्यक्ति के परिवार को 5 लाख रुपए का चेक सौंपा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर और एमएलसी इवान डिसूजा ने रोसारियो हाई स्कूल के पास करंट लगने से घायल हुए ऑटो रिक्शा चालक राजू के परिवार को मेस्कॉम की ओर से 5 लाख रुपए का चेक सौंपा। सोमवार को शहर के सर्किट हाउस में यह चेक सौंपा गया। एमएलसी इवान डिसूजा ने मेस्कॉम की प्रबंध निदेशक पद्मावती को निर्देश दिया कि आवश्यक दस्तावेज प्राप्त होने के बाद पीड़ित के परिवार को 5 लाख रुपए का मुआवजा देने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

इस मौके पर काजू विकास निगम की अध्यक्ष ममता गट्टी, एमयूडीए के अध्यक्ष सदाशिव उल्लाला, रिक्शा चालक संघ के अध्यक्ष वसंत शेट्टी के साथ ही राजेश वीरनगर, गणेश उल्लाला, भरत कुमार, हबीबुल्लाह, एलिस्टन और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मारुति मेडिकल्स द्वारा संचालित विद्या सुरक्षा योजना के तहत सोमवार को शिवगंगे स्थित मठ में विद्यार्थियों में शिक्षण सामग्री वितरित की गई। इस मौके पर महेंद्र मुणोत के साथ मठ प्रमुख एवं शिक्षक गण मौजूद रहे।

कर्नाटक सरकार नैनो प्रौद्योगिकी अनुसंधान पर अधिक जोर दे रही: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री एनएस बोसराजू ने मंगलवार को कहा कि कर्नाटक को नैनो प्रौद्योगिकी अनुसंधान में अग्रणी राज्य बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं और इसे कर्नाटक राज्य अनुसंधान फाउंडेशन (केएसअ-ारएफ) और कर्नाटक आरएंडडी इनोवेशन प्लेटफॉर्म (ई-केआरडीआईपी) के माध्यम से हासिल किया जाएगा। यहां बेंगलूरु इंडिया नैनो 2024 कर्टेन रेजर प्रेस मीट में बोलते हुए उन्होंने नवाचार के लिए दुनिया के अग्रणी शहरों में से एक के रूप में बेंगलूरु की स्थिति और एक औद्योगिक रूप से अनुकूल राज्य के रूप में कर्नाटक की प्रतिष्ठा पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्टार्टअप्स और नए उद्यमों की स्थापना के लिए राज्य सरकार के मजबूत समर्थन पर जोर दिया और कहा कि क्रांतिकारी राज्य योजनाओं ने अग्रणी वैश्विक कंपनियों को कर्नाटक की ओर आकर्षित किया है। राज्य में अनुसंधान के लिए अनुकूल वातावरण और पर्याप्त मानव संसाधन हैं। बेंगलूरु इंडिया नैनो का 13वां संस्करण, एक तीन दिवसीय कार्यक्रम जो 1 और 3 अगस्त को होने वाला है, कर्नाटक सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, कर्नाटक विज्ञान और प्रौद्योगिकी संवर्धन सोसायटी और जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र द्वारा आयोजित किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, केएसअ-ारएफ की स्थापना स्टार्टअप और उद्यमों के लिए शोध करने और नए उत्पादों के निर्माण के लिए एक सहायक वातावरण को बढ़ावा देने के लिए की गई है। यह पहल कर्नाटक को आम जनता, स्टार्टअप और उद्यमों के लिए शोध के केंद्र में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन दोनों संस्थानों के माध्यम से नैनो प्रौद्योगिकी अनुसंधान को उच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

बेंगलूरु इंडिया नैनो 2024 स्थायी जलवायु, ऊर्जा और स्वास्थ्य सेवा के लिए नैनो प्रौद्योगिकी विषय पर केंद्रित होगा। शिखर सम्मेलन में 25 से अधिक सम्मेलन सत्रों में 700 से अधिक पंजीकृत प्रतिनिधि और 75 विशेषज्ञ वक्ता भाग लेंगे। सम्मेलन से पहले के ट्यूटोरियल, जो शिखर सम्मेलन के हिस्से के रूप में आयोजित किए जाएंगे, नैनो प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं में गहन ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेंगे, जो शुरुआती और अनुभवी पेशेवरों दोनों के लिए हैं। सम्मेलन से पहले के ट्यूटोरियल में नैनो फैब्रिकेशन, नैनो कैरेक्टराइजेशन और नैनो बायोलॉजी सहित प्रमुख विषयों पर चर्चा की जाएगी। इस कार्यक्रम में एक पोस्टर शोकेस भी होगा, जिसमें शिक्षा जगत और शोध संस्थानों के 175 से अधिक युवा शोधकर्ताओं को अपने अभिनव शोध पोस्टर प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। बोसराजू ने कहा कि अनुसंधान के लिए आवश्यक अनुदान विभाग द्वारा पहले से ही उपलब्ध कराया जा रहा है तथा इस क्षेत्र में अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए सरकारी स्तर पर अतिरिक्त कार्यक्रम विकसित किए जा रहे हैं।

राहुल गांधी हिंदुओं से मांगे माफी

विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी का पहला भाषण झूठ और निराधार आरोपों से भरा: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेन्द्र ने कहा कि राहुल गांधी को हिंदुओं से माफी मांगनी चाहिए। शहर के मल्लेश्वरम में भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा इस देश का नेतृत्व कर रही है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी, उसके नेता राहुल गांधी लगातार 3 बार कांग्रेस पार्टी को किसी भी तरह सत्ता में लाने की कोशिश में पूरी तरह से असफल रहे हैं। पहली बार उन्हें विपक्ष के नेता का पद मिला। सोमवार को संसद में विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी का पहला भाषण झूठ, निराशा और निराधार आरोपों से भरा था।

उन्होंने सदन में राहुल गांधी के व्यवहार को संसद के नियमों का उल्लंघन बताते हुए आलोचना की। लोकसभा चुनाव के दौरान भी उन्होंने देश भर में घूम-घूम कर दर्जनों बार झूठ बोला था। अब वह विपक्षी नेता के रूप में अपना पुराना सिलसिला जारी रखे हुए हैं। उन्होंने कहा सांसद बनने के बाद उन्होंने अपने पद की गरिमा को बरकरार रखने के बजाय उस पद को खतरे में डालने का काम किया है। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि हिंदू दिन-रात हिंसा और नफरत में लगे रहते हैं। ऐसा कहकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस देश के अनगिनत हिंदुओं का अपमान किया है। उन्होंने हिंदुओं का तेजोवध किया है।

इसी तरह अग्निवीर और किसानों की बात की। सिर्फ अयोध्या मुद्दे की नहीं बल्कि अन्य मुद्दों की भी बात की। इन सभी मामलों में झूठे बयान देने के अलावा उन्होंने हिंदुओं की हत्या को अक्षम्य अपराध बताते हुए इसकी निंदा की। लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने विदेश यात्रा की और भारत में लोकतंत्र नहीं होने का आरोप लगाया। अब सदन में हिंदुओं का अपमान करना अक्षम्य अपराध है। कांग्रेस ने 99 सीटें जीतीं और केंद्र में सत्ता में नहीं आई। कांग्रेस पार्टी, जो 100 का आंकड़ा पार नहीं कर सकी, उसके नेता राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता के रूप में सदन का इस्तेमाल अपनी इच्छानुसार बोलने के लिए किया। हिंदुओं को मारने के लिए सदन का इस्तेमाल करने वाले राहुल गांधी 1984 के सिख नरसंहार के लिए जिम्मेदार हैं? प्रश्न का उत्तर अवश्य दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यह कांग्रेस पार्टी ही है जिसने देश पर आपातकाल लगाया और देश के निर्दोष लोगों पर अत्याचार किया। ऐसी कांग्रेस पार्टी ने देश को बचाने के लिए लोगों के सामने कई विचार रखे थे। 2010 में तत्कालीन गृह मंत्री चिदम्बरम ने हिंदुओं पर आतंकवादी कहकर हमला बोला था। 2013 में सुशील कुमार शिंदे ने भी इसी तरह की बात कही थी। राहुल गांधी ने खुद कहा था कि हिंदुत्व का समर्थन करने वालों को देश से बाहर निकाल देना चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अपने भाषण में अपनी मंशा जाहिर कर दी।

कर्नाटक में भी अपमान का यही पैटर्न

कर्नाटक में भी उन्होंने इसी तरह से हिंदुओं का तेजोद्धार किया था। कांग्रेस पार्टी के मौजूदा कार्यकारी अध्यक्ष मंत्री सतीश जारकीहोली ने हिंदू शब्द का इस्तेमाल अपमानजनक शब्द के तौर पर किया था। एक विपक्षी नेता के रूप में, उन्होंने झूठ बोला है और अग्निवीर कर्मियों का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि अगर अग्निवीर कर्मी शहीद होते हैं तो केंद्र मुआवजा नहीं देगा। जबकि राजनाथ सिंह ने कहा कि शहीद होने पर एक करोड़ का मुआवजा दिया जाता है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन गया है, जिससे कई लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने गलत जानकारी दी है कि लोगों को मुआवजा नहीं दिया गया है। हमारी उत्तर प्रदेश सरकार ने आंकड़े जारी किये। उन्होंने कहा कि 4,215 दुकान मालिकों को 1,253 करोड़ रुपये की राशि दी गई है। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष हरथलु हलप्पा, विधान परिषद सदस्य एन. रविकुमार, प्रदेश महासचिव प्रीतम गौड़ा, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश उपस्थित थे।

भाजपा के प्रदेश विशेष कार्यकारी समिति की बैठक कल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश विशेष कार्यकारी समिति की बैठक गुरुवार को शहर के पैलेस मैदान में होगी।

भाजपा के राज्य महासचिव नंदीश रेड्डी ने कहा कि कार्यकारिणी के लिए 1,745 उम्मीदवार हैं। मल्लेश्वरम में भाजपा प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में लोकसभा चुनाव के बाद हमारी पार्टी के मंडल अध्यक्ष, जिला और राज्य पदाधिकारियों से ऊपर के सभी पदाधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र बैठक की अध्यक्षता करेंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे और राज्य के चुनाव प्रभारी राधामोहन अग्रवाल भी भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस समारोह की खासियत प्रत्येक बूथ स्तर तक कई विचारों को पहुंचाना है। राज्य सरकार की विफलताओं पर प्रस्ताव पारित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि वे नरेंद्र मोदी, जो तीसरी बार प्रधान मंत्री हैं, को बधाई देने के लिए एक और प्रस्ताव पारित करने जा रहे हैं। वहीं 5 और 6 तारीख को प्रदेश अध्यक्ष हारे हुए लोकसभा क्षेत्रों की समीक्षा बैठक करेंगे। उन्होंने इस सवाल का जवाब दिया कि इसमें उन लोकसभा क्षेत्रों की समितियां, प्रत्याशी, विधायक और पूर्व विधायक भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष इस पर चर्चा कर जानकारी लेंगे कि हम क्यों असफल हुए।

अशोक ने सिद्धरामैया को गोलमाल सीएम करार दिया

मुडा की साइट को पत्नी के नाम करने का लगाया आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति निगम में कथित 187 करोड़ रुपये के घोटाले के बाद, भाजपा के विपक्षी नेता आर अशोक ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को गोलमाल सीएम करार दिया और मैसूरु शहरी

विकास प्राधिकरण (मुडा) में 4,000 करोड़ रुपये की लूट का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि मुडा ने सभी नियमों का उल्लंघन करते हुए सिद्धरामैया की पत्नी को एक साइट हस्तांतरित की है और स्पष्ट रूप से पूछा कि वह मैसूरु में सभी नियमों के खिलाफ अपनी पत्नी के नाम पर साइट के हस्तांतरण को कैसे उचित ठहरा रहे हैं। एक अखबार की रिपोर्ट का हवाला देते हुए, अशोक ने जानना चाहा कि मुडा अधिकारियों को निलंबित करने के बजाय केवल स्थानांतरित क्यों किया गया। ऐसे मामले में आप किसे बचा रहे हैं। भाजपा नेता ने मांग की कि मुडा में 4,000 करोड़ रुपये के घोटाले से जुड़े साइट हस्तांतरण को जांच के लिए सीबीआई को भेजा जाना चाहिए या सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक जांच शुरू की जानी चाहिए। उन्होंने कहा जांच के लिए दो आईएएस अधिकारियों की नियुक्ति घोटाले को दबाने की कोशिश है। अशोक ने मुख्यमंत्री से पूछा कि मुडा द्वारा साइटों के आवंटन के लिए 50:50 आधार का औचित्य स्पष्ट करें और अधिक लाभदायक वैकल्पिक साइट के बजाय उसी लेआउट में साइट आवंटित क्यों नहीं की गई। उन्होंने कहा वे जानना चाहते हैं कि राज्य मंत्रिमंडल की मंजूरी के बिना साइट आवंटित करने की अनुमति किसने दी। उन्होंने पूछा है कि मुख्यमंत्री के गृह जिले मैसूरु में मुख्यमंत्री की सहमति के बिना यह घोटाला कैसे हुआ।

मानव-पशु संघर्ष को सुलझाने के लिए

अगस्त में होगा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन: मंत्री ईश्वर खंड्रे

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण मंत्री ईश्वर खंड्रे ने कहा कि राज्य में मानव-पशु संघर्ष का समाधान खोजने के लिए अगस्त में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। श्री क्षेत्र धर्मस्थल ग्रामीण विकास परियोजना (एसकेडीआरडीपी) और वन विभाग द्वारा मंगलवार को बंटवाल तालुक के आलमपुरी में सालूमरदा थिमक्का ट्री पार्क में राज्य भर में 10 लाख पौधे लगाने के लिए सामाजिक वनीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ करने के बाद बोलते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में मानव-पशु संघर्ष में वृद्धि हुई है। जंगली जानवरों की सुरक्षा के साथ-साथ हमें जंगली जानवरों के हमलों से लोगों की जान भी बचानी है। सम्मेलन में मानव-पशु संघर्ष पर विस्तार से चर्चा की जाएगी और हाथियों के हमलों में वृद्धि का समाधान खोजा जाएगा। वन क्षेत्र में कमी आई है और बफर जोन में व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ गई हैं। इसके अलावा, जंगल में लैंटाना जैसी खरपतवारों की भी वृद्धि हुई है, जो मानव-पशु संघर्ष में वृद्धि का कारण भी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कर्नाटक में 6,395

हाथी हैं और हाथियों की आबादी के मामले में यह देश में सबसे ऊपर है। राज्य में 263 बाघ हैं। उन्होंने कहा कि हाथियों और जंगली जानवरों के गांवों में घुसने के कारण कर्नाटक में हाथियों के हमले बढ़ गए हैं। अधिक पौधे लगाकर हरित आवरण बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि पारिस्थितिकी स्थिरता बनाए रखने के लिए कुल भौगोलिक क्षेत्र में कम से कम 33 प्रतिशत वन होना चाहिए। कर्नाटक में लगभग 21 प्रतिशत क्षेत्र में वन हैं, जिनमें से दो लाख हेक्टेयर पर अतिक्रमण किया गया है। उन्होंने कहा कि बीदर जैसे कुछ जिलों में केवल 7 प्रतिशत, कोप्पल में 4 प्रतिशत, यादगिरी में 3 प्रतिशत वन क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने हर साल पांच करोड़ पौधे लगाने की घोषणा की थी। पिछले साल वन विभाग 5.43 करोड़ पौधे लगाने में सफल रहा था। इन पौधों की ऑडिटिंग, जियो टैगिंग और थर्ड पार्टी निरीक्षण के बाद, हमने पाया कि 80 से 90 प्रतिशत पौधे बच गए हैं। अगर हम प्रति वर्ष 10 करोड़ पौधे भी लगाते हैं तो यह राज्य के लिए पर्याप्त नहीं है क्योंकि विकास के लिए पेड़ों को भी काटा जाता है। प्रकृति को बचाने के लिए सतत विकास समय की जरूरत है। जलवायु परिवर्तन दुनिया के लिए एक बड़ी चुनौती है और देश पहले ही इसका असर देख चुका है, दिल्ली में गर्मियों के दौरान तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है और कई लोगों की जान चली गई है। उन्होंने कहा मनुष्य स्वार्थी हो गया है और प्रकृति का दोहन करने में लगा हुआ है। हालांकि सरकार ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन वास्तव में इस पर पूरी तरह से प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। लोगों में जागरूकता पैदा करने की जरूरत है, जो बदले में स्वेच्छा से इसका उपयोग बंद कर दें। उन्होंने लोगों से अपने घर के आसपास एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद करने की शपथ लेने का आह्वान किया।

पेड़ों की सुरक्षा करना भी है

विधायक राजेश नाइक ने कहा हमें गांवों में छोटी-छोटी कचरा रिसाइकिलिंग इकाइयां खोलनी चाहिए और रिसाइकिल किए गए पानी का इस्तेमाल पौधे लगाने में करना चाहिए, जिससे भूजल स्तर में सुधार होगा और पौधे बचेंगे। अगर कोई गांव कचरा प्रबंधन में आत्मनिर्भर हो जाता है, तो देश आत्मनिर्भर बन सकता है। धर्मस्थल धर्माधिकारी डी. वीरेंद्र हेगड़े ने कहा पर्यावरण संरक्षण का मतलब सिर्फ पौधे लगाना नहीं है, बल्कि पेड़ों की सुरक्षा करना भी है। फलदार पौधे लगाने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि 2021 से अब तक श्री क्षेत्र धर्मस्थल ग्रामीण विकास परियोजना (एसकेडीआरडीपी) के माध्यम से पूरे राज्य में पौधे लगाने के लिए कुल 6,076 कार्यक्रम आयोजित किए गए। पिछले तीन वर्षों में 7310 एकड़ भूमि पर कुल 10,99,443 पौधे लगाए गए। इनमें से 3,70,407 पौधे फलदार वृक्ष थे।

सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हाल ही में सड़क हादसे में घायल हुए व्यक्ति की मंगलवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान पावूरू अक्षरानगरा के विश्वनाथ आचार्य के पुत्र गणेश आचार्य (27) के रूप में हुई है। 28 जून को वे अपने स्कूटर और टिपर ट्रक की टक्कर में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। शुभचिंतकों, रिश्तेदारों और दोस्तों की प्रार्थनाओं और वित्तीय योगदान के बावजूद, गणेश ने अपनी चोटों के कारण दम तोड़ दिया।

दुर्घटना हरेकला ग्राम पंचायत के सामने हुई जब गणेश हरेकला से कोनाजे जा रहे थे। टिपर चालक के अचानक ब्रेक लगाने से वाहन के पीछे सवार गणेश उसमें टकरा गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने टिपर चालक के साथ मिलकर गणेश को तुरंत डेरालाकाटे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में उसे उन्नत चिकित्सा उपचार के लिए मेंगलूरु के एक अन्य निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

गणेश अपने परिवार में सबसे बड़े बेटे थे, जो अपने माता-पिता, भाई और बहन का भरण-पोषण करने के लिए एसी मैकेनिक का काम करते थे। टिपर ट्रक चालक मोहम्मद हनीफ के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। गणेश के दोस्तों ने सर्जरी के लिए व्हाट्सऐप के जरिए वित्तीय सहायता मांगी थी, जिसकी अनुमानित लागत 10 लाख रुपये थी।

डेंगू के मामलों में वृद्धि : कर्नाटक स्वास्थ्य विभाग ने स्रोत में कमी लाने के उपायों पर केंद्रित किया ध्यान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में डेंगू के मामलों में तेज वृद्धि के बीच, स्वास्थ्य विभाग कई अन्य विभागों के साथ मिलकर उन क्षेत्रों का सर्वेक्षण कर रहा है, जहाँ वेक्टर जनित बीमारी की सूचना दी जा रही है। हर शुक्रवार को, स्वास्थ्य कार्यकर्ता पूरे राज्य में घर-घर जाकर जागरूकता और स्रोत में कमी लाने की गतिविधियाँ कर रहे हैं।

बीबीएमपी के एक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि राज्य में इस साल डेंगू के कुल 4,624 मामले सामने आए हैं और छह मौतें हुई हैं, जिसमें 1 जुलाई तक बेंगलूरु में डेंगू से हुई एक मौत भी शामिल है। पिछले साल, इसी अवधि के दौरान ये संख्या 1,563 थी और एक भी मौत नहीं हुई थी। बेंगलूरु के चुनिंदा इलाकों में निगरानी का काम तेजी से किया जा रहा है। इस साल बेंगलूरु शहर में डेंगू के पुष्ट मामलों की संख्या दोगुनी से भी अधिक हो गई है। हालांकि, राज्य की राजधानी में

फिलहाल डेंगू क्लस्टर की सूचना नहीं मिली है। राज्य स्वास्थ्य विभाग के वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम विंग के आंकड़ों के अनुसार, इस साल बेंगलूरु में डेंगू के 6,443 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। हालांकि, 4,961 मरीजों के रक्त के नमूनों की जांच की गई और उनमें से 1,563 नमूने या 31.5 प्रतिशत डेंगू वायरस के लिए पॉजिटिव पाए गए। तुलनात्मक रूप से, स्वास्थ्य अधिकारियों ने पिछले साल 42,294 संदिग्ध मामलों में से केवल 1,009 रक्त के नमूने एकत्र किए थे और उनमें से 732 या 72.5 प्रतिशत पिछले साल इसी अवधि के दौरान डेंगू के लिए सकारात्मक आए थे। राष्ट्रीय वेक्टर-जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महमूद शरीफ ने कहा कि इस साल रक्त के नमूने एकत्र करने और जांच में वृद्धि के कारण डेंगू के पुष्ट मामलों की संख्या अधिक है। इसके अतिरिक्त, एकत्र किए गए नमूनों की तुलना में सकारात्मक मामलों का प्रतिशत बताता है कि डेंगू का प्रसार अभी भी उतना व्यापक नहीं है जितना पिछले साल था। इस बीच, बेंगलूरु के अस्पतालों ने डेंगू जैसी बीमारियों से पीड़ित अधिक लोगों को देखने की पुष्टि की है। लोग तेज बुखार, पेट दर्द, सांस फूलना, थकान और अन्य लक्षणों के साथ बाह्य रोगी विभागों में जा रहे हैं। डॉक्टरों ने कहा कि केवल प्लेटलेट काउंट में गिरावट और रक्तस्राव के साथ अन्य लक्षणों के कारण अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता होती है। सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अरविंद कस्तूरी ने कहा हर साल जुलाई और अगस्त में हम संख्या में वृद्धि देखते हैं। हम कई लोगों, खासकर बच्चों को भर्ती कर रहे हैं, लेकिन यह कोई अप्रत्याशित स्थिति नहीं है। डॉ. कस्तूरी ने कहा कि संक्रमण के बहुत कम गंभीर मामलों में प्लेटलेट ट्रांसफ्यूजन की आवश्यकता होती है, और लक्षणों के उपचार के लिए तरल पदार्थ की आपूर्ति और उपचार प्रोटोकॉल का पालन करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। एक निजी अस्पताल में प्रसूति और स्त्री रोग सलाहकार डॉ. हेमावती श्रीनिवासन ने डेंगू से पीड़ित कम से कम पांच गर्भवती महिलाओं को देखा है। डेंगू होने की स्थिति में गर्भवती महिलाओं को होने वाले जोखिम बहुत अधिक हैं।

नए आपराधिक कानूनों के विभिन्न पहलुओं पर बहस जरूरी: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के स्थान पर लागू किए गए तीन नए आपराधिक कानूनों के विभिन्न पहलुओं पर बहस जरूरी है।

यहां पत्रकारों से बात करते हुए परमेश्वर ने कहा नए आपराधिक कानूनों में बहस के लिए कई कारक हैं। यह सब गलत नहीं है। इसमें अच्छे प्रावधान भी हैं। ब्रिटिश कानूनों में संशोधन किया गया है, और नए कानूनों को वर्तमान चुनौतियों का समाधान करने वाला माना जाता है। हालांकि, उन्होंने कहा कुछ प्रावधान ऐसे हैं जो उचित नहीं लगते। अगर मैं उनके बारे में बात करूंगा तो विवाद पैदा होगा। पहले मामले दर्ज किए जा सकते थे, लेकिन अब इसके लिए कोई

प्रावधान नहीं है। इस पर बहस की जरूरत है। परमेश्वर ने कहा हम व्यक्तियों को गिरफ्तार कर रहे हैं और कानूनी कार्रवाई कर रहे हैं, लेकिन नए कानून में जांच जारी रहने के दौरान भी आरोपियों को रिहा करने की आवश्यकता है। इसके अलावा, कुछ मामलों में मामले दर्ज नहीं किए जा सकते। इन पहलुओं पर चर्चा की जरूरत है, और हम आवश्यक सुधारों के लिए केंद्र सरकार को सूचित करेंगे। मंत्री ने जोर देकर कहा कि केंद्र सरकार को कर्नाटक जैसे राज्यों से इनपुट पर विचार करना होगा। कर्नाटक में सोमवार रात 10 बजे तक नए कानून के तहत 66 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें बेंगलूरु में 20-25 मामले शामिल हैं। उन्होंने माना कि कर्मचारियों को नए कानूनों के अनुकूल ढलने में एक से दो महीने लग सकते हैं। संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के विवादास्पद भाषण के बारे में परमेश्वर ने कहा भाजपा राहुल गांधी के मन और बयानों को नहीं समझ पाएगी और वे भ्रमित रहेंगे। राहुल गांधी ने स्पष्ट रूप से कहा कि हिंदू धर्म एक ऐसा धर्म है जो सभी वर्गों के लोगों को साथ लेकर चलता है। जो इसका विरोध करते हैं वे हिंदू नहीं हैं। यह उस मानसिकता वाले व्यक्तियों पर लागू होता है और अगर यह भाजपा पर लागू होता है, तो ऐसा ही हो।

कर्नाटक ने नए आपराधिक कानूनों का किया विरोध

इससे लोकतांत्रिक विरोध और नागरिक अधिकारों को खतरा : कानून मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के कानून मंत्री एचके पाटिल ने घोषणा की कि राज्य सरकार भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और संबंधित कानूनों के कार्यान्वयन का विरोध करती है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार 4 जुलाई को होने वाली अगली कैबिनेट बैठक में नए आपराधिक कानूनों से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए राज्य स्तर पर संशोधन पेश करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, पाटिल ने कहा कि केंद्र सरकार को बीएनएस के कार्यान्वयन को तब तक के लिए टाल देना चाहिए जब तक कि वह पिछले साल कर्नाटक सरकार द्वारा सुझाई गई सिफारिशों को शामिल नहीं कर लेती। उन्होंने कहा कि राज्य यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि नए कानून लोकतांत्रिक विरोध और नागरिक अधिकारों को कमजोर न करें। केंद्र सरकार द्वारा अगस्त 2023 में लोकसभा में तीन विधेयक पेश किए जाने के तुरंत बाद, राज्य सरकार ने सितंबर 2023 में पाटिल के नेतृत्व में एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया था। अक्टूबर 2023 में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को सौंपी गई समिति की रिपोर्ट में 23 प्रमुख सिफारिशें बताई गई थीं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर संसद में विधेयक पारित होने से पहले इन सुझावों को शामिल करने का आग्रह किया। राज्य के पास भारतीय न्याय संहिता और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में नौ-नौ सुझाव थे, तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम विधेयक में पांच सुझाव थे। नए कानूनों में खामियों पर बोलते हुए पाटिल ने कहा कि नए कानून में आत्महत्या करने के प्रयास के रूप में उपवास को अपराध माना गया है। उन्होंने कहा स्वतंत्रता संग्राम में उपवास एक प्रभावी हथियार था, लेकिन अब इसे आत्महत्या करने के प्रयास के रूप में अपराध माना जा रहा है। यह लोकतांत्रिक विरोध को दबाने के लिए है। हम विरोध को दबाने के किसी भी प्रयास को रोकने के लिए संशोधन लाएंगे।

पाटिल ने नए कानूनों के तहत दी गई अस्पष्ट परिभाषाओं और एकतरफा शक्तियों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा जबकि एक नया शब्द संगठित अपराध जोड़ा गया है, इसकी परिभाषा अस्पष्ट और बेतुकी है। इसने जांच एजेंसियों को अस्पष्ट व्याख्याओं के आधार पर व्यक्तियों पर मुकदमा चलाने के लिए एकतरफा और विवेकाधीन शक्तियां दी हैं। भूमि हड़पने, अनुबंध हत्या, साइबर अपराध आदि के लिए नई शब्दावली का उपयोग किया जाता है, लेकिन नए अधिनियम में कहीं भी सार्थक रूप से परिभाषित नहीं किया गया है। एक और महत्वपूर्ण चिंता भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में 90 दिनों तक की पुलिस हिरासत की अनुमति देने वाले प्रावधान को लेकर जताई गई। पाटिल ने इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया और कहा कि सरकार इसमें संशोधन करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस हिरासत को कम से कम समय तक सीमित करने के लिए कानून में संशोधन किया जाएगा और आपराधिक मामले में आरोपी की संपत्ति जब्त करने की अदालत की शक्ति में बदलाव की जरूरत है।

आग में सात दुकानें जलकर खाक

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के व्यापारिक इलाके गांधी बाजार में सोमवार की रात आग लगने से सात दुकानें जलकर खाक हो गईं। देर रात एक दुकान में लगी आग दूसरी दुकानों में भी फैल गई, जिससे लाखों रुपये के रेडीमेड गारमेंट उत्पाद और जूते जलकर राख हो गए। कोई हताहत नहीं हुआ, क्योंकि आग लगने के समय दुकानें बंद थीं। राहगीरों ने आग को देखा और अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग को सूचना दी। दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। इलाके में सड़कें संकरी होने के कारण वाहनों को मौके पर पहुंचने और आग बुझाने में दिक्कत हुई। कर्मचारियों ने आग बुझाने के लिए करीब तीन घंटे तक काम किया। एक दुकान में शॉर्ट-सर्किट के कारण दुर्घटना होने का संदेह है। आग लगने की खबर फैलते ही सैकड़ों दुकानदार अपने प्रतिष्ठानों की जांच करने के लिए मौके पर पहुंचे। कुछ दुकानदार आग में अपना कीमती सामान नुकसान से बचाने के लिए बैग में भरकर ले जाते देखे गए। डोडापेटे पुलिस ने भीड़ को संभाला।

मैं अपने बेटे प्रज्वल से जेल में नहीं मिलूंगा, सूरज बेदाग निकलेंगे: रेवन्ना

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना और जेडीएस एमएलसी सूरज रेवन्ना के पिता ने मंगलवार को कहा कि वह जेल में प्रज्वल से मिलने नहीं जाएंगे। जेडीएस विधायक एचडी रेवन्ना, जिनके दो बेटों को यौन उत्पीड़न के अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया है, ने कहा सूरज जल्द ही बेदाग निकलेंगे।

यहां पत्रकारों से बात करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के बेटे एचडी रेवन्ना ने कहा मैं जेल में प्रज्वल रेवन्ना से मिलने नहीं जाऊंगा। अगर मैं उनसे मिलने जाता हूं, तो लोग कहेंगे कि मैंने उन्हें कुछ संदेश दिया है। इस पृष्ठभूमि में, मैं नहीं जाऊंगा। अब हमारे लिए केवल भगवान ही हैं। सोमवार को मेरी पत्नी प्रज्वल से मिलने जेल गई थी। मुझे नहीं पता कि मां और बेटे ने किस बारे में बात की। एचडी रेवन्ना ने कहा मैंने पूछा भी नहीं। सूरज रेवन्ना के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा मुझे विश्वास है कि वह जल्द ही बेदाग निकलेंगे। मैं किसी अन्य मामले पर बात नहीं करूंगा क्योंकि सब कुछ अदालत में है। सब कुछ खत्म हो जाने दीजिए, मैं सब कुछ स्पष्ट कर दूंगा। एचडी रेवन्ना ने कहा मुश्किलें सबसे ताकतवर लोगों पर भी आती हैं, तो हम कौन हैं?

मैं किसी भी परिस्थिति में नहीं फंसूंगा। मैंने 30 साल तक राजनीति की है। मैं इस तरह की कई स्थितियों से गुजरा हूं। प्रज्वल रेवन्ना पर बार-बार बलात्कार, अपहरण और धमकी देने, यौन कृत्यों का वीडियो बनाने का आरोप है और वह देश को हिला देने वाले सनसनीखेज सेक्स वीडियो मामले में मुख्य आरोपी है। उनके भाई सूरज रेवन्ना पर जेडी(एस) कार्यकर्ताओं पर अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने का आरोप है।

कर्नाटक सरकार ने उच्च शिक्षा संस्थानों में

द्विवार्षिक प्रवेश पर यूजीसी के आदेश का किया विरोध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के बाद, कर्नाटक सरकार ने अब उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) में द्विवार्षिक प्रवेश लागू करने के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के आदेश का विरोध किया है। भारत में उच्च शिक्षा के सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) को 2035 तक 50 प्रतिशत तक बढ़ाने के उद्देश्य से, एचईआई को जुलाई-अगस्त और जनवरी-फरवरी में साल में दो बार छात्रों को नामांकित करने का आदेश दिया गया है। हालांकि, कर्नाटक सरकार ने यूजीसी के आदेश का विरोध किया है। कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री एम.सी. सुधाकर ने कहा यूजीसी देश की शिक्षा प्रणाली के पक्ष और विपक्ष के बारे में सोचे बिना भारत में विदेशी शिक्षा मॉडल लागू कर रहा है। हाल ही में, यूजीसी ने उच्च शिक्षा संस्थानों को वर्ष में दो बार छात्रों को प्रवेश देने की नीति को मंजूरी देते हुए कहा, जैसा कि भारत एक ज्ञान अर्थव्यवस्था और समाज बनने का लक्ष्य रखता है, बढ़ती संख्या में युवा उच्च शिक्षा की आकांक्षा रखेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) का लक्ष्य 2035 तक 50 प्रतिशत जीईआर हासिल करना है। इच्छुक उच्च शिक्षा संस्थानों को बुनियादी ढांचे, शिक्षण संसाधनों और सहायता प्रणालियों की उपलब्धता के आधार पर, संस्थागत वैधानिक निकायों की मंजूरी के साथ, वर्ष में दो बार छात्रों को प्रवेश देने की योजना सावधानीपूर्वक तैयार करनी चाहिए। वर्ष में दो बार प्रवेश के लिए, कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट-अंडर ग्रेजुएट (सीयूईटी यूजी) और सीयूईटी यूजी स्कोर का उपयोग जुलाई-अगस्त और जनवरी-फरवरी प्रवेश चक्रों के लिए किया जा सकता है क्योंकि ये अंक एक पूरे वर्ष के लिए मान्य होते हैं। यूजीसी को उम्मीद है कि इस नीति से जीईआर में वृद्धि, उच्च शिक्षा तक बेहतर पहुंच, छात्रों और उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए लचीलापन, बेहतर बुनियादी ढांचे का उपयोग, अंतरराष्ट्रीय छात्रों का आकर्षण और विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग की सुविधा मिलेगी। डॉ. सुधाकर ने कहा, यूजीसी अमेरिकी शिक्षा प्रणाली को लागू करने की कोशिश कर रही है। संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) के विश्वविद्यालय, जहां द्विवार्षिक प्रवेश लागू है, छात्रों द्वारा वित्त पोषित निजी विश्वविद्यालय हैं, और राज्य द्वारा वित्त पोषित विश्वविद्यालय नहीं हैं। उनके पास अच्छा बुनियादी ढांचा और अच्छी संख्या में संकाय सदस्य और शोध सुविधाएं हैं।

बुनियादी ढांचे की कमी का सामना कर रहे

हालांकि, कर्नाटक में, निजी संस्थानों सहित अधिकांश उच्च शिक्षा संस्थान शिक्षण संकाय सदस्यों की कमी, प्रवेश की कमी और बुनियादी ढांचे की कमी का सामना कर रहे हैं। यूजीसी बिना किसी व्यावहारिक ज्ञान के ऐसे आदेश जारी कर रहा है। शिक्षा समवर्ती सूची में होने के बावजूद, यूजीसी किसी भी राज्य सरकार या हितधारकों से परामर्श किए बिना मनमाने ढंग से ऐसे आदेश पारित कर रहा है। यूजीसी के आदेश के अनुसार, सीयूईटी द्विवार्षिक प्रवेश के लिए अनिवार्य परीक्षणों में से एक है। हालांकि, कर्नाटक में बहुत से उच्च शिक्षा संस्थानों ने सीयूईटी का विकल्प नहीं चुना है। इसलिए, कर्नाटक में ऐसी अव्यवहारिक प्रणाली लागू नहीं की जाएगी।

नकली बंदूक लहराने के आरोप में इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर की पुलिस ने एक 26 वर्षीय इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर को गिरफ्तार किया है, जो अपने बॉडीगार्ड्स के साथ सार्वजनिक स्थानों पर घूमकर भय पैदा करने के लिए एके47 और अन्य हथियारों जैसी नकली बंदूकों का इस्तेमाल करता था। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान बेंगलूरु के जेपी नगर निवासी और चित्रदुर्ग के मूल निवासी अरुण कथारे के रूप में हुई है। उसे 9 जून को चोक्कनहल्ली के एक होटल में नकली बंदूकों और अपने बॉडीगार्ड्स जैसे कपड़े पहने कुछ लोगों के साथ घूमने के बाद गिरफ्तार किया गया। उसने इंस्टाग्राम पर वीडियो भी पोस्ट किया। गश्त के दौरान स्थानीय पुलिस को अरुण कथारे की घटना के बारे में पता चला।

डेंगू पर नियंत्रण के लिए किए जा रहे आवश्यक उपाय : तुषार गिरिनाथ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त तुषार गिरिनाथ ने कहा कि शहर में डेंगू संक्रमण को रोकने के लिए आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडुराव ने डेंगू के प्रकोप पर चर्चा के लिए एक बैठक बुलाई है। बैठक में भाग लेकर उनके द्वारा दी गयी सलाह का पालन किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि वह शहर में संक्रमित लोगों की अधिक संख्या के आंकड़ों के साथ बैठक में भाग ले रहे हैं और संक्रमण को खत्म करने के लिए किए गए उपायों के बारे में भी जानकारी देंगे। संक्रमण के खात्मे को लेकर हम स्वास्थ्य विभाग से लगातार संपर्क में हैं, उन्होंने उनकी मदद से संक्रमण को खत्म करने के लिए कार्रवाई करने का वादा किया। उन्होंने बताया कि डेंगू के मामले हर साल जून से अगस्त सितंबर तक दर्ज किए जाते हैं जो सितंबर में चरम पर होता है लेकिन इस बार यह जून में चरम पर चला गया है जिससे समस्या और भी गंभीर हो गई है। पिछले साल जून में केवल 750 मामले दर्ज किए गए थे लेकिन इस बार यह संख्या दो हजार से अधिक हो गई है। इसलिए हम टीमें बनाकर लोगों को जागरूक करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा भियान चलाया जा रहा है, हम घर-घर जा रहे हैं और जागरूकता फैलाने के लिए पर्चे बांट रहे हैं। उन्होंने कहा कि डेंगू संक्रमण ताजे पानी में पनपने वाले मच्छरों के कारण होता है। बीबीएमपी में 6000 परीक्षण किट हैं, लेकिन 95 प्रतिशत मामले निजी तौर पर रिपोर्ट किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि बीबीएमपी स्वास्थ्य केंद्रों में तेज बुखार के साथ आने वाले मरीजों की डेंगू की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि संक्रमित व्यक्ति की सफेद रक्त कोशिकाएं 20 हजार से कम होती हैं, लेकिन ऐसे व्यक्ति को रक्तदान की जरूरत होती है और बाकी की जांच की जाएगी। लक्षणों के अनुसार इलाज किया जाता है।

अधिकारियों की लापरवाही के कारण ट्रैफिक पुलिसकर्मी ने केपीटी में गड्ढे भरने का शुरू किया काम

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारी मानसून के कारण राजमार्गों पर गड्ढे हो गए हैं, जिससे वाहन चालकों और वाहनों को खतरा पैदा हो गया है, जिससे कई दुर्घटनाएं हो रही हैं। लोगों को गड्ढों से भरी सड़कों पर यात्रा करनी पड़ रही है, जबकि संबंधित अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं, मानसून आने से पहले गड्ढों को भरने और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कोई निवारक उपाय नहीं कर रहे हैं। संबंधित अधिकारी दुर्घटना होने का इंतजार करते हैं, ताकि वे गड्ढों को भरने का कोई कारण ढूंढ सकें।

गौरतलब है कि सुरथकल में एक मोटर चालक ने गड्ढे के कारण अपने दोपहिया वाहन पर संतुलन खो देने के बाद विरोध प्रदर्शन किया था। केपीटी सर्किल पर गड्ढे हो गए हैं, जिससे वाहनों की आवाजाही को खतरा पैदा हो गया है। इसी बीच ट्रैफिक पुलिसकर्मी ईश्वर स्वामी ने दयालुता दिखाई और केपीटी सर्किल पर एक गड्ढे को ठीक करते हुए नजर आए। ईस्ट ट्रैफिक पुलिस स्टेशन में काम करने वाले ईश्वर स्वामी ने ट्रैफिक स्टाफ और ऑटो-रिक्शा चालकों के सहयोग से गड्ढे को ठीक किया। सर्किल पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मी दोपहिया वाहन चालकों को गड्ढों में गिरने के बाद संतुलन खोते हुए देखते हैं, जो खतरनाक है और ट्रैफिक की समस्या भी पैदा करता है। जबकि संबंधित अधिकारी तेजी से कार्रवाई करने में विफल रहे, ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के पास कोई अन्य विकल्प नहीं बचा था, इसलिए उन्होंने ट्रैफिक को आसान बनाने और मोटर चालकों की सुरक्षा के लिए खुद ही गड्ढों को ठीक करने का फैसला किया। जहां कई लोगों ने गड्ढे को ठीक करने के लिए पुलिसकर्मी द्वारा दिखाई गई चिंता और हाव-भाव की सराहना की, वहीं नेटिजेंस ने सवाल उठाया कि क्या गड्ढों को ठीक करना ट्रैफिक पुलिसकर्मियों का कर्तव्य है या दुर्घटना होने से पहले गड्ढों को ठीक करना संबंधित अधिकारियों का कर्तव्य है।

सांसद राघवेंद्र ने रेल मंत्री से मुलाकात की

शिवमोग्गा में रेलवे कार्यों पर चर्चा की

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

शिवमोग्गा लोकसभा के सांसद बी.वाई. राघवेंद्र ने मंगलवार को दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की और अपने निर्वाचन क्षेत्र में रेलवे परियोजनाओं के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें सिरसी और ताड़ासा के माध्यम से तलगुप्पा और हुब्बल्ली को जोड़ने वाली एक नई रेलवे लाइन भी शामिल है। अपने ज्ञापन में, राघवेंद्र ने कहा कि रेलवे बोर्ड ने नई रेलवे लाइन के सर्वेक्षण को मंजूरी दे दी है। दक्षिण पश्चिम रेलवे द्वारा सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया था, और रिपोर्ट बोर्ड को सौंप दी गई थी। उन्होंने मंत्री से आगामी बजट में काम को मंजूरी देने का अनुरोध किया, ताकि नई रेलवे लाइन के साथ मलनाड और उत्तरी कर्नाटक क्षेत्र के बीच संपर्क में सुधार हो सके। लंबे समय से लंबित शिवमोग्गा-बिरूरू दोहरीकरण कार्य के बारे में, सांसद ने कहा कि परियोजना को बहुत पहले मंजूरी दी गई थी, लेकिन यह शुरू नहीं हुई। हालांकि, उन्होंने इस काम को जल्द से जल्द शुरू करने की जरूरत पर जोर दिया, क्योंकि शिवमोग्गा-शिकारीपुर-राणेबेन्नूर नई रेलवे लाइन के निर्माण से इस मार्ग पर यातायात बढ़ने की उम्मीद है। राघवेंद्र ने कोटेगंगुर में कोचिंग डिपो के काम की गति पर चिंता व्यक्त की। वह चाहते थे कि कोच डिपो का निर्माण वंदे भारत ट्रेनों के रखरखाव के लिए सुविधाओं के साथ किया जाए और काम जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने शिवमोग्गा और मेंगलूरु को श्रृंगेरी के रास्ते जोड़ने वाली नई रेलवे लाइन की भी मांग रखी। इस परियोजना को पहले ही मंजूरी दे दी गई थी और इसे आगे नहीं बढ़ाया गया। उन्होंने कहा कि इससे तटीय कर्नाटक और मलनाड क्षेत्र के बीच संपर्क स्थापित करने में मदद मिलेगी।

आतंकी ठिकाना नेस्तनाबूद, एक आतंकी भी पकड़ा गया

ढेरों हथियार और गोला बारूद बरामद

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 02 जुलाई।

जम्मू कश्मीर में सुरक्षाबलों ने संयुक्त तौर पर कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान में आतंकियों के एक पुराने ठिकाने का पता लगा उसे नष्ट कर दिया। जबकि सुरक्षाबलों ने उत्तरी कश्मीर के सोपोर में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों का एक सहयोगी को हथियारों के साथ पकड़ा है।

इस आतंकी ठिकाने से असॉल्ट राइफल के 400 कारतूस और एक ग्रेनेड व पिस्तौल बरामद हुई है। बारामुला जिले की सोपोर पुलिस को रविवार की देर शाम पता चला था कि लश्कर का एक आतंकी मददगार मारुती कार में घूम रहा है। वह हथियारों की एक खेप किसी जगह पहुंचाने की कोशिश में था। कुपवाड़ा से मिली एक सूचना के मुताबिक, दार्दपोरा के जंगल में तलाशी ले रहे सुरक्षाबलों ने

आतंकियों के एक ठिकाने का पता लगाया। सुरक्षाबलों ने इस ठिकाने की तलाशी के दौरान जंग लगे आठ मैगजीन, असाल्ट राइफल के 400 कारतूस, तीन मैगजीन, 13 कारतूस व एक पिस्तौल और एक ग्रेनेड बरामद किया है। अधिकारियों ने बताया कि यह ठिकाना काफी पुराना लगता है और काफी समय से इस्तेमाल में नहीं था। इस ठिकाने को नष्ट कर दिया गया है ताकि इसका दोबारा इस्तेमाल न हो सके।

दूसरी घटना में माच्छीपोरा में नाका पार्टी ने मारुती कार (जेकेए01एके-4452) को रुकने का संकेत किया। कार चालक ने नाका पार्टी को देखकर वाहन को पीछे की तरफ मोड़कर भागने का प्रयास किया। नाका पार्टी ने उसका पीछा किया और कार को रोककर कार चालक को पकड़ लिया। कार चालक की पहचान वहीद उल जहूर के रूप में हुई है। वह रफियाबाद के हादीपोरा का रहने वाला है और बीते कुछ समय से श्रीनगर के मुस्तफाबाद एचएमटी में रह रहा है। उसकी निशानदेही पर कार में छिपाकर रखे गए तुर्किये निर्मित दो पिस्तौल, तीन मैगजीन, 41 कारतूस, दो चाइनीज ग्रेनेड, पिस्तौल का एक साइलेंसर और आईईडी बनाने का सामान बरामद किया। पूछताछ में पता चला कि वहीद उल जहूर लश्कर का मददगार है। वह नौ जून को हादीपोरा सोपोर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए लश्कर के दो विदेशी आतंकियों के साथ भी कथित तौर पर संपर्क में था।

भाजपा ने उपेंद्र कुशवाहा को दिया राज्यसभा का उपहार

पटना, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

काराकाट लोकसभा सीट पर भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह के कारण चुनाव हारने वाले राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने भरोसे के काबिल माना है। एनडीए में उनके महत्व को समझते हुए कुशवाहा को राज्यसभा चुनाव के लिए नामित किया गया है। भाजपा के राज्यसभा सांसद विवेक ठाकुर के लोकसभा सदस्य बनने के बाद खाली हुई राज्यसभा की सीट पर कुशवाहा के साथ ही एनडीए के एक और घटक दल लोक जनशक्ति पार्टी (राष्ट्रीय) के प्रमुख व पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस की नजर थी। लेकिन, लोकसभा चुनाव में एकमात्र सीट लेकर भी उसे जीत में नहीं बदल सके पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा के लिए भाजपा ने कुर्बानी दी और एनडीए ने भरोसा जताया।

सोशल मीडिया पर उपेंद्र

कुशवाहा ने लिखा कि राज्यसभा की सदस्यता के लिए एनडीए की ओर से मेरी उम्मीदवारी की घो-षणा के लिए बिहार की आम जनता एवं राष्ट्रीय लोक मोर्चा सहित एनडीए के सभी घटक दलों के कर्मठ कार्यकर्ताओं, जिन्होंने विपरीत परिस्थिति में भी मेरे प्रति अपना स्नेह बनाए रखा, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी, गृह अमित शाह जी, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, चिराग पासवान, जीतन राम मांझी जी और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित एनडीए के अन्य नेताओं व कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार देता हूं।

180 करोड़ का कर्ज न चुकाने का मामला

विजय माल्या के खिलाफ गैर जमानती वारंट

मुंबई, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

मुंबई की एक विशेष अदालत ने भगोड़े कारोबारी विजय माल्या के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। यह गैर जमानती वारंट विजय माल्या के खिलाफ इंडियन ओवरसीज बैंक से जुड़े 180 करोड़ रुपए का कर्ज न चुकाने के मामले से जुड़ा है। अदालत ने माल्या के खिलाफ 29 जून को गैर जमानती वारंट जारी किया था, लेकिन इसका आदेश सोमवार को उपलब्ध हुआ।

कोर्ट ने सीबीआई की दलीलों को सुनने के बाद और विजय माल्या के भगोड़े होने की स्थिति के आधार पर कहा कि माल्या के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करने के लिए यह मामला बिल्कुल उपयुक्त है, ताकि उनकी अदालत में उपस्थिति सुनिश्चित की जा सके। सीबीआई ने कोर्ट की सुनवाई के दौरान कहा कि जांच में पता चला कि दिवालिया

एयरलाइंस किंगफिशर के प्रमोटर विजय माल्या ने जानबूझकर सरकारी बैंक से लिए 180 करोड़ रुपए के कर्ज को नहीं चुकाया। ईडी द्वारा जांच किए जा रहे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में विजय माल्या पहले ही भगोड़े घोषित हो चुके हैं। फिलहाल वह लंदन में हैं और भारत सरकार ब्रिटेन की सरकार से उनके प्रत्यर्पण की कोशिश में जुटी है।

चार्जशीट के अनुसार, विजय माल्या ने साल 2007 से 2012 के बीच उस वक्त संचालित हो रही किंगफिशर एयरलाइंस के लिए इंडियन ओवरसीज बैंक से 180 करोड़ रुपए का कर्ज लिया था। जांच एजेंसी का कहना है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने साल 2010 में एसबीआई बैंक को विमानन क्षेत्र के लिए एकमुश्त उपाय के लिए किंगफिशर एयरलाइंस के प्रस्ताव पर विचार करने का निर्देश दिया था। इसके बाद इंडियन ओवरसीज बैंक समेत 18 बैंकों के संघ ने किंगफिशर एयरलाइंस के साथ एमडीआरए समझौता किया। आरोप है कि किंगफिशर के प्रमोटर विजय माल्या ने धोखाधड़ी के इरादे से पुनर्भुगतान दायित्वों को जानबूझकर पूरा नहीं किया। इससे बैंक को 141.91 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ और कर्ज को शेयरों में बदलने के कारण 38.30 करोड़ का अतिरिक्त नुकसान हुआ। पूर्व राज्यसभा सांसद विजय माल्या मार्च 2016 में भारत छोड़कर चले गए थे। जनवरी 2019 में माल्या के खिलाफ कई कर्ज न चुकाने और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी बनाया गया।

दिल्ली हाईकोर्ट ने टीएमसी सांसद साकेत गोखले को दिया झटका

हरदीप पुरी की पत्नी को 50 लाख देने का आदेश

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद साकेत गोखले को दिल्ली हाईकोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने गोखले को आदेश दिया है कि वह केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी कि पत्नी और पूर्व आईएफएस अफसर लक्ष्मी एम पुरी को 50 लाख रुपए का हर्जाना दें। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया है कि गोखले को लक्ष्मी पुरी से ट्विटर और टाइम्स ऑफ़ इंडिया में लिखित रूप से माफी मांगनी होगी। कोर्ट ने यह निर्णय मानहानि के एक मुकदमे में दिया है।

दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस अनूप जैराम भम्भानी की बेंच ने कहा कि गोखले ने लक्ष्मी पुरी और उनके पति हरदीप सिंह पुरी पर हवा-हवाई आरोप लगाए थे। कोर्ट ने कहा कि उनके इन ट्वीट का परिणाम यह हुआ कि कुछ लोगों ने इसे सच समझ लिया।

हाईकोर्ट ने कहा कि गोखले के ट्वीट एकदम फर्जी और गलत मंशा वाले थे। हाईकोर्ट ने कहा, इसलिए गोखले द्वारा बिना वेरीफाई किए ऐसे ट्वीट के माध्यम से अपमानजनक बातें लिखना अत्यंत गैर जिम्मेदाराना था। इससे ट्विटर पर गोखले के सभी फॉलोवर्स को लक्ष्मी पुरी के आर्थिक मामलों पर उन आरोपों की जानकारी मिली, जो कि बिलकुल असत्य है।

हाईकोर्ट ने कहा कि गोखले के ट्वीट काफी अपमानजनक थे और इससे लक्ष्मी पुरी की प्रतिष्ठा को काफी क्षति पहुंची। कोर्ट ने इस बात का उल्लेख किया कि पहले गोखले ने इस मामले में अपना बचाव करने के लिए वकील रखा और खुद भी आए, वहीं कुछ समय के बाद उन्होंने आना छोड़ दिया और उनका वकील भी इस मामले में को छोड़ दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि गोखले के उलट लक्ष्मी पुरी लगातार इस मामले में जोर लगाती रहीं, जो उनकी गंभीरता को दर्शाता है। कोर्ट ने गोखले को लक्ष्मी पुरी की प्रतिष्ठा को हुई क्षति के एवज में 50 लाख रुपए देने का आदेश दिया। हाईकोर्ट ने इसी के साथ आदेश दिया कि गोखले अपने ट्विटर अकाउंट के माध्यम से लक्ष्मी पुरी से माफी मांगें और उसे 6 महीने तक अकाउंट पर ही रखें। इसके साथ ही वह टाइम्स ऑफ़ इंडिया समाचार पत्र में एक सार्वजनिक माफी छपवाएं।

गौरतलब है कि अपने ट्विटर अकाउंट पर लिखे गए थ्रेड के माध्यम से साकेत गोखले ने लक्ष्मी पुरी और उनके पति हरदीप सिंह पुरी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था।

गोखले ने आरोप लगाया था कि पुरी ने स्विट्जरलैंड में 2.5 मिलियन डॉलर (लगभग 18.6 करोड़) की कीमत का एक बंगला खरीदा है। साथ ही गोखले ने यह भी दावा किया था कि इस बंगले की कीमत अदा करने के लिए पुरी दंपति के पास वैध आय के स्रोत नहीं हैं। इसके बाद लक्ष्मी ने गोखले को कानूनी नोटिस भेजा था और दिल्ली हाईकोर्ट में इस संबंध में याचिका भी दायर की थी। वहीं गोखले ने कहा था कि कुछ भी हो जाए लेकिन वह इस संबंध में अपना ट्वीट डिलीट नहीं करेंगे। बाद में चुपके से साकेत गोखले ने अपना ट्वीट हटा लिया था। उनको इससे पहले भी कोर्ट ने काफी लताड़ लगाई थी। कोर्ट ने 2021 में हुई एक सुनवाई के दौरान कहा था कि कोई भी ऐरा गैरा किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सोशल मीडिया पर आरोप कैसे लगा सकता है। साकेत गोखले को इस पूरे विवाद के कुछ दिनों के बाद टीएमसी ने राज्यसभा भेज दिया था।

हरदीप सिंह पुरी लंबे समय तक भारत के राजनयिक रहे हैं और 2021 से ही मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। वहीं उनकी पत्नी लक्ष्मी पुरी भी राजनयिक रही हैं। लक्ष्मी पुरी संयुक्त राष्ट्र में सहायक महासचिव, संयुक्त राष्ट्र में उप कार्यकारी निदेशक, हंगरी में भारत की राजदूत और बोस्निया और हर्जेगोविना में भी कार्यभार संभाला है।

कश्मीर में सीमा पार से घुसपैठ की चुनौती फिर सामने

पाक सेना मदद में दे रही है कवर फायर

जम्मू, 02 जुलाई (ब्यूरो)।

प्रदेश में आतंकवाद विरोधी अभियानों में जुटे सुरक्षाबलों ने इसे स्वीकार किया है कि उनके लिए उस पार से घुसपैठ की नई चुनौती ने फिर से जन्म ले लिया है। इसमें चिंता का पहलू यह है कि पाक सेना घुसपैठियों को कवर फायर देते हुए सीजफायर को भी दांव पर लगा रही है।

अधिकारियों ने माना है कि आतंकी घुसपैठ के पुराने पारंपरिक मार्गों पर वापस लौट आए हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि एलओसी और इंटरनेशनल बार्डर के करीब पुराने पारंपरिक मार्गों से घुसपैठ की कोशिशों में अचानक वृद्धि हुई है। आतंकवाद से जुड़ी घटनाओं में वृद्धि से संकेत मिलता है कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में अच्छी संख्या में विदेशी आतंकवादी घुसपैठ कर चुके हैं।

दशकों में पहली बार, सुरक्षाबलों ने कुछ संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल गुलमर्ग क्षेत्र की ऊपरी पहाड़ियों में तलाशी अभियान चलाया। हालांकि सुरक्षाबलों ने स्थानीय सक्रिय आतंकियों की संख्या को कम करने में सफलता हासिल की है और साथ ही आतंकवादी रेंको में स्थानीय कश्मीरी युवाओं की भर्ती में भी कमी आई है। सुरक्षाबलों का कहना कि वे किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं और सीमा पार आतंकियों और उनके आकाओं को मुंहतोड़ जवाब देंगे। सुरक्षाधिकारी कहते थे कि हम तैयार हैं। वे कहते थे कि वे कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सफल नहीं हो रहे हैं।

इसे माना जा रहा है कि जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं में तेजी आई है, जहां सर्दियों की शुरुआत से पहले घुसपैठ चरम पर होती है। जिसने सुरक्षाबलों को केंद्र शासित प्रदेश में अपनी आतंकवाद विरोधी रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए मजबूर किया है। सूत्रों ने कहा कि संशोधित आतंकवाद विरोधी रणनीति इस बात पर विचार करेगी कि सर्दियों से पहले घाटी में घुसपैठ की कोशिशें बढ़ने की संभावना है क्योंकि भारी बर्फबारी के कारण ऐसी कोशिशें मुश्किल हो जाती हैं। सुरक्षा विशेषज्ञ आतंकी हमलों में वृद्धि के लिए कई कारकों को जिम्मेदार मानते हैं, जैसे कि दक्षिण कश्मीर में पीर पंजाल की पहाड़ी और उत्तर कश्मीर में शमसावरी पहाड़ियां एलओसी के निकट हैं कि टॉपोग्रेपी है, यह पारंपरिक रास्ते हैं और आसान घुसपैठ मार्ग भी और प्राकृतिक गुफाओं वाले घने जंगल है। रक्षाविशेषज्ञ कहते थे कि पाकिस्तान अपनी रणनीति बदलता रहता है।

दरअसल जम्मू कश्मीर पुलिस के डीजीपी ने पहले कहा था कि इस क्षेत्र में 70-80 से अधिक विदेशी आतंकवादी सक्रिय हैं। डीजीपी ने स्वीकार किया कि पुराने पारंपरिक मार्गों को फिर से सक्रिय कर दिया गया है और पीओके में एलओसी के पार एक अच्छा आतंकी ढांचा बरकरार है। वे कहते हैं कि यह एक चुनौती है और हमने इसे पहले भी देखा है और आपके सवाल का जवाब है कि उन्होंने नए रूट शुरू किए हैं जो पहले बंद थे और फिर से खोले गए हैं। सुरक्षाबलों का कहना है कि आतंकी गतिविधियों में वृद्धि के कारण पूरे एलओसी और इंटरनेशनल बार्डर को हाई अलर्ट पर रखा गया है। जम्मू क्षेत्र के पुंछ व राजौरी बेल्ट और कश्मीर क्षेत्र के उत्तरी कश्मीर बेल्ट में आतंकियों की मौजूदगी में वृद्धि हुई है, कई विदेशी आतंकवादी मौजूद हैं।

अब स्वाति मालीवाल ने लिखा केजरीवाल को पत्र

महिलाओं से आपकी क्या दुश्मनी है?

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने मंगलवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर महिला आयोग की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। चार पेज की केजरीवाल को लिखी चिट्ठी ने स्वाति मालीवाल ने लिखा है कि जब से मैंने दिल्ली महिला आयोग के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया है। तब से दिल्ली सरकार के मंत्रियों और अफसरों ने आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। स्वाति ने लिखा कि पिछले छह महीने से किसी को सैलरी नहीं दी गई है। बजट 28.5 प्रतिशत कम कर दिया है। 181 हेल्पलाइन वापिस ले ली गई है। अध्यक्ष और दो मेम्बर की पोस्ट भरने के लिए कोई कार्य नहीं किया गया है। साथ ही दलित मेम्बर की पोस्ट डेढ़ साल से खाली है। उन्होंने कहा कि मेरे जाते ही हर संभव कोशिश की जा रही है महिला आयोग को फिर से एक कमजोर संस्थान बनाने की। महिलाओं से दिल्ली सरकार क्यों दुश्मनी निकाल रही है। स्वाति मालीवाल ने केजरीवाल को लिखी चिट्ठी में जवाब मांगा है।

अमरनाथ यात्रा में स्थानीय श्रद्धालुओं की भागीदारी कम

जम्मू, 02 जुलाई।

अमरनाथ यात्रा धार्मिक यात्रा के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता और अखंडता की यात्रा बन कर रह गई है, लेकिन इसमें स्थानीय श्रद्धालुओं की भागीदारी नगण्य है। इस बार भी अमरनाथ यात्रा में स्थानीय भागीदारी न के बराबर है। अमरनाथ यात्रा में स्थानीय श्रद्धालुओं की भागीदारी मात्र पांच प्रतिशत बताई गई है।

अमरनाथ यात्रा में भाग लेने वाले सिर्फ धार्मिक नारे ही नहीं बल्कि भारत समर्थक, कश्मीर के साथ एकजुटता दर्शाने वाले और पाकिस्तान विरोधी नारे भी लगाते हैं। आतंकियों की बाधा के कारण यह यात्रा को राष्ट्रीय एकता और

अखंडता की यात्रा में भी बदली और इसमें भाग लेने वालों का आंकड़ा भी आसमान छूने लगा। देश प्रेम की भावना को दर्शाने का एक स्वरूप लंगरों की व्यवस्था भी है। लंगर देश के विभिन्न भागों से आने वाली स्वयंसेवी संस्थाएं लगा रहे हैं। सच्चाई यही है कि अमरनाथ यात्रा मार्ग पर स्थानीय लोगों की ओर से एक भी लंगर की व्यवस्था नहीं की गई है।

विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए का कुनबा संभालने की कवायद

मुंबई, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा के चुनाव से पहले वहां की सियासत में कुछ बड़े फेरबदल और उठापटक देखने को मिल सकती है। यह सियासी उठापटक एनडीए के घटक दल अजीत पवार की एनसीपी के साथ हो सकती है। सियासी गलियारों में चर्चाएं इस बात की हो रही हैं कि आने वाले विधानसभा चुनाव में अजीत पवार की पार्टी एनडीए से अलग होकर चुनाव लड़ सकती है।

इसे लेकर पार्टी के भीतर कुछ बड़े नेताओं की ओर से चर्चाएं शुरू की जा चुकी हैं। कहा यही जा रहा है कि अगर महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर सीटों पर बेहतर तालमेल नहीं बना, तो अजीत पवार अलग चुनाव लड़ सकते हैं। अंदरूनी तौर पर भाजपा और एनसीपी के नेताओं में इस बात की चर्चाएं खूब हो रही हैं। दरअसल लोकसभा चुनाव के नतीजों से यह बात तो स्पष्ट हो चुकी है कि अजित पवार की एनसीपी से भारतीय जनता पार्टी का फिलहाल कोई सियासी लाभ नहीं हुआ है।

महाराष्ट्र में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं, ठीक उसी तरह वहां की सियासत का पारा भी गर्माता जा रहा है।

महाराष्ट्र के सियासी जानकारों की मानें, तो लोकसभा चुनाव के नतीजे के बाद एनडीए के कुनबे में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसमें सबसे ज्यादा सियासी उठा पटक और भविष्य की राजनीति के लिहाज से अजीत पवार की पार्टी एनसीपी को लेकर खूब चर्चाएं हो रही हैं। स्थिति यह हो गई है कि अजित पवार की पार्टी के विधायक अमोल मितिकारी ने एक बैठक में आने वाले विधानसभा चुनाव में अलग-अलग चुनाव लड़ने की भी बात कही है। दरअसल महाराष्ट्र में आने वाले विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर अभी से मंथन होना शुरू हो गया है। राजनीतिक जानकार और वरिष्ठ पत्रकार हिमांशु शितोले कहते हैं कि लोकसभा के चुनाव में जो प्रदर्शन अजीत पवार की एनसीपी का रहा है, उस लिहाज से उनको विधानसभा के चुनाव में मन मुताबिक सीटें मिलना नामुमकिन लग रहा है।

यही वजह है की सीटों के पेंच फंसने से पहले ही अजीत पवार की एनसीपी आने वाले विधानसभा चुनाव में अपने नए रास्ते तलाश सकती है। जानकारों का कहना है कि 288 सीटों वाली विधानसभा में इस वक्त भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी है। इस लिहाज से आने वाले विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी निश्चित तौर पर सबसे ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक अरुण मोघे कहते हैं कि अब लड़ाई सबसे ज्यादा एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजीत पवार की एनसीपी को लेकर होनी है।

लोकसभा चुनाव के दौरान इस बात की चर्चा सबसे ज्यादा थी कि विधानसभा के चुनाव में अजीत पवार की पार्टी ज्यादा से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है।

इसीलिए लोकसभा चुनाव में कम सीटों पर वह राजी हुए थे। महाराष्ट्र की सियासत में चर्चा इस बात की भी सबसे ज्यादा हो रही है कि 288 सीटों वाले विधानसभा चुनाव में अजीत पवार 30 से 35 फ़ीसदी सीटों पर यानी की 100 सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग रख सकते हैं। वरिष्ठ पत्रकार अरुण कहते हैं कि ऐसी मांग अगर एनसीपी की ओर से उठती है, तो निश्चित तौर पर महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में एनडीए के घटक दलों खास तौर से एनसीपी के अलग होने की संभावनाए और प्रबल हो जाएंगी।

वही, लोकसभा चुनावों के परिणामों के बाद महाराष्ट्र में भाजपा के कुछ कार्यकर्ताओं और नेताओं की ओर से अजीत पवार से अलग होने की आवाज उठी है। भाजपा के वरिष्ठ नेता बताते हैं कि यह बात बिल्कुल तय है कि सीटों पर अगर कोई नाजायज मांग उठती है, तो सबसे पहले उसे मिल बैठकर सुलझाने की कोशिश होगी। इसके इतर अगर कोई जिद जैसी स्थिति दिखती है, तो फिर फैसला केंद्रीय नेतृत्व की ओर से निश्चित तौर पर लिया जाएगा।

संवाद, अच्छे व्यवहार और शुचिता से हर समस्या का हो समाधान: योगी

16 प्रशिक्षु आईएएस अफसरों ने की सीएम से मुलाकात

लखनऊ, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित प्रशिक्षु अफसरों (2023 बैच) से मुलाकात की। सीएम ने सभी को शुभकामनाएं दीं, फिर अफसरों का मार्गदर्शन किया। सीएम ने कहा कि संवाद, अच्छा व्यवहार और अपने कार्यों में शुचिता बनाए रखें, इससे हर समस्याओं का समाधान होगा। सीएम ने प्रशिक्षण के दौरान फील्ड में किए गए कार्यों के बारे में भी अफसरों से जानकारी ली। सीएम ने शुभकामनाएं देते हुए बोले कि बेहतरीन पारी खेलिए और कुछ नयापन दीजिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकतंत्र में संवाद सबसे बड़ी ताकत है। फील्ड में जब भी जाएं तो आमजन से संवाद स्थापित करें। संवाद शून्य होने से लोगों में असंतोष होता है। उनसे अच्छा व्यवहार करें और कार्यों में शुचिता बरकरार रखें। इससे आपकी छवि अलग और अतुलनीय बनेगी।

आम आदमी की किसी भी समस्या को छोटी न समझें, क्योंकि पीड़ित के लिए वह समस्या काफी मायने रखती है। समस्या का समाधान हो जाता है तो वह अधिकारी आमजन का विश्वास हासिल कर लेता है। जमीनी धरातल पर जुड़े लोगों से कभी कटें नहीं। किसी भी समस्या को बड़ी न बनने दें, बल्कि संवाद के जरिए उसका तत्काल रास्ता निकालें। प्रशिक्षु अधिकारी जनप्रतिनिधियों से भी संवाद स्थापित करें।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि टालने की आदत छोड़ें। पीड़ित की सुनवाई करें। टालने की आदत से असंतोष पैदा होता है। यह आदत ठीक नहीं होती। समय पर निर्णय लेने की आदत डालें। आईजीआरएस-सीएम हेल्पलाइन की शिकायत सीधे हमारे पास इसलिए आती, क्योंकि सुनवाई स्थानीय स्तर पर ठीक से नहीं होती। इसलिए पीड़ित की सुनवाई करें और मेरिट के आधार पर समय सीमा के भीतर समस्याओं का निस्तारण भी करें। सीएम ने यह भी कहा कि प्रतिदिन एक घंटा जनता की सुनें। जनप्रतिनिधियों व स्थानीय संगठनों की समस्याएं भी सुनें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशिक्षु अफसरों से कहा कि सीखने और पढ़ने की आदत निरंतर रखें। शासन से कोई जीओ गया है तो उसे स्वयं पढ़ें, न कि किसी अन्य पर निर्भर रहें। आपकी दृष्टि औरों से अलग होगी। इसे पढ़कर रिजल्ट में बदलें। प्रशासनिक अधिकारी के रूप में अच्छा मॉडल दें। इससे आपके अधीनस्थ भी कार्यों में रूचि लेंगे। गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करें। मॉडल विलेज बनाने की तरफ सोचें।

इसके लिए ग्रामीणों से संवाद करें, श्रमदान के जरिए भी कई कार्य प्राथमिकता से हो सकते हैं। सीएम ने कहा कि अफसर के रूप में नगर निकायों, तहसीलों, थाने और ब्लॉक को स्वावलंबी बनाएं। सीएम ने अफसरों को सीख दी कि गलत तत्वों से हर हाल में दूरी बनाएं। घर के बजाय लोगों को ऑफिस में बुलाएं और वहीं संवाद बनाएं।

सीएम से मुलाकात में प्रशिक्षु आईएएस अफसर अनुभव सिंह, दीपक सिंहवाल, गुंजिता अग्रवाल, ईशिता किशोर, काव्या सी, महेंद्र सिंह, चलुआ राजू, नारायणी भाटिया, नितिन सिंह, रिंकू सिंह राही, साहिल कुमार, साईं आश्रित शाखामूरी, शिशिर कुमार सिंह, स्मृति मिश्रा, स्वाति शर्मा और वैशाली शामिल थीं।

संघ प्रमुख ने कहा, हम देश से प्रेम नहीं, भक्ति करते हैं

हमारा खान-पान अलग लेकिन डीएनए एक है

वाराणसी, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि हम अपने देश से केवल प्रेम ही नहीं करते, बल्कि उसकी भक्ति करते हैं। यहां की नदियों का पानी पीते हैं। यहीं का अनाज खाते हैं। यहीं की हवा में सांस लेते हैं। यहां की परंपरा से लगाव रखते हैं। जीवन कैसा होना चाहिए, ये हम भाषण, ग्रंथों में सुन और पढ़ सकते हैं। लेकिन, करने की हिम्मत तभी होती है, जब कोई अपने जैसा करके दिखाए। ये हमारे वीर जवानों ने करके दिखाया है, जो हमारे ही गांवों से गए हैं। इसलिए वे हमारे लिए मिसाल बन जाते हैं। हम अपने बच्चों को उनकी कहानियां बताते हैं।

धामूपुर स्थित शहीद पार्क में परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद की जयंती समारोह में मोहन भागवत ने कहा, चीन, पाकिस्तान ने भारत पर जब भी हमला किया, तब भारतीय आपसी मनमुटाव भूलकस एक साथ खड़े हो गए क्योंकि हमारे मूल में ही एकता है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के कुछ लोग बोलते हैं कि हम भारत से अलग हैं। उत्तर के लोग अलग हैं। हिंदी हमको नहीं चाहिए। हम तमिल हैं। हमारा एक अलग राज्य है। लेकिन 1962 में चीन का भारत पर आक्रमण हुआ। उस समय चेन्नई मलिना ब्रिज के पास सेना की विशाल सभा हुई। इस सभा में तत्कालीन मुख्यमंत्री ने कहा था कि यह हिमालय नहीं, तमिलनाडु पर हमला है क्योंकि वह अवसर ऐसा था कि जिसकी हम सब भक्ति करते हैं। भारत माता के सम्मान की बात थी तो जो अंदर का सच है, वह बाहर आ गया। हम सबका खान-पान अलग हो सकता है, लेकिन डीएनए एक है। मैं दूसरे देशों के बारे में नहीं जानता, लेकिन भारत के सैनिक अपने वेतन के लिए नहीं लड़ते, वे देश के लिए लड़ते हैं, इसलिए उदाहरण बनते हैं। इनमें से एक अमर शहीद वीर अब्दुल हमीद भी हैं। चीन, पाकिस्तान ने भारत पर जब भी हमला किया, तब यहां के लोग आपस में लड़ना छोड़ देते हैं। और एक साथ खड़े हो जाते हैं, क्योंकि हमारे मूल में ही एकता है।

संघ प्रमुख सोमवार को धामूपुर स्थित शहीद पार्क में परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद की जयंती समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे थे। उन्होंने वीर अब्दुल हमीद पर अंग्रेजी में लिखी गई 160 पेज की किताब मेरे पापा परमवीर का लोकार्पण भी किया। संघ प्रमुख ने कहा कि दुनिया को हमारे देश की आवश्यकता है। इसलिए हमें बचना भी चाहिए और बढ़ना भी चाहिए। हम सब शहीदों का स्मरण और अनुकरण करके अपने जीवन में परिवर्तन ला सकते हैं। इस मौके पर संघ प्रमुख ने कैप्टन मकसूद गाजीपुरी की ओर से लिखी गई बलिदानियों पर पुस्तक का भी लोकार्पण किया। संघ प्रमुख ने कहा, अब्दुल हमीद गांव की भी चिंता करते थे। उनका जीवन सब के लिए उदाहरण बन गया। उनकी जयंती पर हर वर्ष आना चाहिए। वास्तव में शहीद अमर हो जाते हैं। शहीद का बलिदान महान होता है। उनका स्मरण रखना है। दो बातों का संकल्प लेना है, जिसे सालभर में पूरा करना है।

भाजपा ने बहोरन लाल मौर्य को बनाया एमएलसी प्रत्याशी

लखनऊ, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

भाजपा ने पूर्व सपा एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य के इस्तीफे से रिक्त हुई सीट पर होने वाले उप-चुनाव के लिए बरेली के भोजीपुरा से दो बार विधायक रह चुके बहोरन लाल मौर्य को प्रत्याशी घोषित किया है। राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने इसकी घोषणा की है। बहोरन लाल मौर्य प्रदेश सरकार में वित्त राज्य मंत्री और राजस्व राज्य मंत्री का पद भी संभाल चुके हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में मंगलवार को विधान परिषद उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी बहोरन लाल मौर्य ने नामांकन दाखिल किया। आखिरी दिन उन्होंने विधान परिषद में पर्चा दाखिला किया। विधान परिषद चुनाव के लिए सोमवार को भाजपा ने उन्हें प्रत्याशी घोषित किया था। विधान परिषद में इस सीट का कार्यकाल जुलाई 2028 तक होगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बहोरन लाल मौर्य चुनाव जीतकर विधान परिषद में पहुंचेंगे और आमजन की समस्याओं को प्रमुखता से रखेंगे। नामांकन दाखिल के दौरान सीएम योगी के अलावा भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, योगी सरकार के मंत्री सुरेश खन्ना, स्वतंत्र देव सिंह, जेपीएस राठौर, कपिल देव अग्रवाल, बलदेव सिंह औलख आदि मौजूद रहे।

बहोरन लाल मौर्य बदायूं के दातागंज के गांव फिरोजपुर के मूल निवासी हैं। बरेली में त्रिवटीनाथ मंदिर के पास आवास बनाया है। वर्ष 1996 में भाजपा से पहली बार भोजीपुरा के विधायक बने। इसी दौरान वित्त राज्य मंत्री और फिर राजस्व राज्य मंत्री का भी प्रभार संभाला। वह वर्ष 2002 व 2007 में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़े लेकिन जीत नहीं मिली। 2012 का चुनाव भाजपा के टिकट पर लड़े पर हार गए। वर्ष 2017 में भाजपा से फिर चुनाव लड़े और जीते। वर्ष 2022 में फिर चुनाव हार गए। पार्टी ने इन्हें विधान परिषद का प्रत्याशी बनाकर मौर्य मतदाताओं को साधने की कोशिश की है।

किसान की फरियाद अनसुनी करना भारी पड़ा

फतेहपुर की खागा तहसील के एसडीएम निलंबित

लखनऊ, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

किसान की फरियाद अनसुनी करना फतेहपुर जिले की खागा तहसील के उपजिलाधिकारी को भारी पड़ गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मंगलवार को एसडीएम को निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में एसडीएम आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद के लखनऊ कार्यालय से संबद्ध होंगे, इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी होगी।

फतेहपुर के ग्राम पाई के किसान रविकरन सिंह ने 15 जून को संपूर्ण समाधान दिवस पर तहसील खागा में एसडीएम अतुल कुमार को भूमि विवाद संबंधी शिकायत प्रार्थना पत्र दिया था। एसडीएम अतुल कुमार ने मामला गंभीर होने के बाद भी शिकायत का समय पर गंभीरतापूर्वक निस्तारण नहीं किया था। ऐसे में मामले की जांच मंडलायुक्त प्रयागराज और पुलिस महानिरीक्षक, प्रयागराज परिक्षेत्र को सौंपी गई। दोनों ही अधिकारियों ने अपनी जांच रिपोर्ट में एसडीएम अतुल कुमार को दोषी ठहराया। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फतेहपुर के तहसील खागा एसडीएम अतुल कुमार को निलंबित कर दिया।

विधानसभा उप चुनाव में भाजपा ने उतारी मंत्रियों की टीम

सीएम योगी की अगुवाई में 16 मंत्री करेंगे प्रचार

अयोध्या, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उप चुनाव के लिए आयोग ने भले ही कार्यक्रम घोषित नहीं किया है। पर सभी दल अपने-अपने स्तर से सीटों पर जीत दर्ज करने की रणनीति बनाने में जुट गए हैं। भाजपा ने भी इन 10 में से अपने हिस्से की पांच सीटों पर कब्जा बरकरार रखने के साथ ही शेष पांच सीटों को भी जीतने की रणनीति बनाई है। उप चुनाव की कमान खुद मुख्यमंत्री ने अपने हाथों में लिया है। उन्होंने सभी 10 सीटों पर 16 मंत्रियों की टीम तैनात कर जीत पक्की करने की जिम्मेदारी दी गई है।

इस संबंध में रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में बैठक हुई थी। जिसमें भाजपा के साथ ही ओम प्रकाश राजभर को छोड़ सभी सहयोगी दलों के मंत्री भी मौजूद रहे। बैठक में उप चुनाव जीतने की रणनीति पर चर्चा हुई। इसके बाद 16 मंत्रियों की टीम का गठन कर सभी को अपनी-अपनी सीटों पर जीत दर्ज करने की जिम्मेदारी दी गई। मंत्रियों की टीम में भाजपा के अलावा सहयोगी दलों के मंत्रियों को भी शामिल किया गया है । कुछ सीटों पर दो तो कुछ एक मंत्री को जिम्मेदारी दी गई है। इनके साथ संगठन के भी पदाधिकारियों को

लगाया जाएगा।

उप चुनाव में सभी 10 सीटों पर जीत दर्ज करके भाजपा लोकसभा चुनाव में मिले हार के घाव को भरना चाहती है। इसलिए मंत्रियों को हर हाल में जीत दर्ज करने के अभी से क्षेत्रों में डटे रहने को कहा गया है। वहीं, उप चुनाव की तारीखों की घोषणा जल्द होने की संभावना को देखते हुए भाजपा में टिकट के लिए भी भागदौड़ शुरू हो गई है। विधायक से सांसद बनने वाले नेता जहां अपने परिवार के किसी सदस्य को टिकट दिलाने में जुटे हैं. वहीं कई पूर्व सांसद और विधायक भी टिकट के दौड़ में शामिल हैं।

जिन सीटों पर 16 मंत्रियों की ड्यूटी लगी है, उनमें करहल के लिए जयवीर सिंह, मिल्कीपुर के लिए सूर्य प्रताप शाही और मयंकेश्वर शरण सिंह, कटेहरी के लिए स्वतंत्र देव सिंह और आशीष पटेल, सीसामऊ के लिए सुरेश खन्ना और संजय निषाद, फूलपुर के लिए दयाशंकर सिंह और राकेश सचान, मझवां के लिए अनिल राजभर, गाजियाबाद सदर के लिए सुनील शर्मा, मीरापुर के लिए अनिल कुमार और सोमेन्द्र तोमर, खैर के लिए लक्ष्मी नारायण चौधरी और कुंदरकी के लिए धर्मपाल सिंह और जेपीएस राठौर को तैनात किया गया है।

प्रदेश में बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिए एक्ट लागू होगा

लखनऊ, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए संकल्पित योगी सरकार ने इस लक्ष्य को हासिल करने और बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिए प्रदेश में स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन (एसआईआर) एक्ट को लागू करने का निर्णय लिया है। लोकभवन में मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन एक्ट के इस प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई है। इस एक्ट को निर्माण (नोडल इन्वेस्टमेंट रीजन फॉर मैन्युफैक्चरिंग) एक्ट नाम दिया गया है। इसके माध्यम से देश और दुनिया के बड़े-बड़े निवेशकों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित किया जा सकेगा। सरकार के इस निर्णय से ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही आर्थिक विकास को गति मिलेगी, जबकि जन सामान्य को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

योगी कैबिनेट के इन निर्णय की जानकारी देते हुए प्रमुख सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास अनिल कुमार सागर ने बताया कि प्रदेश में स्पेशल इन्वस्टमेंट रीजन डेवलप करने के लिए यह एक्ट बनाया गया है। इस तरह का एक्ट अभी तक तीन राज्यों में है,जिनमें गुजरात, राजस्थान और कर्नाटक शामिल हैं। इस तरह इस एक्ट को लागू करने वाला यूपी चौथा राज्य बन जाएगा। उन्होंने बताया कि जो स्पेशल इन्-वेस्टमेंट रीजन होते हैं वो बड़े इन्-वेस्टमेंट रीजन होते हैं, जहां पर क्लस्टर डेवलपमेंट होता है और साथ ही जो पावर स्टेट गवर्नमेंट में या बाकी डिपार्टमेंट्स में निहित होती हैं। उन्हें अथॉरिटी लेवल पर डिसेंट्रलाइज कर दिया जाता है। ऐसा करने से दो लाभ होते हैं, पहला जो मास्टर प्लानिंग हो उसमें यदि कोई बदलाव करना हो तो वहीं पर किया जा सकता है और दूसरा जितने भी एनओसी और क्लियरेंस जारी होते हैं जिनके लिए प्रदेश स्तर तक आना होता है वो

शक्तियां भी डिसेंट्रलाइज हो जाती हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की अवधारणा के अनुरूप जितना डिसेंट्रलाइजेशन होगा। उतना ही अच्छी तरह से हम इन्वेस्टर्स को सर्विस दे पाएंगे।

प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने बताया कि प्रदेश सरकार का यह एक्ट बनाने का मकसद बड़े-बड़े इन्-वेस्टमेंट रीजन बनाना और उन्हें कानूनी संरक्षण प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश ने वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का जो लक्ष्य रखा है, उसके लिए आवश्यक है कि हमें बड़े-बड़े इन्वेस्टमेंट रीजन बनाने होंगे। उन्होंने बताया कि अभी हमने एक्ट में इन्वेस्टमेंट के लिए लैंड की मिनिमम लिमिट निर्धारित नहीं की है, लेकिन जैसे हमने बुंदेलखंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी की स्थापना की है, जिसके लिए 5 हजार हेक्टेयर का एरिया रखा है उसी तरह स्पेशल इन्-वेस्टमेंट रीजन में भी बड़ा एरिया रखा जाएगा। उन्होंने ये भी बताया कि प्रस्ताव के अनुसार उत्तर प्रदेश में कम से कम चार ऐसे स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन बनाए जाएंगे, जो प्रदेश के चारों भौगोलिक क्षेत्रों में होंगे। उन्होंने बताया कि हमारे पास लैंड बैंक की उपलब्धता काफी है, लेकिन यदि आवंटन के लिए लैंड बैंक की बात करें तो करीब 20 हजार एकड़ के आसपास लैंड बैंक उपलब्ध है।

एमएसएमई को प्रोत्साहन के लिए बनेंगे मल्टीपरपस हॉल

प्रदेश में औद्योगिक निवेश के अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने के क्रम में इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन एवं एमएसएमई के मध्य समझौता ज्ञापन किए जाने को लेकर भी प्रस्ताव को योगी कैबिनेट द्वारा मंजूरी प्रदान की गई। वित्त एवं संसदीय मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि जिस तरह से राजधानी दिल्ली में भारत मंडपम बना है, उसी तरह लखनऊ और वाराणसी में इस प्रकार का बड़ा कंवेंशन सेंटर या मल्टीपरपस हॉल बनाया जाएगा जहां एमएसएमई से जुड़े लोग अपने-अपने उत्पादों का डिस्प्ले कर सकेंगे। इसके माध्यम से न सिर्फ औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि एमएसएमई से जुड़े लोगों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने बताया कि इसके माध्यम से प्रदेश में एमएसएमई के उत्पादन को बहुत बड़ा बूस्ट मिलेगा। मालूम हो कि दिल्ली में निर्मित भारत मंडपम में आईटीपीओ द्वारा उत्कृष्ट कोटि की अवस्थापनात्मक सुविधा स्थापित की गई है, जहां निरंतर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के व्यापार मेलों का आयोजन किया जाता है। अब उत्तर प्रदेश में भी इस तरह के आयोजन संभव हो सकेंगे।

2200 शिक्षकों की मानदेय पर होगी पुनर्नियुक्ति

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 2023 में सेवा से हटाए जाने वाले 2200 से ज्यादा शिक्षकों को योगी कैबिनेट ने अस्थायी रूप से अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में मानदेय पर रखे जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों के पद रिक्त हैं, जिसका असर शिक्षण कार्य पर हो रहा है। ऐसी स्थिति में शैक्षणिक कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए 2023 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सेवा से मुक्त किए गए 2200 से ज्यादा शिक्षकों को अस्थायी तौर पर 25 हजार और 30 हजार रुपए के मानदेय पर पुनर्नियुक्ति का अवसर दिया जा रहा है। जो शिक्षक कक्षा 9 और 10 में पढ़ाएंगे उन्हें 25 हजार और जो लोग कक्षा 11-12 में पढ़ाएंगे उन्हें 30 हजार रुपए प्रदान किए जाएंगे।

संपादकीय

अजेय विश्व विजेता

वाह शाबाश, कमाल और करिश्मा... ! क्रिकेट की टीम इंडिया के लिए और कितने शब्दों का इस्तेमाल करें। टीम इंडिया टी-20 की विश्व विजेता है। यह अप्रतिम खेल-उपलब्धि है। टीम इंडिया 2007 में भी, महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में, दनादन क्रिकेट की सर्वप्रथम विश्व विजेता बनी थी। 17 लंबे सालों की प्रतीक्षा और निरंतर संघर्ष के बाद टीम इंडिया दोबारा विश्व चैम्पियन बनी है। यह आत्मविश्वास, धैर्य, जीतने के जज्बे और एकसूत्र में बंधी टीम की शानदार जीत है। देश खुशी से झूम रहा है। आंखें नम हैं और मुस्कान से भीगी भी हैं। असंख्य देशवासियों ने अनगिनत दुआएं भी दी होंगी। पूजा-पाठ भी किए गए। यह जीत अकल्पनीय, अप्रत्याशित और आशातीत नहीं है, क्योंकि टीम इंडिया कई बार जीत की दहलीज तक पहुंच कर ठिठकती और पराजित होती रही है। विश्व विजेता बनने के लिए कमाल की बल्लेबाजी, सटीक और स्विंगर गेंदबाजी, चुस्त और असंभव-सा क्षेत्ररक्षण कर टीम इंडिया ने साल-दर-साल मेहनत की है। यह बात कप्तान रोहित शर्मा ने कही है। इस बार दक्षिण अफ्रीका को 7 रनों से हरा कर विश्व विजयी तिरंगा लहराया है, तो टीम इंडिया पराजय के जबड़े से 'अतुलनीय जीत' छीन कर लाई है। बेशक यह संकरी और रोमांचक जीत रही है। सबसे अद्भुत उपलब्धि तो यह है कि भारत के क्रिकेटर पूरे विश्व कप में 'अजेय' रहकर विश्व विजेता बने हैं। यह रोहित शर्मा के 257 रनों, सूर्यकुमार यादव के 199 विस्फोटक रनों, फाइनल मैच में मास्टर विराट कोहली के 59 गेंदों पर 76 रन और अक्षर पटेल की 31 गेंदों पर 47 रनों की छक्केदार पारी के साथ-साथ बुमराह की 15, अर्शदीप सिंह की 17, हार्दिक पंड्या की 11 और कुलदीप यादव की 10 विकेटों की सामूहिक जीत है। बेशक ऋषभ पंत के योगदान को भी भुलाया नहीं जा सकता। टीम इंडिया का गठन ऐसा है कि बोर्ड और चयनकर्ताओं ने भी हस्तक्षेप नहीं किया। टीम को शिद्दत से खेलने दिया गया। 2023 में एकदिनी क्रिकेट के विश्व कप का फाइनल हारने के बावजूद रोहित शर्मा की कप्तानी पर भरोसा किया गया।

> टीम इंडिया टी-20 की विश्व विजेता है। यह अप्रतिम खेल-उपलब्धि है। टीम इंडिया 2007 में भी, महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में, दनादन क्रिकेट की सर्वप्रथम विश्व विजेता बनी थी। 17 लंबे सालों की प्रतीक्षा और निरंतर संघर्ष के बाद टीम इंडिया दोबारा विश्व चैम्पियन बनी है। यह आत्मविश्वास, धैर्य, जीतने के जज्बे और एकसूत्र में बंधी टीम की शानदार जीत है। देश खुशी से झूम रहा है। आंखें नम हैं और मुस्कान से भीगी भी हैं। असंख्य देशवासियों ने अनगिनत दुआएं भी दी होंगी। पूजा-पाठ भी किए गए। यह जीत अकल्पनीय, अप्रत्याशित और आशातीत नहीं है, क्योंकि टीम इंडिया कई बार जीत की दहलीज तक पहुंच कर ठिठकती और पराजित होती रही है। विश्व विजेता बनने के लिए कमाल की बल्लेबाजी, सटीक और स्विंगर गेंदबाजी, चुस्त और असंभव-सा क्षेत्ररक्षण कर टीम इंडिया ने साल-दर-साल मेहनत की है।

बहरहाल टीम इंडिया ऐसी इकलौती टीम है, जिसने एकदिनी विश्व कप, टी-20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी 2-2 बार जीते हैं। नतीजतन टीम इंडिया टी-20 की भी विश्व में 'नंबर वन' टीम है। एक दौर था, जब हम ऐसी 'सर्वोच्चता' की कल्पना भी नहीं कर सकते थे। आज से 13 साल पहले 2011 में टीम इंडिया ने दूसरी बार एकदिनी क्रिकेट का विश्व खिताब जीता था। अब भारत में कपिलदेव, महेंद्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा सरीखे विश्व विजेता कप्तान हैं। अब नई, युवा पीढ़ी इस करिश्माई उपलब्धि का सिलसिला बरकरार रखेगी। चूंकि विश्व विजयी होने के तुरंत बाद विराट कोहली ने 'अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट' से संन्यास की घोषणा कर दी है और 2026 के अगले टी-20 विश्व कप तक रोहित शर्मा की उम्र भी 39 साल हो जाएगी, लिहाजा नए नेतृत्व को ढूंढने और तराशने की अहम दरकार है। भारत की बल्लेबाजी विख्यात रही है। विराट नहीं चले, तो रोहित के छक्कों ने धुएं उड़ा दिए। अब गेंदबाजी का खौफ भी फैलने लगा है। बुमराह की स्विंग का तोड़ विरोधी टीमें नहीं निकाल पा रही हैं। अर्शदीप ऐसा गेंदबाज उभरा है, जिसकी सटीक गति ने विरोधी पक्ष के पसीने छुड़ा रखे हैं। कुलदीप और अक्षर की घूमती गेंदें एक रहस्य लगती हैं। इसी विश्व कप के दौरान टीम इंडिया ने गत चैंपियन इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीमों को पटखनी दी है, उसे समूचे विश्व के क्रिकेट प्रेमियों ने देखा होगा और सराहा भी होगा। विश्व चैंपियन बनने की 'गुरु दक्षिणा' मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को दी गई है, क्योंकि इसी प्रतियोगिता के साथ उनका दौर भी समाप्त हो गया है। संभवतः गौतम गंभीर अब टीम इंडिया के नए कोच होंगे। कोहली को विदाई की सौगात भी मिली है और वह 'प्लेयर ऑफ दि मैच' भी चुने गए हैं। 'प्लेयर ऑफ दि टूर्नामेंट' का सम्मान बुमराह को दिया गया है। अब भारत लौटने पर टीम का 'नायकीय स्वागत' किया जाएगा। देश की अपेक्षा और उम्मीद रहेगी कि टीम अंतिम दौर में तनाव और दबाव के कारण फिसलना कम करे। इसका भी प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। खिलाड़ी अपने खेल में निरंतरता कायम रखने की कोशिश करें। बहरहाल सभी को ढेरों बधाइयां।

आर्थिक मुश्किलों के बीच भारतीय प्रवासियों के द्वारा भेजी गई बड़ी धनराशि से भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिला था

अर्थव्यवस्था को मजबूती देते प्रवासी भारतीय

डा. जयंतीलाल भंडारी J

> पिछले वर्ष 2022-23 में भारतीय प्रवासियों ने 111 अरब डॉलर का रेमिटेंस भारत भेजा था। ज्ञातव्य है कि भारत के बाद मैक्सिको, चीन, फिलीपींस और फ्रांस सबसे ज्यादा रेमिटेंस प्राप्त करने वाले देश हैं। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि पिछले एक दशक में भारत में लगातार अन्य देशों के मुकाबले रेमिटेंस सबसे अधिक रहा है। भारत में वर्ष 2010 में रेमिटेंस के तौर पर 53 .48 अरब डॉलर आए थे। वहीं ये वर्ष 2015 में बढक़र 68 .19 अरब डॉलर और वर्ष 2020 में 83 .15 अरब डॉलर हो गए हैं। प्रवासी भारतीयों की से भारत भेजा गया धन वर्ष 2021-22 में 83 .57 अरब डॉलर था।

हाल ही में 27 जून को यूनाइटेड नेशंस माइग्रेशन एजेंसी के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय प्रवासियों के द्वारा वर्ष 2023-24 में भेजा गया रेमिटेंस (प्रवासियों के द्वारा अपने घर भेजा गया धन) दुनिया के किसी भी देश के मुकाबले सबसे ज्यादा है। पिछले वर्ष में यह रेमिटेंस 107 अरब डॉलर यानी 8.95 लाख करोड़ रुपए की ऊंचाई पर है। खास बात यह है कि पिछले वर्ष में भारतीयों द्वारा भेजी गई यह रकम प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) से लगभग दो गुना है। यह लगातार दूसरा साल है, जब भारतीयों ने 100 अरब डॉलर से ज्यादा की धनराशि भारत भेजी है। पिछले वर्ष 2022-23 में भारतीय प्रवासियों ने 111 अरब डॉलर का रेमिटेंस भारत भेजा था। ज्ञातव्य है कि भारत के बाद मैक्सिको, चीन, फिलीपींस और फ्रांस सबसे ज्यादा रेमिटेंस प्राप्त करने वाले देश हैं। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि पिछले एक दशक में भारत में लगातार अन्य देशों के मुकाबले रेमिटेंस सबसे अधिक रहा है। भारत में वर्ष 2010 में रेमिटेंस के तौर पर 53.48 अरब डॉलर आए थे। वहीं ये वर्ष 2015 में बढक़र 68.19 अरब डॉलर और वर्ष 2020 में 83.15 अरब डॉलर हो गए हैं। प्रवासी भारतीयों की से भारत भेजा गया धन वर्ष 2021-22 में 83.57 अरब डॉलर था। प्रवासियों का यह धन जहां प्रवासियों के परिजनों को मुस्कुराहट दे रहा है, वहीं अर्थव्यवस्था के लिए भी लाभप्रद है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जब कोविड-19 के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था 7.3 फीसदी की ऋणात्मक विकास दर की स्थिति में पहुंच गई थी और बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार बंद होने के कारण देश में आर्थिक-सामाजिक परेशानियां बढ़ गई थीं, उस समय आर्थिक मुश्किलों के बीच भारतीय प्रवासियों के द्वारा भेजी गई बड़ी धनराशि से भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिला था। गौरतलब है कि दुनिया में प्रवासी भारतीयों की संख्या करीब एक करोड़ 80 लाख है। दुनियाभर में सबसे ज्यादा प्रवासी भारत के हैं। सबसे ज्यादा भारतीय प्रवासी संयुक्त अरब अमीरात, संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब में रहते हैं। पहले जहां भारत से अकुशल श्रमिक कम आय वाले खाड़ी देशों में जाते थे, वहीं अब विदेश जाने वाले भारतीयों में हाई स्किल्ड लोगों की संख्या ज्यादा है जो अमेरिका, इंग्लैंड, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया और

न्यूजीलैंड जैसे उच्च आय वाले देशों में जा रहे हैं। ऐसे में वे अधिक कमाई करके अधिक धन भारत भेज रहे हैं। निःसंदेह प्रवासी भारतीय भारत की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी शक्ति बढ़ाने में भी अहम सहयोग कर रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के कोने-कोने में भारतवंशी और प्रवासी भारतीयों की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती ऊंचाइयां भारत के तेज विकास के मद्देनजर महत्वपूर्ण हो गई हैं। सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, आयरलैंड के प्रधानमंत्री लियो वराडकर, पुर्तगाल के प्रधानमंत्री एंटोनिया कोस्टा, अमेरिका की पहली महिला और पहली अश्वेत उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ और राष्ट्रपति पृथ्वीराजसिंह रूपुन, सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी के साथ-साथ दुनिया के अनेक देशों में कई और भारतवंशी राजनेता अपने-अपने देशों को आगे बढ़ाते हुए विश्व के समक्ष भारत के चमकते हुए चेहरे हैं। इतना ही नहीं, दुनिया के विभिन्न देशों में राजनीति की ऊंचाइयों पर पहुंचने के साथ-साथ भारतवंशी व प्रवासी भारतीय वैश्विक आर्थिक व वित्तीय संस्थानों आईटी, कम्प्यूटर, मैनेजमेंट, बैंकिंग, वित्त आदि के क्षेत्र में भी बहुत आगे हैं। माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला, गूगल के सुंदर पिचाई, नोवार्टिस के वसंत नरसिम्हन, एडोब के शांतनु नारायण, आईबीएम के अरविंद कृष्णा, स्टारबक्स के लक्ष्मण नरसिम्हन, वर्टेक्स फार्मास्यूटिकल्स के रेशमा केवलरमानी, माइक्रोन टेक्नोलॉजी के संजय मेहरोत्रा, कैडेंस डिजाइन सिस्टम के अनिरुद्ध देवगन, पालो अल्टो नेटवर्क के निकेश अरोड़ा, वीएमवेयर के रंगराजन रघुराम, इमर्सन इलेक्ट्रिक कंपनी के सुरेंद्रलाल करसनभाई, माइक्रोचिप प्रौद्योगिकी के गणेश मूर्ति आदि अपनी प्रतिभाएं कौशल से कारोबार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया की अगुवाई कर रहे हैं और भारत के विकास के सहभागी भी बन रहे हैं। इस समय 18वीं लोकसभा के चुनाव के बाद भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल की एनडीए गठबंधन सरकार बनने के बाद प्रवासियों का कहना है कि एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी की नई सरकार से प्रवासियों को भारत के विकास में सहयोग और सहभागिता करने के मद्देनजर नई ऊर्जा प्राप्त होगी। अमेरिका में कार्यरत भारतीय अमेरिकी डेमोक्रेटिक फंडराइजर तथा भारत हितैषी प्रवासियों के विभिन्न संगठनों का कहना है कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया के आर्थिक और राजनीतिक मंचों पर जिस तरह भारत की सफलताओं का परचम फहराया है, उससे प्रवासियों के द्वारा गर्व अनुभव किया जा रहा है। उनका मानना है कि पिछले 10 वर्षों में भारत की सुरक्षा में सुधार हुआ है। सरकार ने आतंकवादी खतरों या आतंकवादी घटनाओं को नियंत्रित कर दिया है। सरकार की नीतियां भारत को आगे बढ़ा रही हैं। पिछले वर्ष 2023 में भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी-20 को अभूतपूर्व सफलता दिलाने में प्रवासी भारतीयों की भी अहम भूमिका रही है। प्रवासियों का यह भी कहना है कि नई गठबंधन सरकार से दुनिया के कोने-कोने से भारतीय प्रवासियों को और अधिक सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञातव्य है कि जहां वर्ष 2023 में इजराइल और हमास आतंकियों के बीच चल रहे संघर्ष के बीच इजरायल में फंसे भारतीय नागरिकों और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसी के लिए भारत ने ऑपरेशन अजय चलाया है, साथ ही वर्ष 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण यूक्रेन में भारतीय समुदाय सीधे खतरे में आ गया था। तब ऑपरेशन गंगा के तहत बड़ी संख्या में भारतीयों को सुरक्षित भारत वापस लाया गया था। इस वर्ष जून 2024 में कुवैत में अग्निकांड में 45 प्रवासी भारतीयों की मौत के बाद कुवैत में प्रवासी भारतीयों की सहायता के मद्देनजर नई गठबंधन सरकार ने अहम भूमिका निभाई है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि अभी भारत के द्वारा अपने प्रवासियों के दुख-दर्दों को कम करने में और अधिक सहयोग किया जाना होगा। भारत सरकार की और अधिक सक्रियता जरूरी है।

दृष्टि कोण

चांदी के दाम ऑल टाइम हाई, फिर भी बढ़ रही है मांग, एक साल में जबरदस्त इजाफा

बीते कुछ महीनों में गर्मी की तरह ही चांदी ने भी सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। यह 92,873 हजार रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई और भारत में ऑलटाइम हाई का रिकॉर्ड बना दिया। माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में बुलियन बाजार में चांदी की इसी तरह से चांदी चलती रहेगी। वैसे बीते चार दशकों के दौरान इसके दाम 26 गुना से भी ज्यादा बढ़ चुके हैं। गौरतलब है कि उद्योगों-खासकर, इलेक्ट्रिक कारों की बैटरियों, सोलर पावर के सोलर पैनल्स और 5-जी टेक्नोलॉजी में चांदी की खपत ज्यादा हो रही है। इससे चांदी की सालाना मांग में सात से आठ फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई है। इस तरह मांग बढ़ने से इसकी कीमतें भी बढ़ रही हैं। मांग की तुलना में चांदी की खनन गतिविधियां लगभग स्थिर हैं, बल्कि इसमें आंशिक गिरावट भी आई है। 2015 में जहां चांदी का वैश्विक खनन 89.7 करोड़ आउंस (एक आउंस यानी 28.34 ग्राम के बराबर) हुआ था। वहीं, 2023 में यह गिरकर 82.4 करोड़ आउंस रह गया। सोने की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण अब कई लोग, खासकर माध्यम वर्ग आभूषणों के लिए चांदी की तरफ देख रहे हैं। वस्तुतः पिछले दो दशक में उद्योगों और प्रौद्योगिकी में चांदी की उपयोगिता बढ़ी है। 'इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी' की हालिया रिपोर्ट कहती है कि पिछले एक साल में सोलर पावर में इस्तेमाल होने वाले फोटोवोल्टेइक पैनल्स में निवेश एक साल पहले की तुलना में दोगुना होकर 80 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। फोटोवोल्टेइक पैनल्स में चांदी का काफी इस्तेमाल होता है। साल 2024 में ही चांदी की वैश्विक मांग में 1.2 अरब आउंस की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। लिहाजा, चांदी की कीमतों के भी लगातार ऊंचे होते चले जाने की संभावना है। दरअसल, चांदी दुनिया की सबसे बढ़िया सुचालक धातु है। इसलिए

सोलर पैनल्स पर चांदी का पेस्ट किया जाता है। जब सूरज का प्रकाश उसके पैनल्स पर गिरता (स्ट्राइक) है, तब सिलिकॉन के इलेक्ट्रॉन मुक्त होते हैं और चांदी विद्युत को तुरंत गतिशील कर देती है। आज भी सिनेमा को सिल्वर स्क्रीन कहकर संबोधित किया जाता है। दरअसल सिनेमा की शुरुआत में फिल्में प्रोजेक्टर के जरिये दिखाई जाती थीं। इसके लिए जिस परदे पर तस्वीर प्रोजेक्ट की जानी होती थी, उसका चमकदार होना जरूरी था, ताकि परावर्तन (रिफ्लेक्शन) बढ़ने से तस्वीरों की गुणवत्ता बढ़ सके। परदे को ज्यादा चमकदार बनाने के लिए तब स्क्रीन को 'मैटेलिक सिल्वर' से 'कोट' किया जाता था। उसी से यह शब्द उत्पन्न हुआ और आज भी अक्सर इसका इस्तेमाल किया जाता है। दरअसल, चांदी सबसे ज्यादा सूर्य की किरणों को परावर्तित करने वाली धातु है। भारत में चांदी का 50.7 प्रतिशत इस्तेमाल उद्योगों में, 17.8 प्रतिशत आभूषणों में, 24.5 प्रतिशत कॉइन्स-बार्स निवेश में, 2.8 प्रतिशत फोटोग्राफी में और 4.2 प्रतिशत चांदी के बर्तनों में उपयोग किया जाता है। चार मई, 1989 को अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने शुक्र ग्रह की सतह की 'मैपिंग' के लिए 'मैगलेन' स्पेस क्राफ्ट लॉन्च किया था। चूंकि चांदी में प्रकाश की किरणों को परावर्तित करने की क्षमता सबसे ज्यादा होती है। इसके मद्देनजर इसे घातक सौर विकिरण से बचाने के लिए इस पर 'सिल्वर कोटेड क्वाटर्स टाइल्स' लगाई गई थीं। इसके बाद से सभी स्पेस क्राफ्ट के ऊपर सिल्वर की कोटिंग की जाने लगी है। इससे स्पेस क्राफ्ट के तापमान को कम करने में मदद मिलती है। दुनिया में छोटी-बड़ी मिलाकर कुल 757 सक्रिय चांदी की खदानें हैं। इनमें से भारत में केवल छह हैं। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, चांदी के उत्पादन में सबसे ऊपर मेक्सिको है, जो कि 6,400 टन चांदी का उत्पादन करता है, जो कुल वैश्विक चांदी उत्पादन का 21 फीसदी है। इसके बाद क्रमशः चीन, पेरू, चिली और फिर पोलैंड का स्थान आता है। चीन चांदी का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश है। यह कुल उत्पादित चांदी का 18 प्रतिशत हिस्सा इस्तेमाल करता है। तो वहीं 'इंडियन ब्यूरो ऑफ माइंस' की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सबसे ज्यादा 43 टन चांदी का उत्पादन राजस्थान करता है।

कुछ अलग

आलसी पीढ़ी

प्रतिष्ठित लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की वह हालिया रिपोर्ट आईना दिखाने वाली है जिसमें पचास फीसदी भारतीयों के शारीरिक श्रम न करने का उल्लेख है। यहां शारीरिक श्रम से अभिप्राय सप्ताह में मध्यम गति की ढाई घंटे की शारीरिक गतिविधि या सवा घंटे की तीव्र गति वाली शारीरिक सक्रियता से है। शारीरिक सक्रियता को पैदल चलने, व्यायाम, सैर, योग, दौड़, जिम या तैराकी आदि के रूप में परिभाषित कर सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार जहां पचास फीसदी वयस्क भारतीय शारीरिक श्रम से दूर हैं तो महिलाओं की स्थिति ज्यादा चिंता बढ़ाने वाली है। उनकी निष्क्रियता का प्रतिशत 57 है। वैसे अकेले पुरुषों की निष्क्रियता का प्रतिशत 42 है। विडंबना यह है कि जैसे-जैसे समाज में शहरीकरण के चलते उपभोक्तावाद का विस्तार हुआ है, हमारी शारीरिक निष्क्रियता में इजाफा हुआ है। हम आरामदायक जीवन-शैली के आदी होते गये हैं। आशंका है कि वर्ष 2000 में भारतीयों में जो शारीरिक निष्क्रियता 22 फीसदी थी, वह वर्ष 2030 तक बढ़कर साठ फीसदी तक हो सकती है। यानी देश की साठ फीसदी आबादी गैर-संचारी रोगों मसलन डायबिटीज और हृदय रोगों के खतरे के दायरे में आ जाएगी। यहां उल्लेखनीय है कि भारतीयों में अनुवांशिक रूप से मधुमेह व हृदय रोग होने की आशंका अन्यों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। जिसका निष्कर्ष है कि शारीरिक रूप से निष्क्रिय रहने से हम इन बीमारियों को और जल्द आमंत्रित कर रहे हैं। चिंता की बात यह भी है कि जहां दुनिया में औसत शारीरिक निष्क्रियता पांच फीसदी बढ़कर 31 फीसदी हुई है, वहीं भारत में बढ़कर पचास फीसदी हो गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित शोधकर्ताओं का मानना है कि भारत एशिया प्रशांत में उच्च आय वर्ग वाले देशों में निष्क्रियता के क्रम में दूसरे स्थान पर है। जहां तक महिलाओं की शारीरिक निष्क्रियता का प्रतिशत पुरुषों से अधिक यानी 57 फीसदी होने का प्रश्न है, तो उसके मूल में भारतीय पारिवारिक संरचना व सांस्कृतिक कारण भी हैं। घर-परिवार संभालने वाली महिलाओं में धारणा है कि घर का काम-काज ही शारीरिक सक्रियता का मापदंड है। जबकि यह समस्या की व्यावहारिक व्याख्या नहीं है। निस्संदेह, लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की हालिया रिपोर्ट आंख खोलने वाली है। यह जानते हुए भी कि भारत लगातार मधुमेह और हृदय रोगों की राजधानी बनने की ओर अग्रसर है। दरअसल, आजादी के बाद देश में आर्थिक विकास को गति मिली है। भले ही हम अपेक्षित लक्ष्य हासिल न कर पाए हों, औसत भारतीय के जीवन स्तर में सुधार जरूर आया है। आर्थिक समृद्धि ने हमें सुविधाभोगी बनाया है। इस संकट की वजह शहरीकरण और जीवन के लिये जरूरी सुविधाओं का घर के आस-पास उपलब्ध हो जाना भी है। पहले देश की साठ फीसदी से अधिक आबादी कृषि व उससे जुड़े कार्यों में सक्रिय थी। मेहनतकश किसान को कोई शारीरिक श्रम करने की जरूरत नहीं थी । लेकिन धीरे-धीरे कृषि में भी आधुनिक यंत्रों व तकनीकों ने शारीरिक श्रम की महत्ता को कम किया है। किसान संस्कृति से बड़ी संख्या में निकले लोगों ने शहरों को अपना ठिकाना बनाया, लेकिन वे शारीरिक सक्रियता को बरकरार नहीं रख पाये। नौ से पांच की ड्यूटी करने वाले भी दफ्तर व घर के होकर रह गये। कहीं न कहीं सुविधाओं के विस्तार ने भी हमें आलसी बनाया। कुछ दूर पर सब्जी-फल लेने जाने पर भी हम वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसा भी नहीं है कि शहरों में स्वास्थ्य चेतना का विकास नहीं हुआ, लेकिन इसके बावजूद शहरों के पार्कों में सुबह गिने-चुने लोग ही नजर आते हैं। विडंबना यह है कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रसार और उसके बाद सोशल मीडिया की जकड़ में आने के बाद लोग देर रात सोने व देर से उठने के फेर में फंस गये हैं।

देश दुनिया से

नालंदा की गौरव गाथा ऐसे ही अमिट नहीं बनी, उसके पीछे है विद्या का केंद्र बनाने की अद्भुत इच्छा

> अशोक के काल के पूर्व यहां पर सारिपुत्र की स्मृति में एक स्तूप बनवाया गया था। फाह्यान के समय तक विद्या के केंद्र के रूप में नालंदा की कोई ख्याति नहीं थी। फाह्यान के लगभग तीन शताब्दियों के बाद जब ह्वेनसांग नालंद आया, उस समय यहां पर एक अंतरराष्ट्रीय ख्याति का विद्या केंद्र था। ह्वेन सांग के अनुसार, इस विद्या केंद्र की स्थापना शक्रादित्य नामक नरेश द्वारा की गई थी। 'शक्र' शब्द इंद्र का पर्याय है तथा मुद्रा साक्ष्य के अनुसार महेंद्रादित्य कुमारगुप्त प्रथम से उसका एका संभाव्य है। इस आधार पर नालंद विश्वविद्यालय की स्थापना कुमारगुप्त प्रथम द्वारा किया जाना स्थापित होता है।

नालंदा के विद्या केंद्र को देखते हुए इसे विश्वविद्यालय नगर की संज्ञा प्रदान करें, तो संभवतः इसमें कोई अत्युक्ति नहीं होगी। ह्वेनसांग के विवरण में इसके नाम की व्युत्पत्ति के विषय में एक उल्लेख मिलता है, जो बौद्ध परंपराओं पर आधारित है। इसके अनुसार, गौतम बुद्ध अपने एक पूर्व जन्म में इस क्षेत्र के सम्राट थे। उनकी ख्याति चतुर्दिक अथक दानी (न-अलम-दा, अर्थात दान देने से न संतुष्ट होने वाले) के रूप में थी। इस कारण यह स्थान नालंद के नाम से प्रख्यात हुआ। मज्झिम निकाय (1.377) के अनुसार, यह राजगृह के पास एक छोटा-सा ग्राम था। जैन ग्रंथों में यह राजगृह के सीमांत क्षेत्र के रूप में वर्णित है। यहां पर महावीर ने 14 वर्ष व्यतीत किए थे। अशोक के काल के पूर्व यहां पर सारिपुत्र की स्मृति में एक स्तूप बनवाया गया था। फाह्यान के समय तक विद्या के केंद्र के रूप में नालंद की कोई ख्याति नहीं थी। फाह्यान के लगभग तीन शताब्दियों के बाद जब ह्वेनसांग नालंद आया, उस समय यहां पर एक अंतरराष्ट्रीय ख्याति का विद्या केंद्र था। ह्वेन सांग के अनुसार, इस विद्या केंद्र की स्थापना शक्रादित्य नामक नरेश द्वारा की गई थी। 'शक्र' शब्द इंद्र का पर्याय है तथा मुद्रा साक्ष्य के अनुसार महेंद्रादित्य कुमारगुप्त प्रथम से उसका एका संभाव्य है। इस आधार पर नालंद विश्वविद्यालय की स्थापना कुमारगुप्त प्रथम द्वारा किया जाना स्थापित होता है। शक्रादित्य के बाद बुद्धगुप्त, तथागतगुप्त, बालादित्य वज्र तथा हर्षादि ने नालंद में भवन आदि का निर्माण करवाया तथा विद्या केंद्र को आर्थिक सहायता भी प्रदान की। हर्ष ने यहां पर पीतल का एक विहार तथा उसके चारों ओर एक दीवार बनवाने के साथ ही एक संघाराम का भी निर्माण किया, जिसमें 40 भिक्षुओं के भोजन की व्यवस्था की गई थी। ह्वेनसांग लिखता है कि उसके आगमन पर शक्रादित्य द्वारा निर्मित विहार जीर्णावस्था को प्राप्त हो चुका था। लेकिन नालंद महाविहार के संरक्षण और संवर्धन से जुड़े हमें कई ताम्रलेख प्राप्त हैं, जिनमें से कुछ का प्रकाशन हीरानंद आदि विद्वानों ने एपीग्राफिया इंडिका के वॉल्यूम 20 और 21 में नालंद ऐंड इट्स एपीग्रैफिक मैटेरियल्स शीर्षक से प्रकाशित किया है। उनमें से एक के अनुसार, वहां कई विहार एक ही पंक्ति में थे, जिनके शिखर गगनचुंबी थे।

यस्याम्बुधरावलेहिशिखरश्रेणी विहारावली।
मालेवोधर्वविराजिनी विरचिता धात्रा मनोज्ञा भुवः।।

इत्सिंग भी पुष्टि करता है कि वहां के भवन बादलों को छूते हुए से लगते थे। नालंद के विद्यार्थियों को निःशुल्क भोजन, वस्त्र के साथ शिक्षा दी जाती थी। ह्वेनसांग इस महाविहार को भारतीय राजाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की प्रशंसा करते हुए लिखता है कि इसे दो सौ गांव आर्थिक सहायता के लिए प्रदान किए गए थे। विश्वविद्यालय की अपनी निजी मुद्रा थी, जिस पर 'श्री नालंदा महाविहार-आर्य-भिक्षु-संघस्य' लेख उत्कीर्ण है। इस विश्वविद्यालय से देश-विदेश के कई अन्य विद्यालय भी संबद्ध थे और उनकी अलग-अलग मुद्राएं थीं। हर्ष के बाद भी कतिपय भारतीय नरेशों ने इस विद्या केंद्र को आर्थिक सहायता प्रदान की थी। यशोवर्मदेव नाम के सम्राट के एक मंत्री ने नालंद को इतना अधिक दान दिया था, जिससे इसके भिक्षुओं को कई वर्षों तक प्रतिदिन भोजन दिया जा सकता था। बंगाल के पाल नरेशों ने भी नालंद के इस विद्या केंद्र में रुचि ली थी। देवपाल के एक शिलालेख में विदेशी राजा द्वारा अपने राजदूत के माध्यम से इस विश्वविद्यालय के लिए अनुदान का संदर्भ प्राप्त होता है। राजाओं के अनुदान तथा जनसहभागिता के साथ-साथ यह विश्वविद्यालय खेती एवं गो-पालन के द्वारा स्वयं भी अन्न तथा दूध का उत्पादन करता था। इस विद्या केंद्र को लब्धप्रतिष्ठित विद्वान सुशोभित करते थे। ह्वेनसांग ने अपने समकालीन नालंद के आचार्यों का उल्लेख किया है। इस समय शीलभद्र इस केंद्र के कुलपति थे, जो इस चीनी यात्री के आचार्य रह चुके थे। ह्वेनसांग ने धर्मपाल नामक आचार्य का भी उल्लेख किया है, जो शीलभद्र के पहले नालंद के कुलपति रह चुके थे। उन्होंने आचार्य चंद्रगोमिन के व्याकरण पर संस्कृत में 'वर्ण-सुत्र-वृत्ति-नाम' नामक एक व्याकरण टीका लिखी थी। ह्वेनसांग ने अन्य आचार्यों का भी उल्लेख किया है, जिनमें चंद्रपाल, गुणमति, स्थिरमति, प्रभामित्र, जिनमित्र तथा ज्ञानचंद्र प्रमुख हैं। शिक्षकों में शीलभद्र, नागार्जुन, आर्यदेव, असंग, वसुबंधु और दिङ्नाग जैसे विद्वान आचार्य भी थे। राधाकुमुद मुखर्जी लिखते हैं कि यहां अध्ययन के विषय के दृष्टिकोण से उदारता प्रकट होती है। ब्राह्मण धर्म एवं बौद्ध धर्म के ग्रंथ, धार्मिक और आमुष्मिक विषय, कला व विज्ञान, शिल्प व उद्योग की शिक्षा की व्यवस्था थी। हेतुविद्या (तर्क), शब्द विद्या (व्याकरण), चिकित्सा विद्या (भैषज्य), सांख्य, योग, न्याय और सर्वास्तिवाद, माध्यमिक आदि बौद्ध दर्शनों की शिक्षा का पूर्ण प्रबंध था। ह्वेनसांग के वर्णन से लगता है कि इस विश्वविद्यालय में प्रवेश पाना दुष्कर था।

आप का नजरिया

राज्य के लिए देहरा

एक उपचुनाव ने देहरा को प्रदेश की सियासी वसंत बना दिया और राज्य खुद में देहरा बनता हुआ नजर आ रहा है। मुख्यमंत्री की पत्नी के चुनाव लडऩे ने बातों-बातों में नादौन को सौ तो देहरा को 101 नंबर दे डाले। यह तकदीर या ऐसा उपचुनाव तो हर विधानसभा क्षेत्र चाहेगा, बल्कि जहां कांग्रेस जीती है वहां भी देहरा सरीखा उपचुनाव हो जाए तो राज्य का बजट भी नाक की सीध में वहां पहुंच जाए। चुनाव प्रचार में देहरा की जलापूर्ति में सुधार तो डाडा सीबा में अस्पताल का नया अवतार दिखाई देने लगा है। दरअसल तीन उपचुनावों का सारा केंद्र यहीं नजर आ रहा है और राजनीतिक भूगोल भी यहीं परिक्रमा कर रहा। ऐसे में भाजपा के लिए जो भी बचा है व सांसद अनुराग ठाकुर के मार्फत शायद नजर आ जाए या लोकसभा चुनाव के नारे वापस लौट आएं। वैसे अनुराग ठाकुर भी कह सकते हैं कि उन्होंने देहरा के लिए क्या नहीं किया। पूरा का पूरा केंद्रीय विश्वविद्यालय यहीं समेट दिया। यह दीगर है कि केंद्रीय विश्वविद्यालय की दीवार पर एक तरफ अनुराग तो दूसरी तरफ सुखविंदर सुक्खू का भी पोस्टर लगा है। पिछले दिनों धर्मशाला की जनता को कांग्रेस की सरकार जदरांगल के तीस करोड़ दे रही थी, लेकिन देहरा उपचुनाव ने यह हक भी छीन लिया। बहरहाल नादौन से देहरा अब दो विधानसभा क्षेत्र नहीं, हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की अमानत है। ये क्षेत्र सत्ता का घर और नई सियासत का हर पल है, इसलिए यहां की ऊर्जा विपक्ष की बोलती बंद करने को काफी है या नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर अब निर्दलीयों के गले में भाजपा की विजय पताका डालने की वजह से सत्ता के गुस्से से रू-ब-रू हैं। यही वजह है कि पक्ष और प्रतिपक्ष के बीच बिलासपुर गोलीकांड का मर्ज दिखाई नहीं दे रहा। प्रदेश के मसले उपचुनावों ने मसल दिए या अब भाजपा का आत्मबल स्वीकार कर चुका है कि हो न हो निर्दलीयों के इस्तीफों पर उपचुनाव के खूंखार कांटे उग आए हैं। उपचुनावों तक विधानसभा के आदेशों का पहुंचना चकित करता है। अमूमन अपनी संवैधानिक व कानूनी व्यवस्था के कारण अध्यक्ष के संज्ञान प्रतिमान बन जाते हैं, लेकिन उपचुनावों की बेला में जयराम बनाम विधानसभा अध्यक्ष की ताकतें कोई अच्छा संदेश नहीं दे रहीं। आश्चर्य यह कि इन्हीं उपचुनावों में छह मुख्य संसदीय सचिवों के भविष्य पर जब सवाल टंगे, तो विधानसभा के अधिकार क्षेत्र में भाजपा के नौ विधायकों पर कार्रवाई की घंटियां बजने लगी हैं। यानी छह जमा तीन के युद्ध से भी मौजूदा राजनीति को तसल्ली नहीं जो अब नए छह के आंकड़े को नौ से पस्त करने की घुडक़ी दी जा रही है। अब प्रश्न विधानसभा की मर्यादा के संज्ञान का है तो अध्यक्ष के उसूल और अध्यक्षता के मंच से हम हिमाचल की अस्थिर होती सियासत के नाखून देख सकते हैं। यह अपरिहार्य नहीं, अवांछित मोड़ है और अगर कल इसी पैमाने पर फैसले होने लगे, तो आने वाली राजनीति के हाथ-पांव कभी फूलते रहेंगे, तो कभी बंधक बने नजर आएंगे। ऐसे में उस मतदाता का क्या कसूर जो हर चुनाव या उपचुनाव में अपने अच्छे भविष्य की परिकल्पना कर रहा।

क्या जाने वाली है प्रधानमंत्री प्रचंड की कुर्सी,नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-यूएमएल के बीच हुआ समझौता

काठमांडू, 02 जुलई (एजेंसियां)।

नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्किस्ट लेनिनिस्ट (सीपीएन-यूएमएल) के नेता केपी शर्मा ओली के बीच समझौता हुआ है और इसे सार्वजनिक किया जा सकता है।

नेपाल में एक बार फिर सरकार बदलने की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। दरअसल नेपाली मीडिया के अनुसार, नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-यूएमएल के बीच समझौता हो गया है। इस समझौते के तहत दोनों पार्टियां मिलकर सरकार बनाएंगी। इसके तहत नेपाल के पीएम पुष्प कमल दहल प्रचंड की कुर्सी जा सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्किस्ट लेनिनिस्ट (सीपीएन-यूएमएल) के नेता केपी शर्मा ओली के बीच समझौता हुआ है और इसे सार्वजनिक किया जा सकता है।

केपी शर्मा ओली बन सकते हैं नेपाल के नए प्रधानमंत्री

देउबा और ओली के बीच हुई बैठक उस वक्त हुई है, जब सीपीएन-यूएमएल ने प्रचंड की सरकार को चार महीने बाद ही अपना समर्थन वापस ले लिया है। देउबा और ओली नई सरकार के गठन पर सहमत हो गए हैं। मीडिया में दोनों पार्टियों के वरिष्ठ नेताओं के हवाले से कहा गया है कि समझौते के तहत दोनों पार्टियों में सत्ता का बंटवारा होगा और नए गठबंधन का नेतृत्व केपी शर्मा ओली डेढ़ साल के लिए और फिर बाकी कार्यकाल के लिए शेर बहादुर देउबा प्रधानमंत्री पद संभालेंगे। वहीं वित्त मंत्रालय सीपीएन-यूएमएल को और गृह मंत्रालय नेपाली कांग्रेस को मिल सकता है।

प्रचंड सरकार से इस्तीफा दे सकते हैं आठ मंत्री

प्रचंड सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद प्रचंड कैबिनेट में शामिल सीपीएन-यूएमएल के आठ मंत्री अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। सीपीएन-यूएमएल पार्टी के चीफ व्हिप महेश बारतौला ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री प्रचंड भी जल्द ही इस्तीफा दे सकते हैं और देश में नई सरकार का गठन हो सकता है। सीपीएन-यूएमएल ने पार्टी कार्यालय में बैठक बुलाई है, जिसमें बड़ा फैसला हो सकता है। सीपीएन-यूएमएल के प्रचंड सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद सरकार अल्पमत में आ सकती है। नेपाल बीते कई वर्षों से राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा है। हालात ये हैं कि बीते 16 वर्षों में नेपाल में 13 सरकारें बदल चुकी हैं। 275 सदस्यों वाली नेपाली संसद में नेपाली कांग्रेस के पास 89 सीटें हैं।

न्यूज ब्रीफ

महाराज रणजीत सिंह की बरसी के लिए पाकिस्तान गए भारतीय तीर्थयात्री की मौत, दिल का दौरा पड़ने से गई जान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान से तीर्थ यात्रा कर लौट रहे 64 वर्षीय भारतीय नागरिक की मौत हो गई। मृतक धार्मिक तीर्थयात्रा के लिए पाकिस्तान गए 450 से अधिक सिखों के समूह का हिस्सा था। तीर्थयात्रा से लौटने के दौरान व्यक्ति को दिव का दौरा पड़ा, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान देव सिंह सिद्धू के तौर पर की गई है। वह पंजाब के अमृतसर का रहने वाला था। मृतक महाराज रणजीत सिंह के 185वीं बरसी में शामिल होने के लिए पाकिस्तान आया था। उसने यहां धार्मिक अनुष्ठान में भी हिस्सा लिया। अन्य सिख तीर्थयात्रियों के साथ वापस लौटते समय उन्हें भारतीय आव्रजन हॉल में दिल का दौरा पड़ा। उन्हें तुरंत मेडिकल सहायता दी गई, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। पिछले हफ्ते कम से कम 455 सिख तीर्थयात्री महाराज रणजीत सिंह की बरसी के मौके पर भारत से पाकिस्तान आए थे। बता दें कि सिख साम्राज्य के पहले शासक, महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा का भी करतारपुर साहिब में 450 से अधिक भारतीय सिखों की उपस्थिति में अनावरण किया गया था। साल 2019 में नौ फीट लंबे महाराज रणजीत सिंह की प्रतिमा लहौर किले में उनकी समाधि के पास स्थापित की गई थी। तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान के कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा को दो बार तोड़ दिया।

यूएन की पाकिस्तान सरकार से इमरान खान को रिहा करने की मांग, कहा- उनके ऊपर लगे आरोप राजनीति से प्रेरित

इस्लामाबाद। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के एक समूह ने पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को तुरंत रिहा करने की मांग की। उन्होंने बताया कि इमरान खान पर लगाए गए कम से कम दो मामले राजनीति से प्ररित थे। इमरान खान को जेल में रखने का मुख्य उद्देश्य उन्हें पाकिस्तान की राजनीति से दूर करना था। संयुक्त राष्ट्र कार्य समूह ने जिनेवा में 18 से 27 मार्च तक अपने 99 सत्र में 71 वर्षीय इमरान खान की की हिरासत पर अपनी राय दी। यूएन ने की इमरान खान पर रिहाई की मांग यूएन के इस समूह ने कहा कि तोशाखाना और साइफर मामले में इमरान खान की गिरफ्तारी राजनीति से प्ररित थी, जिसका उद्देश्य उन्हें पाकिस्तान की राजनीति से दूर करना था। समूह ने आगे कहा कि यह बिना किसी कानूनी आधार के था। तोशाखाना मामले में पूर्व पीएम पर आरोप लगाया गया था कि अपने कार्यकाल के दौरान इमरान खान ने सरकारी खजाने का विवरण जानबूझ कर छिपाया था। इमरान पर सरकारी खजाने से कीमती उपहारों को बेचकर आय कमाने का भी आरोप लगाया गया था। पिछले साल पांच अगस्त को इस्लामाबाद में एक ट्रायल कोर्ट ने पाकिस्तान चुनाव आयोग द्वारा दायर पहले मामले में इमरान खान को दोषी ठहराया और उन्हें तीन साल की जेल की सजा सुनाई।

दोनों देश कई प्रमुख क्षेत्रों में अपने संबंधों को मजबूत कर रहा, भारत-अमेरिका के रिश्तों पर बोले पटेल

वॉशिंगटन। वेदांत पटेल ने कहा कि उन्हें लगता है कि कई अन्य क्षेत्र होंग, जिसमें दोनों देश सहयोग को और मजबूत कर सकते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के भारतीय मूल के वेदांत पटेल ने एक बार फिर भारत-अमेरिका के रिश्तों पर बात की। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन नई दिल्ली के साथ कई प्रमुख क्षेत्रों में अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है। कई प्रमुख क्षेत्रों में अपने संबंधों को मजबूत कर रहे विदेश विभाग के उप प्रवक्ता ने कहा कि भारत एक ऐसा देश है, जिसके साथ हम कई प्रमुख क्षेत्रों में अपने संबंधों को मजबूत कर रहे हैं, खासकर जहां यह हमारे आर्थिक संबंधों और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने से संबंधित है। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रपति को कुछ सप्ताह पहले जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी से संक्षिप्त मुलाकात करने का अवसर मिला था। पटेल ने कहा कि उन्हें लगता है कि कई अन्य क्षेत्र होंगे, जहां दोनों देश सहयोग को प्रगाढ़ बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सुलिवन ने कुछ सप्ताह पहले ही दिल्ली का दौरा किया था। यह भारत और पाकिस्तान के बीच का मामला पाकिस्तान पर एक सवाल के जवाब में पटेल ने आतंकवाद की निंदा करते हुए कहा, आखिरकार यह भारत और पाकिस्तान के बीच का मामला है। बेशक, हम ऐसे देशों का स्वागत करते हैं जो अपने पड़ोसियों के साथ सकारात्मक संबंध रखते हैं।

अमेरिका में चौतरफा घिरे बाइडन : पूर्व समाचार एंकर ने किया चौंकने वाला दावा, ओबामा के समर्थन को बताया छल

वॉशिंगटन, 02 जुलई (एजेंसियां)।

अमेरिका के पूर्व समाचार एंकर ने राष्ट्रपति जो बाइडन को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने दावा किया कि डेमोक्रेट के कई प्रमुख नेताओं ने सलाह दी है कि बाइडन का दिमाग खराब हो चुका है। इसलिए अब समय आ गया है कि उन्हें इस पद की दौड़ से हटा देना चाहिए।

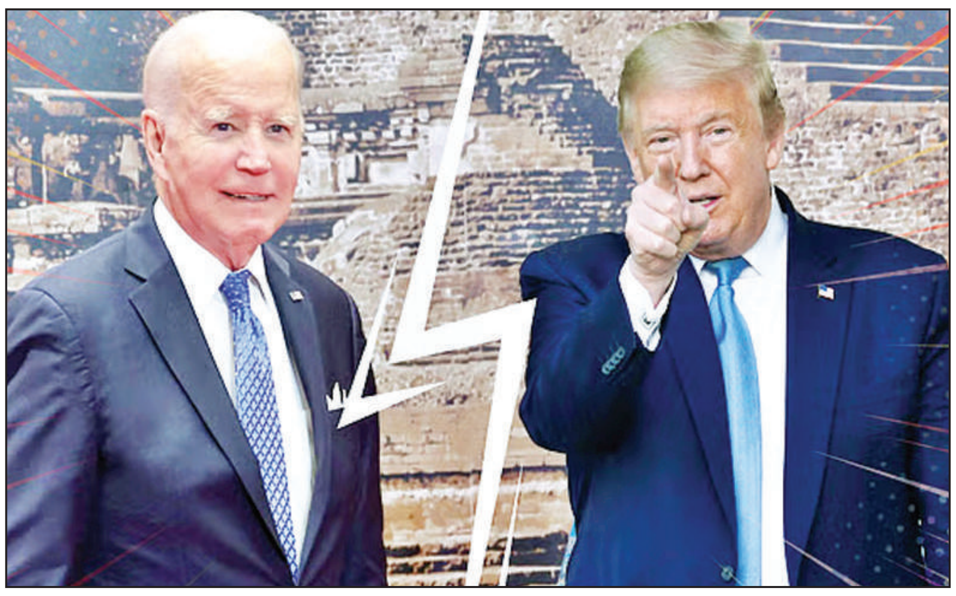

बराक ओबामा का समर्थन कपट भरा

पूर्व समाचार एंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर भी पोस्ट कर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बराक ओबामा का बाइडन को समर्थन करना छल भरा है। वह निजी तौर पर डेमोक्रेट्स को बता रहे हैं कि राष्ट्रपति बाइडन नहीं जीतेंगे।

गौरतलब है, ओबामा ने बाइडन और ट्रंप के बीच हुई प्राथमिक बहस के बाद मौजूदा राष्ट्रपति के प्रति अपना समर्थन जताया था। उन्होंने यह माना था कि कई बार खराब बहस हो जाती हैं।

अगर ट्रंप को जेल हुई तो...

इस बीच, पूर्व एंकर ने कहा कि इस समय अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप न केवल रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं, बल्कि प्रभावी रूप से संभावित राष्ट्रपति भी हैं। उन्होंने कहा कि अगर ट्रंप को सलाखों के पीछे डाल दिया जाता है, यह देखना जरूरी है कि हर कोई सहमत हो कि उन्होंने कुछ गलत किया है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो वे सिस्टम को खत्म करने का खतरा उठाएंगे।

बाइडन का समय अब पूरा हुआ

अमेरिकी समाचार एंकर ने कहा, बाइडन का समय अब पूरा हो चुका है। इस पर दांव लगा सकते हैं। बहुत से डेमोक्रेट नेताओं ने सुझाव दिया है कि उनके दिमाग ने काम करना बंद कर दिया है। वह पहले की तरह काम नहीं कर सकते। उन्हें बाइडन को हटाना ही होगा और वे ऐसा करेंगे। अब सवाल बस यह उठता है कि आखिर कब हटाया जाएगा। यदि वे चालक हैं तो इसे तुरंत करेंगे। अगर कमला उम्मीदवार बनती हैं तो उन्हें पहले अध्यक्ष भी बनना पड़ेगा।

ट्रंप की सजा पर संशय

उन्होंने आगे कहा, वहीं, ट्रंप और 11 जुलाई को उनकी सजा को लेकर सवाल उठता है। बाइडन का पतन इसे पहले की तुलना में बहुत अधिक खतरनाक बनाता है। इस समय ट्रंप न केवल रिपब्लिकन उम्मीदवार हैं, बल्कि प्रभावी रूप से संभावित राष्ट्रपति हैं। यदि आप उन्हें जेल में डालने जा रहे हैं, तो यह किसी बहुत गंभीर अपराध के लिए बेहतर होगा, जिसके लिए सभी सहमत हैं कि उन्होंने ऐसा किया है। अन्यथा आप सिस्टम को पूरी तरह से और हमेशा के लिए खत्म करने का खतरा उठाते हैं। हम खतरे में हैं। डेमोक्रेट्स को पीछे हटने की जरूरत है। अमेरिका के पूर्व समाचार एंकर ने यह भी कहा कि बाइडन और ट्रंप के बीच कभी अच्छे संबंध नहीं थे। दोनों परिवारों के बीच संबंध जिल बाइडन के कारण ज्यादा बिगड़ गए थे।उन्होंने दावा कर कहा, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जो बाइडन का समर्थन करने वाला ओबामा का ट्वीट काफी कपट भरा था। निजी तौर पर, ओबामा लोगों को बता रहे हैं कि बाइडन नहीं जीतेंगे और इसलिए वह एक खुले सम्मेलन के पक्ष में हैं। ओबामा यह नहीं बताएंगे कि वह किसका समर्थन करते हैं, न ही कल दोपहर तक उन्होंने संदेश देने के लिए व्यक्तिगत रूप से बाइडन से मुलाकात की थी। ओबामा और बाइडन के बीच संबंध कभी भी गर्म नहीं रहे हैं। कई बार वे शत्रुतापूर्ण रहे हैं। हाल ही में संबंध और भी खराब हो गए। जिल बाइडन की वजह से रिश्ते खराब हुए हैं।

भारतीय सीमा पर लंबे समय तक तैनात रहेंगे चीनी सैनिक, रिपोर्ट में दावा- युद्ध का खतरा बरकरार

हॉन्ग कॉन्ग, 02 जुलई (एजेंसियां)।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और चीन के बीच साल 2020 में सीमा पर हिंसक झड़प हुई थी और उसके बाद से कोई हिंसक घटना नहीं हुई है, लेकिन दोनों तरफ बड़ी संख्या में सैनिक तैनात हैं और कोई भी खतरे की गलत गणना सशस्त्र संघर्ष में बदल सकती है। रूस-यूक्रेन और इजराइल हमास युद्ध के बीच लद्दाख में भारत-चीन के बीच जारी तनाव की खबरें सुर्खियों से नदारद भले ही हो गई हैं, लेकिन सीमा पर दोनों देशों के बीच तनाव अभी भी बरकरार है। अमेरिका की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की सेना भारतीय सीमा पर लंबे समय तक तैनात रह सकती है और विवादित सीमा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों के लिए तनाव का सबब बनी रहेगी।

रिपोर्ट में जताई गई संघर्ष की आशंका

अमेरिका के आर्मी वॉर कॉलेज के स्ट्रैटेजिक स्टडीज इंस्टीट्यूट ने बीते दिनों एक रिपोर्ट प्रकाशित की। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और चीन के बीच साल 2020 में सीमा पर हिंसक झड़प हुई थी और उसके बाद से कोई हिंसक घटना नहीं हुई है, लेकिन दोनों तरफ बड़ी संख्या में सैनिक तैनात हैं और कोई भी खतरे की गलत गणना सशस्त्र संघर्ष में बदल सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की सेना अनिश्चित समय तक अक्साई चिन में एलएसी पर और डोकलाम में तैनात रह सकती है।

चीन ने सीमा पर तैनात किए हजारों सैनिक

रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की सेना ने अपनी लॉजिस्टिक क्षमताओं में काफी इजाफा किया है। इसी वजह से गलवान की घटना के बाद चीन ने बेहद सीमित समय में बड़ी संख्या में सैनिकों को सीमा पर तैनात कर दिया था। माना जा रहा है कि चीन ने 2020 की घटना के बाद से करीब 10 हजार सैनिकों की सीमा पर तैनाती की है। इनमें इंजीनियर्स और आर्टिलरी के अलावा सपोर्ट स्टाफ भी शामिल है। वहीं अक्साई चिन के 400 किलोमीटर के इलाके में चीन के करीब 20 हजार सैनिक तैनात हैं।

साल 2020 में भारत और चीन के सैनिकों में गलवान में हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें भारतीय सेना के 20 जवान शहीद हो गए थे। चीन के भी कई सैनिक इस संघर्ष में मारे गए थे, लेकिन चीन ने ये बात स्वीकार नहीं की थी।

शिकागो में भारतीय-अमेरिकी डॉक्टर स्वास्थ्य देखभाल में धोखाधड़ी के आरोप में दोषी, हो सकती है 10 साल की सजा

शिकागो, 02 जुलई (एजेंसियां)।

अमेरिका के शिकागो में 51 वर्षीय भारतीय अमेरिकी डॉक्टर को स्वास्थ्य देखभाल में धोखाधड़ी मामले में दोषी ठहराया गया है। दरअसल, उन पर मेडिकेड और बीमाकर्ताओं को फर्जी सेवाओं के झूठे बिल दिखाकर धोखाधड़ी करने का आरोप लगा था। डॉक्टर की पहचान मोना घोष के तौर पर की गई है। वह स्त्री रोग सेवाओं में विशेषज्ञता वाली प्रोग्रेसिव वूमेन हेल्थकेयर की मालिक हैं। उन्हें स्वास्थ्य देखभाल धोखाधड़ी के दो मामलों में दोषी ठहराया गया है। उन्हें प्रत्येक मामले में दस साल तक की सजा हो सकती है।

22 जून को हो सकती है सजा

अमेरिका के जिला जज फ्रैंकलिन यू वाल्डेरामा ने सजा के लिए 22 अक्तूबर की तारीख तय की है। आरोपी डॉक्टर ने स्वीकार किया कि वह धोखाधड़ी से प्राप्त 1.5 मिलियन डॉलर से अधिक धनराशि की भरपाई के लिए जवाबदेह थी। अभियोजक पक्ष ने आरोप लगाया कि डॉक्टर घोष धोखाधड़ी से प्राप्त कम से कम 2.4 मिलियन डॉलर की भरपाई के लिए जवाबदेह है। अंतिम राशि अदालत द्वारा सजा सुनाने के दौरान तय की जाएगी।

अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, 2018 से 2022 तक डॉक्टर घोष ने मेडिकेड, ट्राइकेयर और अन्य बीमाकर्ताओं के समक्ष ऐसे दावे पेश किए, जो चिकित्सकीय रूप से जरूरी नहीं थे। उन्होंने अपने कर्मचारियों से भी फर्जी दावे पेश करवाए। हालांकि, कुछ दावे रोगी की सहमति के बिना पेश किए गए थे। डॉक्टर घोष ने स्वीकार किया कि उन्होंने फर्जी दावों का समर्थन करने के लिए झूठे रोगी चिकित्सा रिकॉर्ड भी तैयार किया था।

एक बार फिर डोनाल्ड ट्रंप के बचाव में आए एलन मस्क उपराष्ट्रपति हैरिस पर भड़के, कहा- कब राजनेता समझेंगे...

वॉशिंगटन,02 जुलाई (एजेंसियां)।

अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। यहां राष्ट्रपति पद के लिए दो नेताओं जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ा मुकाबला है। टेस्ला सीईओ एलन मस्क एक बार फिर चर्चाओं में आ गए हैं। उन्होंने गर्भपात प्रतिबंध पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख के बारे में झूठ बोलने के लिए उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की आलोचना की।

क्या कहा था हैरिस ने

हैरिस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा था, डोनाल्ड ट्रंप देश में गर्भपात पर प्रतिबंध लगाएंगे। उन्हें रोकने और महिलाओं की प्रजनन स्वतंत्रता को बहाल करने के लिए मैं और राष्ट्रपति जो बाइडन पूरी ताकत लगा देंगे।

इस दिन होने हैं चुनाव

बता दें, अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। ऐसे में सभी राजनीतिक दल अपने प्रचार प्रसार में लगे हुए हैं। यहां राष्ट्रपति पद के लिए दो नेताओं जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ा मुकाबला है। दोनों ही प्रतिद्वंद्वी एक दूसरे पर हमलावर हैं। हालांकि, उपराष्ट्रपति द्वारा साझा किए गए पोस्ट के साथ कुछ खबरों की लिंक भी थी। लिखा था कि ट्रंप ने बार-बार कहा है कि वह गर्भपात प्रतिबंध पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे।

मस्क का हमला

इसी पर पलटवार करते हुए मस्क ने हैरिस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, राजनेता या कम से कम इंटर्न जो एक्स का इस्तेमाल करते हैं, कब सीखेंगे कि इस मंच पर झूठ बोलना अब काम नहीं करता है इतना ही नहीं गुस्साए मस्क ने हैरिस की पोस्ट पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने पिछले हफ्ते बाइडन के साथ हुई अमेरिकी राष्ट्रपति की बहस में स्पष्ट रूप से कहा है कि वह ऐसा नहीं करेंगे। अमेरिका में गर्भपात पर प्रतिबंध का विषय डेमोक्रेट बाइडन और उनके रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी ट्रंप के बीच राष्ट्रपति चुनाव प्रचार में प्रमुखता से उभरा है।

क्या है सुप्रीम कोर्ट का 2022 का फैसला

सुप्रीम कोर्ट के जून 2022 के रो बनाम वेड के फैसले बाद इडाहो में गर्भपात को कानून द्वारा अपराध घोषित कर दिया गया था। कानून के मुताबिक, राज्य में गर्भपात करने वाले को दो से पांच साल तक की कैद हो सकती है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात को कानूनी तौर पर मंजूरी देने वाले पांच दशक पुराने ऐतिहासिक रो बनाम वेड फैसले को जून 2022 में पलट दिया था। इसका मतलब था कि अमेरिकी महिलाओं के लिए गर्भपात के हक का कानूनी दर्जा खत्म हो जाएगा। हालांकि राहत की बात यह है कि अमेरिका के सभी राज्य गर्भपात को लेकर अपने-अपने अलग नियम बना सकते हैं।

केन्या में हिंसक हुआ कर व्यवस्था के खिलाफ आंदोलन, विरोध प्रदर्शन में 39 लोगों की मौत

नैरौबी, 02 जुलई (एजेंसियां)।

केन्या में नई कर वृद्धि के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन हो रहा है। अबतक इस हिंसा में कम से कम 39 लोगों की मौत हो गई है। एक मीडिया रिपोर्ट में राष्ट्रीय अधिकारों की निगरानी का हवाला देते हुए बताया कि प्रदर्शनकारियों ने केन्या में इस सप्ताह एक नए दौर के विरोध प्रदर्शन के लिए कमर कस ली है।

केन्या नेशनल कमीशन ऑन ह्यूमन राइट्स (केएनसीएचआर) के रिकॉर्ड के मुताबिक केन्या में देशव्यापी कर कानून के विरोध प्रदर्शनों के संबंध में 39 लोग मारे गए हैं और 361 घायल हुए हैं। इसके अलावा जबरन गायब होने के 32 मामले दर्ज हुए हैं। वहीं 627 प्रदर्शनकारियों की इसमें गिरफ्तारियां भी हुई हैं।

किस कारण मचा बवाल

बता दें कि केन्या में सरकार द्वारा नए टैक्स लगाने से जनता काफी गुस्से में है। यहां मई में केन्या फाइनेंस विधेयक 2024 पेश किया गया, जिसमें ब्रेड, कैंसर ट्रीटमेंट, कुकिंग ऑयल, बच्चों का डायपर से सैनेटरी पैड, मोटर वाहन, सोलर उपकरण से लेकर डिजिटल सर्विस से जुड़े प्रोडक्ट्स पर भारी-भरकम टैक्स लगाने का प्रस्ताव है। इसमें ब्रेड पर 16 फीसदी सेल्स टैक्स, कुकिंग ऑयल पर 25 फीसदी टैक्स, मोटर व्हीकल पर 2.5 फीसदी वैट और इंपोर्ट ड्यूटी को तीन फीसदी का प्रस्ताव है।

आक्रोशित भीड़ ने संसद में लगाई आग

वहीं इस विधेयक पर केन्या के संसद में मौजूद सभी सांसदों ने इसका समर्थन किया है। उनका मानना है कि यह सरकारी कामों को पूरा करने के लिए जरूरी है। रेवेन्यू बढ़ाने पर होने वाली कमाई के जरिए सरकार देश में सड़कों का निर्माण, स्कूलों में टीचर्स को हायर कर सकेगी। वहीं किसानों को फर्टिलाइजर के लिए सब्सिडी मिल जाएगी। इससे देश पर कर्ज कम हो जाएगा।

उसके बाद इस विधेयक को लेकर संसद में वोटिंग हुई, जिसमें करीब 195 में से 106 सांसदों ने इसके पक्ष में वोट किया, जिसके बाद पूरे इलाके में प्रदर्शन शुरू हो गया। इस समय सदन के अंदर सांसद विधेयक पर चर्चा कर रहे थे, उसी समय आक्रोशित भीड़ ने संसद में आग लगा दी। इसके बाद सांसदों को संसद भवन से सुरक्षित निकाला गया।

पुलिस ने आंसू गैस और गोलियां चलाईं

केन्या की संसद में हजारों लोगों के घुसने और उसके एक हिस्से में आग लगाने के बाद पुलिस ने आंसू गैस और गोलियां चलाईं। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने हिंसा और अराजकता के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की बात कही है।

राष्ट्रपति विलियम रूटो के सामने संकट

केन्या में हो रहे इस विरोध प्रदर्शन से वहां के मौजूदा राष्ट्रपति विलियम रूटो की सरकार के सामने ये सबसे गंभीर संकट है क्योंकि उन्होंने सितंबर 2022 में एक ऐसे देश में गहरे विभाजनकारी चुनाव के बाद पदभार संभाला था, जिसे अक्सर अशांत क्षेत्र में स्थिरता का प्रतीक माना जाता है।

भारत सरकार ने जारी की एडवाइजरी

केन्या में 80 हजार से एक लाख तक भारतीय रहते हैं। हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच भारतीयों के लिए सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। भारतीय दूतावास की तरफ से कहा गया है कि वे बेवजह घर से बाहर न निकलें और हिंसा वाली जगहों से दूर रहें।

स्लोवेनिया के खिलाफ पेनल्टी चूकने के बाद रोनाल्डो ने कहा...मैं हमेशा इस जर्सी के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देता हूं

फ्रैंकफर्ट, 02 जुलाई (एजेंसियां) । पुर्तगाल ने स्लोवेनिया के खिलाफ राउंड ऑफ़ 16 मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। मैच 120 मिनट के खेल के बाद भी गोलरहित बराबरी पर रहा और गोलकीपर डियोगो कोस्टा टीम के हीरो साबित हुए क्योंकि गोलकीपर ने शूट आउट में तीन पेनल्टी बचाईं।

इस जीत के बावजूद सारा ध्यान क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर केंद्रित हो गया है जो मैच के 105 वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करने से चूक गए थे और अपनी टीम को निर्धारित समय में जीत नहीं दिला पाए थे।

रोनाल्डो ने खेल के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, बेशक, यह मेरा आखिरी यूरो होगा। लेकिन मैं इससे प्रभावित नहीं हूं, मैं उत्साह से प्रेरित हूं।

मुझे प्रशंसकों के लिए खेद है। मैं हमेशा इस जर्सी के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा, चाहे मैं इसे मिस करूं या नहीं। और मैं यह पूरी जिंदगी करूंगा। आपको जिम्मेदारी लेनी होगी।

पेनल्टी चूकने के बाद रोनाल्डो को रोते हुए देखा गया, जिससे दुनिया भर के कई फुटबॉल प्रशंसकों का दिल टूट गया। पांच बार के बैलन डीओर विजेता ने बाद में शूटआउट के दौरान पेनल्टी पर गोल करके अपनी निराशा को मुस्कान में बदल दिया।

यूरो के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर ने कहा, मैं राष्ट्रीय टीम को फायदा दे सकता था, लेकिन मैं इसे प्रबंधित नहीं कर सका, ओब्लाक ने बचा लिया।

मैं वर्ष के दौरान एक बार भी नहीं चूका, जब मुझे इसकी सबसे अधिक आवश्यकता थी तो ओब्लाक ने बचाया। यह एक ही समय पर दुख और खुशी की भावना थी, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात प्रगति है, टीम इसकी हकदार थी।

पुर्तगाल की जीत ने यूरोपीय चैम्पियनशिप में एक ब्लॉकबस्टर ब्रैकेट स्थापित कर दिया है। 2016 के विजेता टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में फ्रांस से भिड़ेंगे और मैच के विजेता का सामना स्पेन और जर्मनी के बीच मैच के विजेता से होगा।

रोनाल्डो ने निष्कर्ष निकाला, स्लोवेनिया ने लगभग पूरा समय बचाव में बिताया, टीम बधाई की पात्र है, विशेषकर हमारे गोलकीपर जिन्होंने तीन अच्छे बचाव किए। यहां तक कि सबसे मजबूत लोगों के भी अपने दिन होते हैं, मैं हतोत्साहित था और मैं दुखी था क्योंकि टीम को मेरी जरूरत थी।

न्यूज ब्रीफ

कार्लोस अल्काराज ने जीत के साथ की शुरुआत, मेदवेदेव भी अगले दौर में पहुंचने में सफल रहे

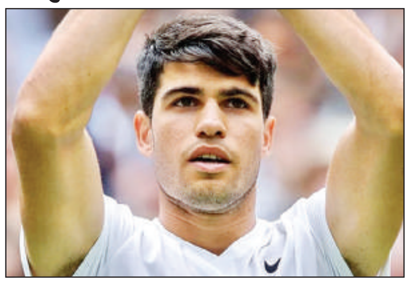

लंदन । तीन सप्ताह पहले फ्रेंच ओपन में अपनी तीसरी बड़ी चैंपियनशिप जीतने वाले अल्काराज ने पिछले साल विंबलडन फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराया था। स्पेन के गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन की शानदार शुरुआत की। अल्काराज ने पहले दौर में क्वालिफायर मार्क लाजल को सीधे सेटों में 7-6 (3), 7-5, 6-2 से हराया और अगले दौर में प्रवेश करने में सफल रहे। विश्व रैंकिंग में 269 वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी लाजल ने हालांकि शुरुआती दो सेट में स्पेन के खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी। तीन सप्ताह पहले फ्रेंच ओपन में अपनी तीसरी बड़ी चैंपियनशिप जीतने वाले अल्काराज ने पिछले साल विंबलडन फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराया था। मेदवेदेव और रूड भी आगे बढ़े पुरुष सिंगल्स वर्ग के अन्य मैचों में पांचवीं वरीयता प्राप्त डेनियल मेदवेदेव ने अलेक्जेंडर कोवासिक को 6-3, 6-4, 6-2 से और आठवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड ने एलेक्स बोल्ट को 7-6 (2), 6-4, 6-4 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। गैर वरीयता प्राप्त कनाडा के डेनिस शापोवालोव ने 19वें नंबर के खिलाड़ी निकोलस जैरी को 6-1, 7-5, 6-4 से हराया। सक्कारी की आसान जीत मारिया सक्कारी ने महिला सिंगल्स के अपने शुरुआती मुकाबले में मेकार्टनी केसलर 6-3, 6-1 से आसानी से शिकस्त दी। पिछले महीने फ्रेंच ओपन की उपविजेता रहीं सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाओलिनी अपने चौथे प्रयास में पहली बार विंबलडन के पहले दौर की बाधा को पार करने में सफल रहीं। इटली की इस खिलाड़ी ने सारा सोरिब्स टोर्मो को 7-5, 6-3 से हराया। सबालेंका विंबलडन से हटीं तीसरी वरीयता प्राप्त अरिना सबालेंका कंधे में चोट के कारण विंबलडन से हट गईं। दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन को ग्रास-कोर्ट ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के शुरुआती दिन पहले दौर में अमेरिका की एमिना बेक्टास से खेलना था। सबालेंका ने एक सप्ताह पहले कंधे में दर्द का हवाला देते हुए बर्लिन लेडीज ओपन के क्वार्टर फाइनल के पहले सेट से हटने का फैसला किया था। उन्होंने कहा था कि उनकी मांसपेशियों में चोट है और यह उनके लिए बहुत निराशाजनक है।

अब आरसीबी में कोच की भूमिका निभाएंगे कार्तिक

बेंगलुरु । पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक अब बल्लेबाजी कोच और मेंटर की भूमिका में नजर आयेंगे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने कार्तिक को अपना नया बल्लेबाजी कोच और मेंटर बनाया है। कार्तिक ने साल 2015 और 2016 में पहली बार आरसीबी की ओर से खेला था। आरसीबी के क्रिकेट निदेशक मो बोबट ने कहा कि कार्तिक एक शानदार क्रिकेटर रहे हैं और अब वह कोचिंग में भी यही कौशल दिखाएंगे। बोबट ने गया, एक खिलाड़ी के रूप में उनका लंबा करियर और ट्रैक रिकॉर्ड उनके कौशल और समर्पण को साबित करता है। मुझे भरोसा है कि वह कोच के तौर पर भी वही गुणवत्ता और प्रतिबद्धता लाएंगे। कार्तिक ने सान 2004 में भारतीय टीम की ओर से अपना पहला मैच खेला था। उनके पास दो दशकों से अधिक का बल्लेबाजी अनुभव है।

टी20 विश्वकप की तैयारी के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

सिडनी । भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप की तैयारी के लिए अगले माह अगस्त में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। इस दौरे में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के साथ तीन मैचों की टी20 सीरीज के साथ ही तीन एकदिवसीय के अलावा एक चार दिवसीय मैच भी खेलना है। इससे बांग्लादेश में साल के आखिर में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इसके अलावा उसे अपनी कमियों का भी पता चलेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस दौरे का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इसमें ताहलिया मैकग्रा ऑस्ट्रेलियाई 20 और 50 ओवरों की टीम की कप्तानी करेंगी। वहीं चार्ली नॉट को चार दिवसीय मैच के लिए कप्तान बनाया गया है। इस दौर में सभी तीन टी20 मैच ब्रिसबेन में जबकि एकदिवसीय मैच मैके में खेले जाएंगे। एकमात्र चार दिवसीय मैच गोल्ड कोस्ट में खेला जाएगा।

7 महीने में लूजर से चैंपियन बना भारत : कप्तान-कोच को एक्सटेंशन आईपीएल को तवज्जो नहीं, रिंकू बाहर, 4 स्पिनर्स पर खेला दांव

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां) । अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल हरा दिया। 10 लगातार जीत के बाद फाइनल में मिली दर्दनाक हार को कप्तान रोहित शर्मा सहन नहीं कर सके। वह मैच खत्म होते ही ड्रेसिंग रूम गए और फूट-फूट कर रोने लगे। रोहित ही नहीं, बाकी खिलाड़ी और भारतीय फैन्स भी इस सदमे को झेल नहीं सके और गहरे दुख में डूब गए। इस हार के 222 दिन बाद भारत एक और वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंचा। इस बार टी-20 फॉर्मेट के वर्ल्ड कप में भारत का सामना साउथ अफ्रीका से था। 29 जून, 2024 को हुए रोमांचक फाइनल में भारत ने दूसरी पारी के 16वें ओवर से जो कमबैक किया, वह इतिहास बन गया। साउथ अफ्रीका को 30 बॉल पर 30 रन चाहिए थे, उनके 6 विकेट बाकी थे। टीम इंडिया ने यहां से कमबैक कर 7 रन से फाइनल जीता और 7 महीने पहले ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के जख्म पर आईसीसी ट्रॉफी का सुखद मरहम लगा दिया। देश 29 जून की रात जश्न में डूब गया, इंडियन प्लेयर खुश, सपोर्ट स्टाफ खुश, हर भारतीय खुश, देश में दिवाली जैसा माहौल छा गया। ये हुआ कैसे, ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद भारत ने इतना बड़ा कमबैक किया कैसे 7 मैच में फ्लॉप रहे कोहली प्लेयर ऑफ द फाइनल कैसे बने आउट ऑफ फॉर्म हार्दिक इतने अहम खिलाड़ी कैसे हो गए

19 नवंबर 2023: ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल हराया – ग्रुप स्टेज में 9 मैच जीतकर भारत ने वनडे वर्ल्ड कप के नॉकआउट राउंड में जगह बनाई। सेमीफाइनल में टीम न्यूजीलैंड पर भी भारी पड़ी और 70 रन से मैच जीता। भारत ने 5 मैच पहले बैटिंग और 5 पहले बॉलिंग करते हुए जीते, यानी दोनों ही डिपार्टमेंट में बराबरी की परफॉर्मेंस। कंगारू कप्तान पैट कमिंस ने मैच से पहले कहा कि 110 करोड़ भारतीय फैन्स को चुप कराने से अच्छा कुछ भी नहीं हो सकता। भारत पहले बैटिंग करते हुए 240 रन ही बना सका और ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से मैच जीत लिया। लगातार 10 जीत के बाद मिली हार से टीम का हर खिलाड़ी, हर फैन निराश हो गया। निराशा लाजमी भी थी, भारत ने 10 साल में 5वां आईसीसी फाइनल जो गंवाया था। इस हार ने फैन्स को इतना निराश किया कि टूर्नामेंट के बाद ठीक बाद ऑस्ट्रेलिया से हुई 5 मैचों की टी-20 सीरीज किसी को याद ही नहीं। भारत इसमें 4-1 से जीता, लेकिन किसी को नतीजे से फर्क नहीं पड़ा। फाइनल हारने का दुख इतना गहरा जो था।

29 नवंबर 2023: राहुल द्रविड़ कोच रहेंगे या नहीं – वनडे वर्ल्ड कप के साथ राहुल द्रविड़ का टीम इंडिया के साथ कोचिंग पीरियड भी खत्म हो गया। फाइनल हार के बाद बीसीसीआई ने चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर और सीनियर प्लेयर्स के साथ मीटिंग की। इस मीटिंग में 2 मुद्दे रखे गए, पहला द्रविड़ कोच रहेंगे या नहीं, दूसरा टी-20 वर्ल्ड कप में रोहित कप्तानी करेंगे या कोई और। 29 नवंबर को बीसीसीआई ने फैसला लिया और राहुल द्रविड़ का कोचिंग पीरियड टी-20 वर्ल्ड कप तक बढ़ा दिया। रोहित कप्तान होंगे या नहीं, इस पर बीसीसीआई ने कुछ नहीं कहा।

1 दिसंबर 2023: कोहली को रखना है या नहीं – साउथ अफ्रीका में तीनों फॉर्मेट की सीरीज के लिए टीम चुनी गई, सूर्यकुमार यादव को टी-20 और केएल राहुल को वनडे टीम का कप्तान बनाया गया। रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों को व्हाइट बॉल से सीरीज आराम मिला और दोनों को टेस्ट टीम में जगह मिली। इस दौरान खबरें चलने लगीं कि कोहली को टी-20 टीम से बाहर किया गया है। वेस्टइंडीज में धीमी पिच मिलेंगी, जहां कोहली को रन बनाने में परेशानी होगी। इस कारण उन्हें टी-20 वर्ल्ड कप में भी जगह नहीं मिलेगी। 10 दिसंबर को साउथ अफ्रीका दौरा शुरू हुआ, कोहली ने 2 टेस्ट में भारत से सबसे ज्यादा 172 रन बनाए और सीरीज 1-1 से ड्रॉ कराने में अहम योगदान दिया।

7 जनवरी, 2024: कोहली तो वर्ल्ड कप खेलेंगे ही – साउथ अफ्रीका दौरा 7 जनवरी 2024 को खत्म हुआ, इसी दिन अफगानिस्तान के खिलाफ 3 टी-20 की सीरीज के लिए टीम इंडिया घोषित हुई। यह वर्ल्ड कप से पहले भारत की आखिरी टी-20 सीरीज थी। रोहित शर्मा कप्तान बनाए गए, कोहली को जगह मिली, वहीं हार्दिक को आराम दिया गया। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, अफगानिस्तान के खिलाफ टीम सिलेक्शन से ही बीसीसीआई कमेटी ने सहमति बनाई कि कोहली वर्ल्ड कप खेलेंगे। बड़े टूर्नामेंट को देखते हुए उनका टीम में रहना बेहद ज्यादा जरूरी है।

14 जनवरी 2024: विराट ने 14 महीने बाद टी-20 खेला – विराट ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहला टी-20 नहीं खेला, वह बाकी 2 टी-20 में नंबर-3 पर उतरे। उन्होंने एक मैच में 29 रन बनाए, लेकिन दूसरे में खाता नहीं खोल सके। कोहली पूरे 14 महीने बाद भारत के लिए टी-20 खेलने उतरे थे, इससे पहले उन्होंने 2022 के टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल के रूप में आखिरी टी-20 खेला था। कोहली सीरीज में नंबर-3 पर उतरे, लेकिन यहीं मैनेजमेंट ने तय कर लिया कि कोहली वर्ल्ड कप में ओपनिंग करेंगे।

14 फरवरी 2024: बारबाडोस में तिरंगा गाड़ेंगे रोहित – जनवरी में भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट की सीरीज शुरू हुई। 15 फरवरी को राजकोट में तीसरा टेस्ट खेला जाना था, इससे पहले 14 फरवरी को स्टेडियम का नाम बदलकर निरंजन शाह स्टेडियम किया गया। यहां बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कन्फर्म किया कि रोहित शर्मा ही टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की कप्तानी करेंगे। उन्होंने कहा, हर कोई विश्व कप पर मेरे बयान का इंतजार कर रहा है। 2023 में भारत लगातार 10 मैच जीतकर विश्व कप नहीं जीत सका, लेकिन हमने दिल जीत लिया। मैं आज यहां आप सब से वादा करता हूं की 29 जून 2024 को रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत वर्ल्ड कप जीतेगा और रोहित बारबाडोस में देश का झंडा गाड़ेंगे।

15 अप्रैल 2024: हार्दिक पंड्या चाहिए या नहीं – इंग्लैंड से टेस्ट सीरीज 4-1 से जीतने के बाद 22 मार्च से आईपीएल शुरू हो चुका था। हार्दिक पंड्या की कप्तानी में रोहित मुंबई इंडियंस के लिए बतौर प्लेयर खेल रहे थे। दोनों ही प्लेयर परफॉर्म नहीं कर पा रहे थे, ऐसे में खबरें चलनी लगीं कि हार्दिक को टीम इंडिया से बाहर किया जा सकता था। रोहित भी आउट ऑफ फॉर्म थे, इस कारण स्क्वॉड लगातार हार रही थी।

28 अप्रैल 2024: टीम सिलेक्शन में 2 दिन बाकी – टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम भेजने की आखिरी तारीख आईसीसी ने 30 अप्रैल रखी थी। 28 अप्रैल तक ज्यादातर एक्सपर्ट्स ने अपनी टीम बताई। सभी में एक बात कॉमन रही कि रिंकू सिंह को मौका मिलेगा और टीम 3 स्पिनर्स के साथ जाएगी। कुछ ने तो हार्दिक और कोहली को स्क्वॉड से बाहर तक कर दिया था।

भारत में नहीं, इस देश में होगा विश्व चैंपियनशिप का मुकाबला लिरेन का सामना करेंगे गुकेश

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां) । भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश का विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2024 में विश्व चैंपियन डिंग लिरेन से सामना अपने घर में नहीं हो सकेगा। सिंगापुर ने इसकी मेजबानी के अधिकार जीत लिए हैं जिससे भारत की इसका आयोजन करने की उम्मीदों को झटका लगा है। फिडे ने विश्व चैंपियनशिप मुकाबले की मेजबानी सिंगापुर को सौंपने की घोषणा की। इसके मायने हैं कि गुकेश दिल्ली या चेन्नई में यह मुकाबला नहीं खेल सकेंगे चूंकि भारत के ये दोनों शहर सिंगापुर से पिछड़ गए। तमिलनाडु सरकार और अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने शतरंज की वैश्विक संस्था फिडे को मेजबानी के लिए अलग-अलग बोली सौंपी थी। यह मुकाबला 20 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच होगा। फिडे ने कहा, सिंगापुर सरकार से समर्थन के साथ सिंगापुर शतरंज महासंघ ने फिडे विश्व चैंपियनशिप मैच 2024 की मेजबानी हासिल की है। सभी दावेदारों की समीक्षा, आयोजन स्थलों, सुविधाओं, कार्यक्रम और मौकों की समीक्षा के बाद अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ ने सिंगापुर को चुना है। फिडे अध्यक्ष अकार्डी ड्वोरकोविच ने कहा, हमें खुशी है कि फिडे के इतिहास में पहली बार, विश्व चैंपियनशिप का मैच सिंगापुर में होगा। सिंगापुर न केवल सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक पर्यटन और व्यापार केंद्रों में से एक है, बल्कि यह एक संपन्न शतरंज केंद्र भी है जहां कई प्रतिभाएं हैं। मैं दिल्ली और चेन्नई को भी धन्यवाद देना चाहूंगा जो मेजबानी हासिल करने की दौड़ में थे और इन्होंने बोली लगाई थी। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर किया था क्वालिफाई भारत के 17 वर्षीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने टोरंटो में अप्रैल में खेले गए कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया था। इसके साथ ही वह 40 साल पहले महान गैरी कास्पारोव द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ते हुए विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर बन गए थे। गुकेश कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने थे। कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट विश्व चैंपियन के लिए चुनौती तय करने के लिए आयोजित किया जाता है और इस तरह गुकेश का लिरेन से मुकाबला तय हुआ था।

पेरिस ओलंपिक से ठीक पहले नीरज चोपड़ा ने लिया बड़ा फैसला, इस अहम टूर्नामेंट में नहीं लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां) । ओलंपिक और विश्व चैंपियन भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पोरिस ओलंपिक से पहले एक बड़ा फैसला लिया है। हाल में पावो नूरमी खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले और पेरिस खेलों में भारत की सबसे बड़ी पदक उम्मीद नीरज होने वाले पेरिस डायमंड लीग में हिस्सा नहीं लेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, नीरज ने जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में असहजता के कारण इन खेलों से बाहर रहने का निर्णय लिया है।

पावो नूरमी खेल से शुरू की थी तैयारी

टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पिछले महीने पावो नूरमी खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की थी। नीरज ने ओलंपिक से पहले हुए इन खेलों में 85.97 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे थे। नीरज इस टूर्नामेंट में पहले पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने तीसरे प्रयास में शानदार वापसी की थी और अंत तक अपनी बढ़त को कायम रखने में सफल रहे थे।

पैर को मजबूत बनाने पर देंगे ध्यान

नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह ट्रेनिंग और थ्रो करते समय ब्लॉकिंग करने वाले अपने पैर को मजबूत बनाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने एक स्पोर्ट्स चैनल से कहा, मुझे थ्रो करते समय ब्लॉकिंग करने वाले पैर को मजबूत करना होगा क्योंकि उसी समय ग्रोइन में खिंचाव आता है। हम इस पर काम कर रहे हैं। मैं कुछ और टूर्नामेंट खेल सकता था और खेलना भी चाहता था, लेकिन मुझे लगा कि स्वास्थ्य सर्वोपरि है। थोड़ी भी असहजता महसूस होने पर रुक जाना ही ठीक है।

नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह अब समझदार हो गए हैं और जोखिम नहीं लेते। उन्होंने कहा, ओलंपिक में स्वर्ण जीतने से पहले मैं हर प्रतिस्पर्धा में भाग लेना चाहता था। अब अनुभव के साथ सही फैसले लेने लगा हूं। फिनलैंड में प्रदर्शन अच्छा था लेकिन अभी और काम करना होगा।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ़ लीजेंड्स में दिखेंगे युवराज रैना, आफरीदी और गेल सहित बड़े सितारे

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां) । युवराज सिंह, सुरेश रैना, शाहिद आफरीदी, केविन पीटरसन, यूनिस खान, क्रिस गेल सहित क्रिकेट के बड़े सितारे वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ़ लीजेंड्स के पहले संस्करण में एक बार फिर मैदान में दिखाई देंगे। टूर्नामेंट 3 से 13 जुलाई तक इंग्लैंड के बर्मिंघम में एजबस्टन स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, वेस्ट इंडीज, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड वे छह टीमें हैं जो इस टूर्नामेंट में भाग लेंगी। प्रत्येक टीम एक-दूसरे के खिलाफ एक बार खेलेगी, और शीर्ष चार सेमीफाइनल में पहुंचेंगी जिसके बाद फाइनल होगा। भारत का पहला मैच 3 जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ होगा, जो टूर्नामेंट का शुरुआती मैच भी है, जबकि भारत-पाकिस्तान का बड़ा मुकाबला 6 जुलाई को होना है।

पूरी टीमें और कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

भारतीय टीम: युवराज सिंह, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू, यूसुफ पठान, गुरकीरत मान, राहुल शर्मा, नमन ओझा, राहुल शुक्ला, आरपी सिंह, विनय कुमार, धवल कुलकर्णी, अनुरीत सिंह, पवन नेगी

ऑस्ट्रेलिया टीम: ब्रेट ली, टिम पेन, शॉन मार्श, बेन कटिंग, बेन डंक, डर्क नैनेस, डैन क्रिश्चियन, बेन लाफलिन, आरोन फिंच, जॉन हेस्टिंग, ब्रैड हैडिन, कैलम फर्ग्यूसन, पीटर सिडल, जेवियर डोहर्टी, नाथन कूल्टर-नाइल

दक्षिण अफ्रीका टीम: जैक्स कैलिस, इमरान ताहिर, हर्शल गिब्स, मखाया एंटिनी, डेल स्टेन, एश्वेल प्रिंस, नील मैकेंजी, रयान मैकलॉरेन , जस्टिन ओनटोंग, रोरी क्लाइंडफ्लेट, जेपी डुमिनी, रिचर्ड लेवी, डेन विलास, वेर्नोन फिलेंडर, चार्ल लैंगवेल्ट

वेस्टइंडीज टीम: क्रिस गेल, डेरेन सैमी, सैमुअल बद्री, टीनो बेस्ट, रयाद रयान एमरिट, जेसन मोहम्मद, नवीन स्टीवर्ट, एश्ले नर्स, ड्वेन स्मिथ, सुलेमान बेन, चैडविक वाल्टन, जेरोम टेलर, फिडेल एडवर्ड्स, कर्क एडवर्ड्स, जोनाथन कार्टर

पाकिस्तान टीम: शरजील खान, उमर अकमल, यूनिस खान, शोएब मलिक, मिस्बाह उल हक, शाहिद आफरीदी, अब्दुल रज्जाक, वहाब रियाज, सोहेल तनवीर, सोहेल खान, अब्दुल रहमान, आमिर यामीन, तौफीक उमर, शोएब मकसूद, यासिर अराफात, तनवीर अहमद

वेस्टइंडीज टीम: क्रिस गेल, डेरेन सैमी, सैमुअल बद्री, टीनो बेस्ट, रयाद रयान एमरिट, जेसन मोहम्मद, नवीन स्टीवर्ट, एश्ले नर्स, ड्वेन स्मिथ, सुलेमान बेन, चैडविक वाल्टन, जेरोम टेलर, फिडेल एडवर्ड्स, कर्क एडवर्ड्स, जोनाथन कार्टर।

पहलवान बजरंग पूनिया ने नाडा पर किया पलटवार, लगाया ये बड़ा आरोप

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां) ।

भारतीय पुरुष पहलवान बजरंग पूनिया ने राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) पर कड़ा पलटवार करते हुए बड़ा आरोप लगाया है। नाडा ने 10 मार्च को सोनीपत में हुए चयन ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए नमूने नहीं देने पर 23 अप्रैल को बजरंग को निलंबित कर दिया था। डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल (एडीडीपी) से हालांकि बजरंग को राहत मिल गई थी, लेकिन नाडा ने 24 जून को बजरंग को दूसरी बार निलंबित कर दिया था।

अब टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान ने आरोप लगाया कि खामियों को उजागर करने के कारण नाडा उनके करियर को खत्म करना चाहता है। एडीडीपी ने पहला निलंबन इस आधार पर हटा दिया था कि नाडा ने पहलवान को औपचारिक नोटिस देकर आधिकारिक तौर पर उस पर डोपिंग का आरोप नहीं लगाया था। इसके बाद नाडा ने उन्हें नोटिस जारी किया और उन्हें फिर से निलंबित कर दिया। विश्व चैंपियनशिप में कई बार पदक जीतने वाले इस 30 साल के खिलाड़ी ने दावा किया कि उन्होंने कभी नमूना देने से इनकार नहीं किया, बल्कि केवल इस बात का जवाब मांगा था कि नाडा ने दिसंबर 2023 में नमूना संग्रह के लिए एक एक्सपायर हो चुकी किट क्यों भेजी थी।

नाडा मुझे निशाना बना रहा

बजरंग ने एक्स पर लिखा, यह दर्शाता है कि नाडा मुझे कैसे निशाना बना रहा है, वे नहीं चाहते कि मैं किसी भी कीमत पर कुश्ती जारी रखूं। उनके पास कोई जवाब नहीं है और वे अपनी गलतियों की जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते, वे सिर्फ अपने छुटकारे के लिए एथलीट को परेशान करना चाहते हैं। नाडा नहीं चाहता कि कोई उनके गलत तरीकों पर सवाल उठाए और अगर कोई ऐसा करता है तो उसे निशाना बनाया जाता है ताकि वह अपना खेल जारी न रख सके। नाडा एक्सपायर हो चुकी किट के बारे में जवाब क्यों नहीं देता नाडा इस बात का जवाब क्यों नहीं देता कि दो मैचों के बीच नमूना लेने के लिए मुझपर दबाव दिया गया, जबकि उन्हें पता था कि मेरे पास अगले मुकाबले की तैयारी करने के लिए केवल 20 मिनट थे।

यह नाडा द्वारा एक ही मामले में पहले निलंबन को निरस्त करने के बाद लगातार 2 महीनों में दूसरे निलंबन से संबंधित है। नाडा ने उन्हें दिए गए सभी तथ्यों को स्पष्ट रूप से नजरअंदाज कर दिया और मुझे फिर से निलंबित कर दिया। यह दर्शाता है कि नाडा मुझे कैसे निशाना बना रहा है, वे नहीं चाहते ।

बजरंग ने कहा कि इस मामले में वह हार नहीं मानेंगे। उन्होंने कहा, अगर नाडा अपने अहंकार के लिए पहलवानों के धैर्य और अपने अधिकारों के लिए खड़े होने के दृढ़ संकल्प को चुनौती देना चाहता है, तो उसे ऐसा करने दो। पहलवान यही है और अंत तक लड़ेगा। मेरे वकील समय पर अपना जवाब दाखिल करेंगे। बजरंग को आरोप स्वीकार करने या सुनवाई का अनुरोध करने के लिए 11 जुलाई तक का समय दिया गया है।

बजट से पहले झटका, सरकार ने छोटी बचत योजना में जमा राशि पर ब्याज दरों में वृद्धि से किया इनकार

मुंबई,02 जुलाई (एजेंसियां) ।

केंद्र सरकार ने बजट से पहले उन लोगों को झटका दे दिया है, जो केंद्र सरकार की स्मॉल सेविंग स्कीम यानी लघु बचत योजनाओं में राशि जमा कराते हैं। इन लोगों को उम्मीद थी कि केंद्र की नई सरकार, लघु बचत योजनाओं में जमा राशि पर मिलने वाले ब्याज की दरों में बढ़ोतरी करेगी। केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि पहली जुलाई से 30 सितंबर तक की अवधि के लिए ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पीपीएफ पर 7.1 फीसदी ब्याज मिलेगा, तो वहीं सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा राशि पर 8.2 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा।

स्मॉल सेविंग स्कीम में पैसा जमा कराने वाले लोगों को पहली जुलाई से 30 सितंबर के बीच कितना ब्याज मिलेगा, सरकार ने यह घोषणा कर दी है। इन योजनाओं में पीपीएफ, सुकन्या, नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट और किसान विकास पत्र जैसी योजनाएं शामिल हैं। पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) पर पहले की ही तरह 7.1 फीसदी ब्याज मिलता रहेगा। सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा राशि पर जो ब्याज मिलता है, उसकी दरों में बदलाव नहीं किया गया है। केंद्र सरकार द्वारा पिछले सप्ताह ही लघु बचत योजनाओं पर मिलने वाले ब्याज की दरों की घोषणा की गई है। पोस्ट ऑफिस सेविंग स्कीम पर एक जुलाई से 30 सितंबर तक 4.0 फीसदी ब्याज दर रहेगी। अगर एक वर्ष के लिए राशि जमा की गई है, तो ब्याज दर 6.9 फीसदी होगी। दो वर्ष के लिए राशि जमा है, तो ब्याज दर 7.0 फीसदी रहेगी। तीन वर्ष के लिए जमा राशि पर ब्याज दर 7.1 फीसदी होगी। पांच वर्ष के लिए जमा राशि पर ब्याज दर 7.5 फीसदी होगी। पांच साल की आवर्ती जमा राशि पर 6.7 दर से ब्याज मिलेगा। वरिष्ठ नागरिक सेविंग स्कीम पर ब्याज दर 8.2 फीसदी रखी गई है। मंथली इनकम अकाउंट स्कीम के लिए ब्याज दर 7.4 फीसदी होगी। सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा राशि पर 8.2 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। पीपीएफ के लिए जमा राशि पर 7.1 फीसदी की दर से ब्याज दिया जाएगा। नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट में जमा राशि पर 7.7 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। किसान विकास पत्र जैसी योजनाओं पर 7.5 फीसदी की दर से ब्याज दिया जाएगा। इस स्कीम के मेच्योर होने की अवधि 115 महीने रखी गई है।

न्यूज ब्रीफ

रिलायंस का मार्केट कैप 100 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है: मॉर्गन स्टैनली

नई दिल्ली । देश की अग्रणी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 100 अरब डॉलर तक की बढ़ोतरी हो सकती है। मॉर्गन स्टैनली ने एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया है। तेल से लेकर दूरसंचार तक के कारोबार में सक्रिय रिलायंस इंडस्ट्रीज के पिछले तीन दशकों में चलाए गए मौद्रीकरण चक्रों में शेयरधारकों को दो-तीन गुना मूल्य मिला है। इस दौरान हरेक दशक में कंपनी का बाजार पूंजीकरण 60 अरब डॉलर से अधिक बढ़ा है। आरआईएल इस सदी के अपने चौथे मौद्रीकरण दौर में है। ब्रोकरेज कंपनी मॉर्गन स्टैनली ने कहा कि मौद्रीकरण 4.0 अलग है, इसे कारोबार में तेजी, घरेलू मांग और कम प्रतिस्पर्धा से समर्थन मिल रहा है। वर्ष 1997 के बाद से आरआईएल के चौथे मौद्रीकरण दौर में बाजार पूंजीकरण में 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक की वृद्धि होनी चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक पूंजीकरण में वृद्धि होने की मुख्य वजह रिलायंस की बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि, पूर्ण एकीकरण और कंपनी व्यवसाय को नया स्वरूप देने पर हर बार निवेशकों की अपेक्षाओं से अधिक प्रदर्शन करने की इसकी क्षमता रही है। यह मौद्रीकरण 2021-23 में 60 अरब डॉलर के निवेश के बाद हुआ है, जो आरआईएल के लिए 1990 के दशक के बाद सबसे छोटा निवेश चक्र था। मॉर्गन स्टेनली को उम्मीद है कि रिलांयस इंडस्ट्रीज की आय वित्त वर्ष 2023-24 से लेकर 2025-26 के दौरान 12 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ेगी, जिसमें सभी क्षेत्रों से आय में तेजी आएगी। ब्रोकरेज कंपनी ने कहा कि नई ऊर्जा, उच्च दूरसंचार शुल्क, रासायनिक कारोबार के मार्जिन जैसे नए राजस्व धाराओं को वितरित किए जाने के बाद इसने महत्वपूर्ण बाजार पूंजीकरण परिवर्तन देखा है।

सोना 71,700 और चांदी 87,850 रुपए

नई दिल्ली । सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत तेज रही। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 71,700 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 87,850 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 30 रुपये की तेजी के साथ 71,684 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 17 रुपये की तेजी के साथ 71,671 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 299 रुपये की तेजी के साथ 87,821 रुपये पर खुला। इस समय यह 327 रुपये की तेजी के साथ 87,849 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। कॉमेक्स पर सोना 2,341.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,338.90 डॉलर प्रति औंस था। हालांकि खबर लिखे जाने के समय यह 1.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,337.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कॉल-इंटरनेट महंगा कर ग्राहक से 15 फीसदी ज्यादा कमाएंगी कंपनियां, प्रति ग्राहक 220 रुपए होगी कमाई

मुंबई । दूरसंचार कंपनियों ने मोबाइल फोन पर बात करना और इंटरनेट का इस्तेमाल करना महंगा कर ग्राहकों से अच्छी खासी कमाई करने की योजना बनाई है। रेटिंग एजेंसी केयर रेटिंग ने कहा, अनुमान है कि सभी मोबाइल और डाटा प्लान की कीमतें बढ़ाने से इन कंपनियों को हर ग्राहक से करीब 15 फीसदी ज्यादा कमाई हो सकती है। रेटिंग एजेंसी ने जारी अपनी रिपोर्ट में कहा, ढाई साल बाद दूरसंचार कंपनियों ने मोबाइल टैरिफ में 20 फीसदी तक की बढ़ोतरी की है।इससे इनके कर पूर्व लाभ में 20-22 फीसदी तक वृद्धि हो सकती है। इससे इन कंपनियों की प्रति ग्राहक कमाई (एआरपीयू) 2024-25 में 15 फीसदी बढ़कर 220 रुपये पहुंच सकती है।2022-23 में यह औसतन 191 रुपये रही थी।

महिंद्रा एंड महिंद्रा को भारत में अपना पार्टनर बन सकती है ये जर्मन कंपनी

मुंबई,02 जुलाई (एजेंसियां) ।

एक और विदेशी ऑटो कंपनी भारत में हिस्सेदारी बेचने को तैयार है। जर्मनी की दिग्गज ऑटो कंपनी फॉक्सवैगन अपने भारतीय कारोबार में हिस्सेदारी स्थानीय पार्टनर को बेचने के लिए बातचीत कर रही है। दरअसल फॉक्सवैगन भारत में अबतक दो अरब डॉलर से अधिक निवेश कर चुकी है, बावजूद इसके बाजार में अपनी पकड़ बनाने में विफल रही है। इसकारण कंपनी अपने भारतीय कारोबार में हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रही है। कंपनी के एक टॉप अधिकारी ने कहा कि कंपनी अपनी कम बाजार हिस्सेदारी को बढ़ाने के लिए नई सस्ती कारों को लाने पर काम कर रही है। कंपनी ने अब तक देश में महंगी यूरोपीय गाड़ियों को लांच किया जा है जिन्हें खास सफलता नहीं मिली है।

इतना ही नहीं फॉक्सवैगन ग्रुप ने मांग की है कि देश में हाइब्रिड वाहनों पर टैक्स की दरें कम होनी चाहिए। उसका तर्क है कि सरकार उस समय में लोगों को इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकती जब मार्केट को पेट्रोल-डीजल इंजन से ग्रीन कारों में बदलाव में समय लग रहा है। स्कोडा ऑटो के ग्लोबल सीईओ क्लॉस जेलमर ने यह बात कही है। वे भारत में फॉक्सवैगन ग्रुप की निवेश और रणनीति के प्रमुख भी हैं। माना जा रहा है कि कंपनी भारत में महिंद्रा एंड महिंद्रा को पार्टनर बना सकती है। इस बारे में जेलमर ने कहा, हम 20 से अधिक वर्षों से भारत में हैं। यह साबित नहीं हुआ है कि हम सही रास्ते पर हैं। इसलिए, आप एक नया रास्ता आजमाते हैं। मुझे विश्वास है कि अगर हमें सही साझेदार मिल जाए, तब हम एक-दूसरे से सीखकर लाभ उठा सकते हैं।

हालांकि जेलमर ने नहीं बताया कि फॉक्सवैगन ग्रुप स्थानीय साझेदार के साथ वार्ता कब तक पूरी कर लेगा। यह पूछने पर कि क्या यह ऐसी साझेदारी होगी जिसमें नए प्लेयर को इक्विटी की पेशकश होगी, उन्होंने कहा, हम एक सच्ची साझेदारी की तलाश कर रहे हैं। यह कुछ हद तक बिना किसी अनुबंध के शादी करने जैसा है। इसका मतलब है इंजीनियरिंग क्षमता, बिक्री क्षमता, खरीद क्षमता तक एक्सेस प्राप्त करना।

उन्होंने कहा कि यूरोपीय कारें अक्सर ओवर-इंजीनियर्ड वाली होती हैं, जिसकी भारतीय बाजार में जरूरत नहीं हो सकती। अक्सर हम अपनी अपेक्षाओं के अनुसार कारें बनाते हैं जिनकी कीमत ज्यादा होती है। यह ऐसा पहलू है जो हमारी प्रतिस्पर्धी स्थिति को कमजोर करता है। इसलिए, हमें सीखने की जरूरत है और हमें सही जगह के बारे में पता होना चाहिए। हमारी इंजीनियरिंग उत्कृष्टता के साथ मिलकर, यह एक विनिंग कंबिनेशन हो सकता है।

एसयूवी कोना इलेक्ट्रिक इंडियन मार्केट से हुई गायब, अब नई इलेक्ट्रिक एसयूवी को लाने की तैयारी

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में हुंडई ने अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी कोना इलेक्ट्रिक की बिक्री बंद कर दी है। भारत में हुंडई कोना कंपनी की पहली इलेक्ट्रिक कार थी। इसकी जगह अपनी एक पॉपुलर एसयूवी का इलेक्ट्रिक वर्जन उतारने के लिए पूरी तरह तैयार है। बता दें कि कंपनी इंडियन मार्केट में क्रेटा इलेक्ट्रिक को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। हाल ही में क्रेटा के इलेक्ट्रिक वर्जन को कई बार टेस्टिंग करते देखा गया है। इससे उम्मीद है कि कंपनी इसे जल्द ही लॉन्च कर सकती है। क्रेटा ईवी का काफी लंबे समय से इंतजार किया जा रहा है। कंपनी की ये इलेक्ट्रिक कार मास मार्केट के लिए हिट साबित हो सकती है। इंडियन मार्केट में टाटा कर्व और मारुति की पहली इलेक्ट्रिक कार के आने की भी खबरें हैं। ऐसे में हुंडई को अपनी तैयारी मजबूत करनी होगी। मार्केट में लॉन्च होने के बाद क्रेटा ईवी की सबसे बड़ी चुनौती टाटा नेक्सान ईवी और महिंद्रा एक्सयूवी400 जैसी इलेक्ट्रिक कारें होंगी। इसका मुकाबला मारुति सुजुकी ईवीएक्स से भी हो सकता है। अगले साल जनवरी में क्रेटा ईवी लॉन्च हो सकती है, और इसकी कीमत कोना इलेक्ट्रिक से कम होगी। क्रेटा ईवी की एक्सपेक्टेड रेंज 350-400 किलोमीटर के आसपास होने की उम्मीद है। हालांकि, हुंडई ने इस बात की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है।बता दें कि कोना इलेक्ट्रिक को 2019 में लॉन्च किया गया था लेकिन ठीक इसके 5 साल बाद कंपनी ने मॉडल को अपने आधिकारिक वेबसाइट से चुपचाप हटा दिया है। इस कदम को हुंडई की क्रेटा ईवी की तैयारी से जोड़ा जा रहा है, जिसके 2025 की शुरुआत में शोरूम में आने की उम्मीद है। कोना इलेक्ट्रिक को 25.30 लाख रुपये की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च किया गया था। बाद में कम्पनी इसपर 2 लाख रुपये का डिस्काउंट भी दे रही थी। कोना इलेक्ट्रिक में 100 केडब्ल्यू का इलेक्ट्रिक मोटर लगाया गया है, जो 131 बीएचपी और 395 एनएम का टॉर्क देता है।

अमेरिकी वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च को कारण बताओ नोटिस, सेबी की कार्रवाई

नई दिल्ली,02 जुलाई (एजेंसियां) ।

सेबी ने अमेरिकी वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस अदाणी समूह के शेयरों पर दांव लगाने के कथित उल्लंघन पर यह नोटिस जारी किया गया है। हिंडनबर्ग ने अदाणी समूह पर स्टॉक मैनिपुलेशन करने का आरोप लगाया था। सेबी का नोटिस मिलने की हिंडनबर्ग ने जानकारी दी है।

हालांकि हिंडनबर्ग ने इस नोटिस पर नाराजगी जाहिर की है और आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी को उजागर करने वालों को चुप कराने की कोशिश की जा रही है।

हिंडनबर्ग ने लगाए आरोप

हिंडनबर्ग ने कहा कि उसे 27 जून को सेबी से एक ईमेल मिला और बाद में भारतीय विनियमों के संदिग्ध उल्लंघनों को रेखांकित करते हुए एक कारण बताओ नोटिस मिला। हिंडनबर्ग ने कहा कि अदाणी समूह हमारी रिपोर्ट्स में लगाए गए आरोपों का जवाब देने में विफल रहा है। जो जवाब दिया गया है, उसमें हमारे द्वारा उठाए गए प्रमुख मुद्दे को नजरअंदाज कर दिया गया है। हिंडनबर्ग की जनवरी 2023 की रिपोर्ट में आरोप लगाया गौतम अदाणी और उनके भाई विनोद अदाणी और करीबी सहयोगियों द्वारा शेल कंपनियों का एक मजबूत नेटवर्क तैयार किया गया। हमने विस्तार से बताया कि कैसे इन शेल कंपनियों के माध्यम से अरबों डॉलर का घोटाला किया गया।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हिंडनबर्ग रिसर्च ने कहा है कि वह सूचना के अधिकार कानून के तहत एक आवेदन देंगे, जिसमें सेबी के कर्मचारियों के नाम मांगे जाएंगे, जो अदाणी और हिंडनबर्ग मामले पर काम कर रहे थे। साथ ही हिंडनबर्ग ने सेबी और अदाणी और उसके विभिन्न प्रतिनिधियों के बीच बैठक और कॉल का विवरण मांगने की बात भी कही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

इनकी हरकतें नेक...

उनका व्यवहार ऐसा था, जैसे एक अनुभवी सांसद का होता है। उन्होंने सदन की गरिमा को बढ़ाया है। पीएम मोदी ने कहा कि देश ने सफल चुनाव आयोजित कर दुनिया को दिखा दिया है कि ये सबसे बड़ा चुनाव था।प्रधानमंत्री ने कहा, मैं कुछ लोगों की पीड़ा समझ सकता हूं क्योंकि लगातार झूठ का प्रसार करने के बाद भी उनकी पराजय हुई। देश की जनता ने तीसरी बार हमें सेवा करने का अवसर दिया है। देश की जनता की भारतीय जनता पार्टी के 10 वर्ष के ट्रैक रिकॉर्ड को देखा। पीएम मोदी ने कहा कि देश की जनता ने देखा है कि हमारा एकमात्र लक्ष्य भारत सर्वप्रथम है। उन्होंने कहा, हमारा एक ही लक्ष्य रहा है, भारत-प्रथम। हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर काम करती है। इस विचार को सर्वोपरि रखते हुए हमने देश की सेवा करने का प्रण लिया है।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हम तुष्टिकरण नहीं बल्कि संतुष्टिकरण के विचार को लेकर चले हैं। इस देश ने लंबे अरसे तक तुष्टिकरण की राजनीति देखी। जब हम संतुष्टिकरण की बात करते हैं तो इसका मतलब है कि आखिरी व्यक्ति तक लाभ पहुंचे। जब हम सैचुरेशन के सिद्धांत की बात करते हैं तो ये सच्चे अर्थ में सामाजिक न्याय होता है। इस पर देश की जनता ने हमें तीसरी बार चुनकर मुहर लगा दी है। पीएम मोदी ने कहा, इस चुनाव ने इस बात को सिद्ध किया है कि भारत की जनता कितनी परिपक्व है। उसी का नतीजा है कि आज तीसरी बार हम आपके सामने विनम्रतापूर्वक सेवा करने के लिए खड़ा हूं। आपने हमारी नीतियों को देखा है। हमारी नीयत को देखा है, देश की जनता ने उस पर भरोसा किया है। देश जब विकसित होता है, तो करोड़ों लोगों के संकल्प सिद्ध होता है। जब देश विकसित होता है, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मजबूत नींव, उनके सपनों को पूरा करने के लिए तैयार हो जाती है। आजादी के बाद मेरे देश का सामान्य नागरिक इन चीजों के लिए तरस रहा है। जब विकसित भारत होता है, तो गांव और शहरों की स्थिति में भी बहुत बड़ा सुधार होता है। दुनिया की विकास यात्रा मे भारत के गांव भी सहयोग देंगे।पीएम मोदी ने कहा, 2014 से पहले एक समय था जब बड़े बैंकों पर ताले लगाए जा रहे थे। 2014 के बाद नीतियों में परिवर्तन हुए, निर्णयों में गति देखने को मिली। दुनिया के अच्छे बैंकों में आज भारत के बैंकों का स्थान बन गया। 2014 से पहले एक वक्त था, जब आतंकी देश पर हमला करते थे। आज 2014 के बाद का हिंदुस्तान घर में घुसकर मारता है। एयर स्ट्राइक करता है, सर्जिकल स्ट्राइक करता है। 2014 से पहले जम्मू-कश्मीर के लोगों के अधिकार छीन लिए गए थे। धारा 370 का वो जमाना था, सेनाओं पर पत्थर फेंके जाते थे। हम लोग निराश होकर कहते थे कि अब जम्मू-कश्मीर में कुछ नहीं हो सकता। जब 370 की दीवार गिरी तो मजबूत लोकतंत्र की स्थापना हुई। आज भारत के लक्ष्य बहुत विराट हैं और आज भारत एक ऐसी स्थिति में पहुंच गया है, कि हमें ही हमारे पुराने रिकॉर्ड तोड़ने हैं। 10 वर्षों में भारत विकास की जिस ऊंचाई पर पहुंचा है, वह हमारी प्रतिस्पर्धा का एक बेंचमार्क बन चुका है। बीते 10 वर्षों में हमने जो रफ्तार पकड़ी है, अब हमारा लक्ष्य उस रफ्तार को और ज्यादा गति देना है। 10 वर्षों में हम भारत की अर्थव्यवस्था को पांचवे स्थान पर लाए। अब हम अर्थव्यस्था को तीसरे स्थान पर ले जाएंगे। 10 वर्षों में हमने भारत को मोबाइल फोन का बड़ा निर्माता बना दिया।पीएम मोदी ने कहा, हम चार करोड़ गरीबों के घर बना चुके हैं। आने वाले समय में तेज गति से तीन करोड़ घर बनाएंगे, जिससे इस देश के गरीबों को बिना छत के न रहना पड़े। 10 वर्षों में हमने देश की करोड़ों बहनों को उद्यमी बनाया है। हमारे तीसरे कार्यकाल का अर्थ है कि हम तीन गुना रफ्तार से काम करेंगे। हम तीन गुना परिणाम लाकर देंगे। ओड़ीशा, आंध्र प्रदेश में जनता ने एनडीए को अपार समर्थन दिया। राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में हमने प्रचंड विजय हासिल की। हमें नए क्षेत्रों में जनता का प्यार और आशीर्वाद मिल रहा है। भाजपा ने केरल में विश्वास खाता खोला है और बड़े गर्व के साथ केरल के सांसद हमारे साथ खड़े हैं। तमिलनाडु में भाजपा का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। पिछली बार की तुलना में भाजपा का वोट बैंक बढ़ा है। महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में चुनाव आ रहे हैं और हम जीत हासिल करेंगे। पंजाब में भी भाजपा को बढ़त मिली है। जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है।अपने वक्तव्य के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी दल कांग्रेस पर बड़ा कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस लगातार तीन चुनावों में सौ का आंकड़ा भी नहीं छू पाई है। यह तीसरी बार कांग्रेस का सबसे कम स्कोर है। अच्छा होता कि कांग्रेस जनता के इस फैसले को स्वीकार करती। कांग्रेस और उसका इकोसिस्टम दिन रात हिंदुस्तान के नागरिकों के मन में यह स्थापित करने की कोशिश कर रहा है कि उन्होंने हमें हरा दिया है। आदरणीय सभापति जी, ऐसा क्यों हो रहा है।पीएम मोदी ने कहा, मैं जरा अपने सामान्य जीवन का वक्तव्य बताता हूं। एक छोटा बच्चा साइकिल लेकर निकला है। वह बच्चा गिर जाता है। साइकिल से लुढ़क जाता है। रोने लगता है। एक बड़ा व्यक्ति उसके पास आकर कहता कि चींटी मर गई, चिड़िया उड़ गई। तुम बहुत अच्छी साइकिल चलाते हो। उसका ध्यान बंटाकर उस बच्चे का मन बहला देते हैं। वैसे ही बच्चों के मन बहलाने का काम चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस और उसका ईको सिस्टम सिर्फ मन बहलाने का काम कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा, 1984 उपचुनाव को याद कीजिए, उसके बाद इस देश में 10 लोकसभा चुनाव हुए हैं। इसके बावजूद कांग्रेस 250 के आंकड़े को छू नहीं पाई है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा, कुछ लोग बधाई दे रहे हैं कि तुम 100 में 99 नंबर लाए हो। अब उनको कौन बताए कि ये 100 में से नहीं 543 में 99 नंबर लाया है। फेल होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है।पीएम मोदी ने शोले के डायलॉग का जिक्र करते हुए कहा, मौसी ये बात तो सही है कि ये लोग सिर्फ तीसरी बार ही तो हारे हैं। मौसी मॉरल विक्टरी तो है न। मौसी सिर्फ 13 राज्यों में जीरो सीटें आई हैं, पर हीरो तो हैं न। अरे पार्टी की लुटिया तो डुबोई है। अरे मौसी पार्टी अभी सांसें तो ले रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं कांग्रेस के लोगों को कहूंगा कि जनादेश को फर्जी जीत के जश्न में मत दबाओ। फर्जी नशे में मत दबाओ। ईमानदारी से देशवासियों के जनादेश को जरा समझने की कोशिश करो। इसे स्वीकार करो। सभापति जी मुझे नहीं पता कि कांग्रेस के जो साथीगण है, उन्होंने इस चुनाव का विश्लेषण नहीं किया है। ये चुनाव इन साथियों के लिए भी संदेश है। 2024 में जो कांग्रेस है वो परजीवी कांग्रेस है। परजीवी उसी को खाता है, जो उसके शरीर पर होता है।पीएम मोदी ने कहा, एक बच्चा स्कूल से आया और जोर से रोने लगा। उसकी मां ने पूछा क्या हुआ। उसने कहा कि आज स्कूल में मुझे मारा गया। मां परेशान हो गई। उसने पूछा कि बेटा बात क्या थी। बच्चा बता नहीं रहा था और रो रहा था कि मुझे मारा, मुझे मारा। बच्चा यह नहीं बता रहा था कि आज स्कूल में उस बच्चे ने किसी बच्चे को मां की गाली दी थी। उसने ये नहीं बताया कि किसी बच्चे की किताबें उसने फाड़ दी थीं। उसने ये नहीं बताया कि उसने टीचर को चोर कहा था। उसने ये नहीं बताया कि वो किसी का टिफिन चुरा कर खा गया था। हमने सदन में यहीं बचकानी हरकत देखी है। कल यहां बालक बुद्धि का विलाप चल रहा था। मुझे इसने मारा, मुझे उसने मारा। मुझे यहां मारा, मुझे वहां मारा। यही चल रहा था। इन पर सावरकर का अपमान करने का आरोप है। इन पर संस्थाओं के बारे में झूठ बोलने का आरोप है। इन पर ओबीसी वर्ग को चोर कहने के मामले में सजा मिली है। ये बालकबुद्धि अपनी सीमाएं खो देता है। इनकी सच्चाई अब पूरा देश समझ गया है। आज देश इनसे कह रहा है- तुमसे नहीं हो पाएगा। तुमसे न हो पाएगा।पीएम मोदी ने कहा, 2024 से कांग्रेस परजीवी कांग्रेस के रूप में जानी जाएगी। परजीवी वह होता है, जो जिस शरीर के साथ रहता है, उसी को खाता है। कांग्रेस पार्टी जिस पार्टी के साथ गठबंधन बनाती है, उसी को खा जाती है। इसलिए कांग्रेस परजीवी कांग्रेस बन चुकी है। 16 राज्यों में जहां कांग्रेस अकेले लड़ी, वहां पार्टी का वोट प्रतिशत गिर चुका है। ओडिशा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस अपने दम लड़ी और सिर्फ दो सीटों पर जीत हासिल कर पाई। इस चुनाव में कांग्रेस पूरी तरह से परजीवी बन गई। पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस लोगों को लड़ाने के लिए रोज नई नई अफवाहें फैला रही है। कांग्रेस देश में आर्थिक अराजकता फैलाने के लिए सोची समझी साजिश रच रही है। उनके जिन राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं, वहां वे आर्थिक अराजकता फैलाने की साजिश रच रहे हैं। चुनाव के दौरान मंचों से साफ साफ घोषणा की गई कि अगर कांग्रेस के मन का परिणाम नहीं आया तो अराजकता फैल जाएगी। सीएए को लेकर अराजकता फैलाई गई। देश के लोगों को गुमराह करने का खेल खेला गया। देश को दंगों में झोंकने के लिए भी कुत्सित प्रयास किए गए।पीएम मोदी ने कहा, आपातकाल को देश पर थोपा गया। उस दौरान, क्रूरता की सभी हदें पार कर दीं गईं। देश के ताने-बाने को छिन्न-विछिन्न करने का काम किया गया। सरकारों को गिराना, मीडिया को दबाना, संविधान की भावनाओं के खिलाफ आपातकाल थोपा गया। कांग्रेस ने देश के दलितों और पिछड़ों के साथ घोर अन्याय किया गया। इसी वजह से बाबा साहेब अंबेडकर ने कांग्रेस की दलित विरोधी मानसिकता के कारण नेहरू जी की कैबिनेट से इस्तीफा दिया था। अंबेडकर जी ने कहा था- मैं सरकार द्वारा अनुसूचित जातियों की उपेक्षा अपने अंदर उत्पन्न आक्रोश को रोक नहीं सका। इसके बाद नेहरू जी ने अंबेडकर जी का राजनीतिक जीवन खत्म करने के लिए पूरी ताकत लगा दी। षड्यंत्र पूर्वक अंबेडकर जी को चुनाव में हराया गया।पीएम मोदी ने कहा, हमारी सेनाएं देश का अभिमान हैं। बहुत समय से मांग की जा रही थी देश की सुरक्षा के लिए थिएटर कमान जरूरी है। मैं कहना चाहता हूं कि इस क्षेत्र में प्रगति हो रही है। हमारी सेना युवा होनी चाहिए, सेना दुश्मनों के दांत खट्टे करने के लिए होती है। सेना में युवाओं की ताकत बढ़ानी चाहिए। हम लगातार युद्ध योग्य सेना बनाने के लिए रिफॉर्म कर रहे हैं। समय पर रिफॉर्म न होने के कारण हमारी सेना कमजोर हुई थी। देश की सुरक्षा एक गंभीर मसला होता है। ऐसे समय में जब देश की सेना को सशक्त बनाने का समय है, कांग्रेस लगातार झूठ फैला रही है। कौन नहीं जानता कि नेहरू जी समय देश की सेनाएं कितनी कमजोर होती थी। हमारी सेनाओं के भीतर कांग्रेस ने लाखों-करोड़ों के घोटाले किए। देश की सेनाओं को कमजोर किया गया। जीप घोटाला, पनडुब्बी घोटाला, बोफोर्स घोटाला ने देश की सेना का कमजोर किया। कांग्रेस जब सत्ता में रही, तो देश की सेना को कमजोर किया। सत्ता से जाने के बाद भी सेना को कमजोर करने के काम किए गए। जब कांग्रेस सरकार थी तो फाइटर जेट नहीं लिए गए और जब हमने ऐसा करने की कोशिश की, तो कांग्रेस ने साजिश रची। यह बालक बुद्धि राफेल के छोटे छोटे खिलौने बनाकर उड़ाने का मजा लेता था। कांग्रेस ऐसे हर कदम का विरोध करती हैं, जो भारत की सेना को मजबूत बनाएं। हमारी सेनाएं हमारी मजबूती हैं। अब कांग्रेस द्वारा सेना भर्ती को लेकर झूठ फैलाया जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने वन रैंक वन पेंशन की योजना को खत्म किया था। उनका इरादा था कि वन रैंक वन पेंशन को टालते रहें। एनडीए ने इसे लागू किया। हमारे पास भले ही सीमित संसाधन रहे हों लेकिन, 1 लाख 20 हजार करोड़ रुपए हमारे पूर्व सैनिकों को वन रैंक वन पेंशन के रूप में दिए गए।पीएम मोदी ने नीट-यूजी परीक्षा में गड़बड़ी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि देश के कोने-कोने से गिरफ्तारियां कीं जा रहीं हैं। इसके लिए मजबूत कानून भी बनाया जा चुका है। युद्ध स्तर पर हम अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए एक के बाद एक कदम उठा रहे हैं। युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। नीट के मामले में देशभर में पहले ही गिरफ्तारियां की जा रही हैं। पेपर लीक को परीक्षा को पुख्ता करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।एनडीए सरकार ने बीते दस वर्षों में विकास को अपना सबसे बड़ा संकल्प बनाया है। आज गरीब को आवास देना हमारा संकल्प है। भारत की विश्व में जैसे जैसे ताकत बढ़ रही है। हमारी सेनाओं को भी आत्मनिर्भर बनाने का हमारा संकल्प है। ये युग हरित युग है और इसलिए दुनिया, जो ग्लोबल वार्मिंग से लड़ रही है, इसके बड़ी ताकत देने का बीड़ा भारत ने उठाया है। हमने रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में बड़े कदम उठाए हैं।

गैर-कांग्रेसी का तीसरी...

जब किरेन रिजिजू से पूछा गया कि क्या प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को लोकसभा में दिए गए राहुल गांधी के भाषण का जिक्र किया? तो इस पर रिजिजू ने कहा कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं कहा, लेकिन जब देश के प्रधानमंत्री बोलते हैं, तो संदेश सभी के लिए होता है। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने सोमवार को लोकसभा में भाजपा पर जोरदार हमला किया था, जिसमें सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं पर सांप्रदायिक आधार पर लोगों को बांटने का आरोप लगाया गया था। इसका सत्ता पक्ष ने भारी विरोध किया था, प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस नेता पर पूरे हिंदू समुदाय को हिंसक कहने के लिए हमला बोला था।रिजिजू ने कहा कि गठबंधन की बैठक में एनडीए नेताओं ने मोदी को उनके ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी। प्रधानमंत्री ने सांसदों से मीडिया के सामने टिप्पणी करने से पहले किसी भी मुद्दे का अध्ययन करने को कहा और कहा कि उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्रों के संपर्क में रहना चाहिए और मतदाताओं को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहिए।

हिंदुओं पर बेजा...

कोर्ट ने मामले को गंभीरता से लेते हुए 15 जुलाई को सुनवाई की तिथि मुकर्रर की है।पूरे मामले को लेकर परिवादी के अधिवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि कांग्रेस पार्टी के सांसद राहुल गांधी द्वारा कल संसद में सदन की कार्यवाही के दौरान हिंदू धर्म को लेकर कथित विवादित बयान दिया गया था। उसमें उनके द्वारा हिंदू धर्म को कथित तौर पर हिंसक बताया गया था, जिससे आहत होकर परिवादी देवयांशु किशोर द्वारा कोर्ट में परिवाद दायर किया गया है। कोर्ट ने परिवाद स्वीकार भी कर लिया है और मामले में 15 जुलाई को सुनवाई तय की गई है। इसके बाद आगे की र्यवाही होगी।

अवैध धर्मांतरण से ...

इस समारोह में गांव के कई और लोगों को भी ले जाया गया। बाद में, सभी को लालच देकर ईसाई धर्म में परिवर्तित कर दिया गया। बकौल रामकली, उनका भाई मानसिक रूप से बीमार चल रहा था। इस मामले में गिरफ्तारी के बाद कैलाश के अधिवक्ता ने दलील दी कि आवेदक ने शिकायतकर्ता के भाई का धर्मांतरण नहीं किया था। पादरी सोनू ने कार्यक्रम का आयोजन किया था और उसी ने सभी का धर्म परिवर्तन कराया। उसे जमानत पर रिहा किया जा चुका है। राज्य सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता ने दलील दी कि ऐसी सभाओं का आयोजन कर बड़े पैमाने पर लोगों को ईसाई बनाया जा रहा है। कैलाश गांव से लोगों को ले जाकर ईसाई धर्म में परिवर्तित कराने में शामिल रहा है। उसे इसके बदले बहुत पैसा दिया गया था।कोर्ट ने कहा, संविधान का अनुच्छेद 25 किसी को भी स्वेच्छा से धर्म चुनने की आजादी देता है, लेकिन लालच देकर किसी का धर्म परिवर्तन करने की इजाजत नहीं देता। अपने धर्म का प्रचार करने का अर्थ किसी दूसरे धर्म के व्यक्ति को अपने धर्म में परिवर्तित कराना नहीं है।

शिवलिंग का वास्तविक अर्थ क्या है जानकर हैरान रह जाएंगे आप

शिवलिंग की पूजा हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। शिवलिंग अलग-अलग आकारों में पाए जाते हैं। कुछ शिवलिंगों को ज्योतिर्लिंग के रूप में जाना जाता है तो अन्य शिवलिंगों को स्वयंभू के रूप में जाना जाता है, अर्थात ये प्राकृतिक रूप से निर्मित होते हैं। भक्त शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र और अन्य पवित्र वस्तुएं चढ़ाते हैं। शिवलिंग को अक्सर ब्रह्मांड स्तंभ के रूप में माना जाता है, जो सृष्टि का स्रोत और अनंत का प्रतीक है। भगवान शिव, साक्षात, अनंत, निराकार और निर्गुण आदि योगी हैं। सम्पूर्ण ब्रह्मांड में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं जो भगवान शिव को ना जानता हो, लेकिन भगवान शिव के सत्य स्वरूप को जानना सबके बस की बात नहीं है। हम शिवलिंग की पूजा तो करते हैं लेकिन ज्यादातर यह नहीं जानते हैं कि शिवलिंग का वास्तविक अर्थ क्या है? शिवलिंग क्यों पूजनीय है? शिवलिंग का आकार ऐसा ही क्यों है? शिवलिंग का शाब्दिक अर्थ क्या है और शिवलिंग से हमें क्या बोध मिलता है?

सबसे पहले हम शिवलिंग का शाब्दिक अर्थ क्या है वह समझते हैं। शिवलिंग में शिव का अर्थ होता है परम शुद्ध चेतना परमेश्वर या परम तत्व और लिंग का अर्थ होता है निशान चिन्ह और प्रति। शिवलिंग का अर्थ है भगवान शिव, परमात्व का चिन्ह या प्रति शिवलिंग एक ऊर्जा का स्वरूप है जिसमें एक या एक से ज्यादा चक्र मौजूद होते हैं। ज्यादातर ज्योतिर्लिंग में एक या दो चक्र प्रतिष्ठित है। ध्यान लिंग में सभी सातों चक्र परम तक प्रतिष्ठित है। लिंग शब्द का मतलब है आकार। हम इसे आकार इसलिए कह रहे हैं क्योंकि जो अप्रकट है, वो जब खुद को प्रकट करने लगता है या दूसरे शब्दों में कहें तो जब सृष्टि की उत्पत्ति शुरू हुई तो जो सबसे पहला आकार इसने लिया था वो एक दीर्घवृताकार था। एक पूर्ण दीर्घवृत या इल्लिप्स को हम एक लिंग कहते हैं।

सृष्टि की शुरुआत हमेशा एक दीर्घवृत या एक लिंग के रूप में हुई और उसके बाद ये कई रूपों में प्रकट हुई और हम अपने अनुभव से यह जानते हैं कि जब आप ध्यान की गहरी अवस्था में जाते हैं तो पूर्ण विलीन होने वाला बिंदु आने से पहले ऊर्जा एक बार फिर एक दीर्घवृत या एक लिंग का रूप ले लेती है। संस्कृत भाषा में लिंग का अर्थ प्रतीक होता है और इसलिए शिवलिंग का अर्थ हुआ शिव का प्रतीक। इसलिए शिवलिंग को भगवान शिव के पवित्र प्रतीक के रूप में पूजा जाता है।

इस ब्रह्माण में सिर्फ दो चीजें सत्य रूप से मौजूद हैं, एक है ऊर्जा और दूसरा है पदार्थ। हमारा शरीर मिट्टी से मिलकर बना है जो कि 1 दिन इसी मिट्टी में मिल जाएगा। इसलिए इसे पदार्थ कहा जाता है लेकिन शरीर के अंदर की आत्मा अमर होती है। वो शक्तिशाली है इसलिए उसे ऊर्जा कहा गया है। इसलिए शिव पदार्थ और शक्ति ऊर्जा का रूप धारण करके शिवलिंग का आकार ग्रहण करते हैं। आपको बता दें कि शिवलिंग की पूजा 2300 ईसा पूर्व से होती आ रही है, जिसके प्रमाण सिंधु घाटी की सभ्यता की खुदाई के दौरान सामने आए थे। आपको जानकर हैरत होगी कि शिवलिंग की पूजा केवल भारत में ही नहीं होती थी बल्कि प्राचीन रोमन सभ्यता के लोग भी शिवलिंग को पूजते थे। बेबी लोन में खुदाई के दौरान भी शिवलिंग मिले थे, जो इस बात की पुष्टि भी करते हैं।

शिवलिंग का अर्थ मुख्यतया ब्रह्मांड से है जिसका ना तो कोई आदि है और ना ही कोई अंत। अर्थात ब्रह्मांड सीमाओं से परे है वो इसकी कहीं से भी शुरुआत नहीं होती वो ना ही इसका कहीं अंत होता है। अगर हम प्रमुख 12 ज्योतिर्लिंग के संदर्भ में चर्चा करें तो उन सभी का आकार एक दूसरे से भिन्न है। ऐसा इसलिए है क्योंकि अलग अलग उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अलग अलग शिवलिंग बनाए गए हैं। कुछ शिवलिंगों को स्वास्थ्य के लिए बनाया गया है। कुछ को विवाह के लिए वह कुछ को ध्यान साधना के लिए स्थापित किया गया है। वायु पुराण के अनुसार प्रलय काल में समस्त सृष्टि जिनमे लीन हो जाती है और पुनः सृष्टिकाल में जिससे। प्रकट होती है, उसे लिंग कहते है।

इस प्रकार विश्व की सम्पूर्ण ऊर्जा ही लिंग का प्रतीक है। पौराणिक दृष्टि से लिंग के मूल में ब्रह्मा, मध्य में विष्णु और ऊपर प्रणवाक्य महादेव स्थित है। केवल लिंग की पूजा करने मात्र से समस्त देवी देवताओं की पूजा हो जाती है। लिंग पूजन परमात्मा के प्रमाण स्वरूप सूक्ष्म शरीर का पूजन है। शिव और शक्ति का पूर्ण स्वरूप है शिवलिंग।

आषाढ़ अमावस्या 5 को

इस शुभ योग में करेंगे पूजा तो पितर हो जाएंगे प्रसन्न

सनातन धर्म में हर माह में आने वाली अमावस्या तिथि को पूजा पाठ की नजर से काफी महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि अमावस्या के दिन पितर धरती पर अपने परिवार का हाल चाल लेने आते हैं, इस दिन स्नान दान और तर्पण का काफी महत्व है क्योंकि पितरों के नाम का तर्पण करने से पितर प्रसन्न होकर जातक को परिवार समेत खुशहाली का आशीर्वाद देते हैं। आषाढ़ माह की अमावस्या के दिन भी स्नान दान करके आप अपने पितरों के नाम तर्पण कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कि आषाढ़ माह की अमावस्या कब है और इस दिन पूजा के शुभ योग कब बन रहे हैं।

कब है आषाढ़ अमावस्या

इस साल यानी 2024 में आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या 5 जुलाई दिन शुक्रवार को पड़ रही है। अमावस्या की तिथि 5 जुलाई को सुबह 4।57 मिनट पर आरंभ होगी और अगले दिन यानी 6 जुलाई को सुबह 4।26 मिनट पर इसकी अवधि समाप्त होगी। उदयातिथि के अनुसार देखा जाए तो अमावस्या का स्नान दान, तर्पण और पूजा 5 जुलाई के दिन होगी। आषाढ़ अमावस्या पर इस बार दो बड़े शुभ योग बन रहे हैं।

आषाढ़ अमावस्या के दिन ध्रुव योग बन रहा है और इस दौरान की गई पूजा काफी फलदायी साबित होती है। इस योग में स्नान दान और तर्पण करने से अमोघ फल की प्राप्ति की बात कही जाती है। इसके साथ साथ आषाढ़ अमावस्या पर शिव वास योग भी बन रहा है। कहा जाता है कि इस योग में भगवान शिव और मां पार्वती कैलाश पर्वत पर विराजमान होते हैं। इस योग में भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा से बेहद शुभ फल प्राप्त होते हैं।

अमावस्या के दिन पितरों के तर्पण का सबसे शुभ और सही समय प्रात काल कहा गया है। सुबह सूर्योदय के समय किया गया तर्पण पितरों को प्रसन्न कर देता है। सुबह स्नान आदि से निवृत होकर लोटे में जल लें। इस जल में काले तिल, कुश और सफेद फूल डालें और पितरों का नाम लेते हुए, उनको प्रणाम करते हुए दक्षिण दिशा की तरफ मुंह करके तर्पण करें। कहा जाता है कि इस तर्पण से प्रसन्न होकर पितर जातक को सुख शांति का आशीर्वाद देते हैं और परिवार में सुख समृद्धि भी बनी रहती है।

कांवड़ यात्रा करने से क्या लाभ मिलता है

सावन भोलेनाथ के भक्त उन्हें प्रसन्न करने के लिए कई तरह के जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, पूजा, मंत्र जाप, दान, धार्मिक अनुष्ठान आदि कई तरह के जतन करते हैं ।

इन्हीं में से एक है कांवड़ यात्रा, जिसमें महादेव के भक्त मीलों पैदल चलकर गंगा किनारे जाते हैं और कांवड़ में जल भरकर लाते हैं और शिवलिंग का अभिषेक करते हैं। धार्मिक दृष्टिकोण से देखें तो कांवड़ यात्रा का हिन्दू धर्म में खासा महत्व है।। आइए जानते हैं कांवड़ यात्रा 2024 में कब शुरू हो रही है, इसका क्या महत्व, लाभ है।

कांवड़ जल कब चढ़ेगा

पवित्र कांवड़ यात्रा की शुरुआत सावन के आरंभ से ही हो जाती है। इस साल कांवड़ यात्रा 22 जुलाई से शुरू होगी। कई दिनों तक कांवड़िए नियम का पालन करते हुए पैदल चलते हैं और कांवड़ में गंगाजल लाकर सावन शिवरात्रि पर भोलेनाथ का अभिषेक करते हैं। इस साल सावन शिवरात्रि 2 अगस्त 2024 को मनाई जाएगी।

कांवड़ यात्रा शुरू – 22 जुलाई 2024

कांवड यात्रा जलाभिषेक की तारीख – 2 अगस्त 2024

कांवड़ यात्रा करने से क्या लाभ मिलता है

कांवड़ यात्रा भगवान शिव को प्रसन्न करने और उनकी कृपा पाने का एक अचूक उपाय है। मान्यता है सावन के पावन महीने में कांवड़ उठाने वाले भक्त के सभी पाप शाप नष्ट हो जाते हैं। कांवड में जलभकर शिवलिंग का अभिषेक करने वालों पर सालभर भोलेनाथ की कृपा बरसती है। दुख, दोष, दरिद्रता से मुक्ति मिलती है। व्यक्ति हर पल सुख प्राप्त करता है।

कांवड़ का अर्थ

कांवड़ का मूल शब्द 'कावर' है जिसका सीधा अर्थ कंधे से है। शिव भक्त अपने कंधे पर पवित्र जल का कलश लेकर पैदल यात्रा करते हुए गंगा नदी तक जाते हैं। ज्यादातर कांवड़िए इस दौरान गंगाजल लेने हरिद्वार आते हैं।

कावंड़ यात्रा का इतिहास

हिंदू शास्त्रों के अनुसार भगवान परशुराम जो भगवान शिव के एक महान भक्त के रूप में जाने जाते हैं उन्होंने पहली बार इस कांवड़ यात्रा को श्रावण महीने के दौरान किया था। तभी से कांवड़ यात्रा निकाली जा रही है। हालांकि कावंड़ यात्रा की शुरुआत किसने की इसको लेकर कई मत है।

बनते काम भी बिगड़ रहे हैं? घर ले आएं पिरामिड, दूर होंगे वास्तु दोष जीवन होगा सुखमय, करें 3 सरल उपाय

कई बार समय ऐसा होता है कि, आपको कड़ी मेहनत के बाद वो मुकाम नहीं मिलता जिसकी लालसा आप रखते हैं। यही नहीं कारोबार में भी जितना लाभ आपको मिलना चाहिए उसका आधा भी नहीं मिलता। कुल मिलाकर लाख कोशिशों के बावूजद आपको मेहनत का फल नहीं मिलता। ऐसे में घर में अशांति का वर्चस्व बढ़ने लगता है लेकिन क्या आप जानते हैं ऐसी स्थिति क्यों बनती है? दरअसल कई बार घर या दुकान में कुछ दोषों के कारण आपको इन स्थितियों से गुजरना पड़ता है। इन्हें कुछ वास्तु उपायों से दूर किया जा सकता है। आइए जानते हैं इस बारे में भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से।

घर में रखें पिरामिड

यदि आप अपने घर में पिरामिड रखते हैं तो उस जगह की नकारात्मकता दूर होने लगती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ने लगता है। इससे वास्तु दोष खत्म होता है और घर में सुख-समृद्धि आती है। इसके अलावा आप पिरामिड के साथ मंगल यंत्र भी घर में लगा सकते हैं।

चांदी का तार रखें

घर या दुकान में वास्तु दोष को खत्म करने के लिए आप चांदी के तार का उपयोग भी कर सकते हैं। भले ही यह पतला सा हो, लेकिन इसे घर के मुख्य दरवाजे के नीचे दबाकर रखने से सभी तरह के दोष दूर होते हैं।

तुलसी या केले का पौधा

आप अपने घर में तुलसी या केले का पौधा लगा सकते हैं। ये दोनों ही पौधे स्वास्थ्यवर्धक माने जाते हैं साथ ही घर के वातावरण को भी अच्छा बनाते हैं। इसी के साथ घर का वास्तु शास्त्र भी ठीक रहेगा।

क्या है पंच केदार का इतिहास, जानें ये पौराणिक कथा

पंच केदार को मोक्षदायिनी माना जाता है, और ऐसा माना जाता है कि इन मंदिरों की यात्रा करने से व्यक्ति को सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है और मोक्ष प्राप्त होता है। पंच केदार भगवान शिव के पांच पवित्र मंदिरों का समूह है जो उत्तराखंड राज्य के गढ़वाल हिमालय में स्थित हैं। इन मंदिरों को क्रमश: केदारनाथ, तुंगनाथ, रुद्रनाथ, मध्यमहेश्वर और कल्पेश्वर के नाम से जाना जाता है। पंच केदार का इतिहास क्या है आइए जानते हैं।

पंच केदार की पौराणिक कथा

महाभारत का युद्ध समाप्त हो चुका था। युधिष्ठिर अपने चार भाइयों के साथ श्री कृष्ण से मिलने का है। बधाई हो धर्मराज आज अधर्म पे धर्म की जीत हुई। माधव आपकी सहायता के बिना हमारा विजय असंभव था। मेरा काम तो सिर्फ राह दिखाना था उस राह पर चलना तो आप सब पे निर्भर करता है। पार्थ पाँचो पांडव श्री कृष्ण की बात सुन रहे थे, वो बड़े दुखी लग रहे थे। आप सब इतने चिंतित क्यों है? क्या हुआ देवकीनंदन? हमने अपने ही भाइयों की हत्या की है। हम सभी को इस बात का खेत है। हाँ माधव अब आप ही कोई उपाय बताइए, हम इस भ्रात्र हत्या के पाप से मुक्ति कैसे पाएं? तो इस बात से चिंतित है आप आपको इसके लिए महादेव के पास जाना होगा। एक महादेव ही आपको भ्रात्र हत्या के पाप से मुक्ति दिला सकते है। किंतु। किंतु क्या माधव श्री कृष्ण चिंतित हो गए? महादेव आप पांचों से अत्यंतृष्ट हैं। माधव आप चिंतित ना हो, वो चाहे कितने भी रुष्ट हो, हम पाँचों उनके दर्शन करके ही हस्तिनापुर वापस लौटेंगे? हाँ माधव, अब हमें आज्ञा दीजिए, हम विश्वनाथ के दर्शन हेतु काशी प्रस्थान करते हैं। युधिष्ठिर श्रीकृष्ण के सामने हाथ जोड़ते हैं। कल्याण हो, पांचो भाई काशी जाने के लिए निकल पड़ते हैं और कुछ दिनों के बाद वो काशी पहुँच जाते हैं। काशी पहुंचने के बाद उन्हें वहां शिवजी नहीं मिले। पांचो भाई बहुत ही चिंतित हो गए।

यहां तो शिवाजी नहीं हैं अर्जुन, महादेव हमसे अत्यंत रुष्ट हैं इसीलिए वो हमें दर्शन नहीं दे रहे। अब हम क्या करें? हे माधव अब आप ही हैं जो हमें रास्ता दिखा सकते है। तभी श्री कृष्ण वहां प्रकट होते है। पार्थ मैंने पहले भी कहा था की महादेव आपसे अत्यंत रूष्ट हैं और इसलिए वो आपको प्रत्यक्षदर्शन नहीं देना चाहते। तो हमें इस भ्रात्र हत्या के पाप से मुक्ति कैसे मिलेंगे? मुक्ति तो आप सबको केवल महादेव ही दिला सकते हैं और क्योंकि वो आपको प्रत्यक्षदर्शन नहीं देना चाहते, वो काशी से अंतर ध्यान होकर अपने प्रिय स्थल केदार में गए हैं। अगर आप को उनके प्रत्यक्षदर्शन करने हैं तो आपको केदार क्षेत्र में जाना होगा।

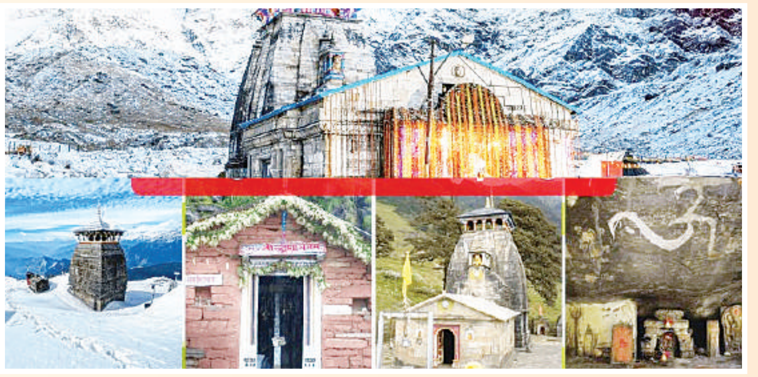

उचित है, उनके दर्शन करने के लिए हमें कितना भी दूर क्यों ना जाना पड़े। हम जाएंगे और मुक्ति पाकर ही वापस लौटेंगे। कल्याण हो!! श्री कृष्ण वहां से अदृश्य हो जाते हैं। पांचों भाई अब केदार क्षेत्र की और प्रस्थान करते हैं। थोड़े दिनों के पश्चात वे केदार पहुँच जाते हैं।

शिव जी पांडवों को वहाँ देखते हैं और उन्हें देखते ही वह क्रोधित हो जाते हैं। ये सब यहाँ भी पहुँच गए किन्तु मैं इन्हें दर्शन देना नहीं चाहता, मैं बैल का रूप धारण करके उनकाय और बैल के छुट में शामिल हो जाता हूँ। वो मुझे कभी भी ढूंढ नहीं पाएंगे। शिव जी बैल का रूप हरण करके अन्य गाय और बैल की छूट में शामिल हो गए। मांडव शिव जी को ढूंढ रहे थे। युधिष्ठिर यहां तो कहीं पर भी महादेव नहीं दिख रहे, श्री कृष्ण ने तो कहा था वो यही है हॉर्चुन इतने में भीम की नजर पशुओं के झुंड पे पड़ती है। उसमें से एक बैल बाकी बैलों से एकदम अलग दिखता है। उसको देख कर भीम को बहुत ही आश्चर्य होता है। भ्राता युधिष्ठिर वो बैल को देखिए, वो बैल आपको बाकी अन्य बेलों से भिन्न नहीं लगता। हां भीम वो भिन्न तो है किन्तु। भीम थोड़े मुस्कुराते हैं। हां तो ये बात है। क्या हुआ भैया? अर्जुन, अब देखो मैं क्या करता हूं।

भीम अपना विशाल रूप धारण करते हैं और अपने दोनों पैर पहाड़ों के बीच फैला देते हैं। मुझे ज्ञात हो गया है कि मेरे भो-लेनाथ ने बैल का रूप धारण किया है। हमें भ्रमित करने के लिए अब अन्य सारे पशु मेरे दो पैरों के बीच में से चले जाएंगे। लेकिन, महादेव नहीं जाएंगे और हुआ भी वैसा ही। बाकी सारे जानवर भीम के दो पैरों के बीच से होकर निकल गए। सिर्फ एक बैल को छोड़कर ये देखकर बाकी चारों पांडवों ने भी शिव जी को पहचान लिया। अब शिव जी बैल रूप में वहां धरती में अंतर ध्यान होने लगे। भीम ने तुरंत ही बल से बेल की पीठ का त्रिकोणात्मक भाग पकड़ लिया।

शिव जी बोले, अब तो मुझे इन पांडवों के समक्ष प्रकट होना ही पड़ेगा। शिव जी अपने वास्तविक रूप में आते हैं और भीम भी पांचों पांडव शिव जी के समक्ष नतमस्तक खड़े रहते हैं। मैं आपके भक्ति और दृढ़ निश्चय को देखकर प्रसन्न हुआ, मैं तुम पाँचों को भ्रात्र हत्या के पाप से मुक्त करता हूं। आपको कोटि-कोटि वंदन महादेव।

आपके प्रत्यक्षदर्शन पाकर और भाई की हत्या के पाप से मुक्ति पाकर हम पांडव धन्य हुए। तभी श्री कृष्ण वहां प्रकट होते हैं महादेव भूमि में अंतर् ध्यान होते समय आपका पीठ का भाग यहीं पे स्थापित हो गया इसलिए युगो युगो तक आप यहां केदारनाथ के रूप में पूजे जाएंगे। आपके धर से ऊपर का भाग काठमांडू में प्रकट हुआ इसलिए आप वहां पे पशुपति नाथ के रूप में पूजे जाएंगे।

इसी तरह जहां पे आपकी भुजाएं प्रकट हुई हैं वहां आप तुंगनाथ के रूप में, जहां मुख प्रकट हुआ, वहां रुद्रनाथ के रूप में, जहां पर आपकी जेठा प्रकट हुई, वहां कल्पेश्वर के रूप में और नाभि जहां प्रकट हुई, वहां आप मदमहेश्वर के रूप में पूजे जाएंगे। इस वजह से आज भी इन चारों स्थानों के सहित श्री केदारनाथ को पंच केदार भी कहा जाता है।

कीमोथेरिपी के लिए अस्पताल पहुंचीं हिना खान

पायल मलिक ने किया बड़ा खुलासा

कुछ दिनों पहले ही हिना खान ने बताया है कि वह ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। उन्हें तीसरी स्टेज का कैंसर है। सोशल मीडिया पर उन्होंने इस बारे में खुद से फैन्स को जानकारी दी थी। वहीं दूसरी ओर पायल मलिक ने बड़ा खुलासा किया है। वह कहती हैं कि अरमान मलिक की मैं कानूनी पत्नी हूं। कृतिका मलिक नहीं। हिना खान ने हाल ही में बताया है कि वह ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। यह सुनकर सभी हैरान रह गए हैं।

एक्ट्रेस महिमा चौधरी, मौनी रॉय, सुरभि चंदना, अंकिता लोखंडे समेत तमाम एक्ट्रेसे ने हिना खान को कमेंट किया और उनके लिए प्रार्थना की। वहीं हाल ही में हिना खान ने अपने इंस्टा हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है। पहले तो इस वीडियो में देखा जा सकता है कि हिना खान बीमारी से गुजरने के बाद भी फोटोशूट करवाती हैं। वह अवॉर्ड फंक्शन भी अटेंड करती हैं और उसके बाद वह अस्पताल आ जाती हैं।

कल्कि 2898 एडी की बॉक्स ऑफिस पर सुनामी

हिंदी भाषा में 100 करोड़ तो वर्ल्डवाइड 500 करोड़ का आंकड़ा पार

प्रभास स्टारर माइथोलॉजी और साइंस फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी की सुनामी बॉक्स ऑफिस पर जारी है। प्रभास, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और कमल हासन स्टारर फिल्म कल्कि 2898 एडी ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर कहर ढा दिया है। कल्कि 2898 एडी बीती 27 जून को रिलीज हुई थी। बीती 30 जून को कल्कि 2898 एडी ने अपना पहला वीकेंड खत्म किया है।प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी ने चौथे दिन वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 140 करोड़ रुपये बटोरे हैं। संडे को कल्कि 2898 एडी का कलेक्शन जबरदस्त रहा है। इसी के साथ फिल्म ने अपने चार दिनों के ओपनिंग वीकेंड पर 555 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। वहीं, फिल्म की तीन दिनों कमाई की बात करें इसने 415 करोड़ रुपये वर्ल्डवाइड कमाए थे। वरइधर, घरेलू सिनेमा पर भी कल्कि 2898 एडी का तूफान जारी है। फिल्म ने चार दिनों में भारत में 115 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। फिल्म लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वहीं, फिल्म ने अपने वीकेंड वर्ल्डवाइड कलेक्शन से भारत की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्में बाहुबली 2, दंगल, आरआरआर, केजीएफ 2, जवान, पठान, सालार, साहो को पीछे छोड़ दिया है।बता दें, कल्कि 2898 एडी साल 2024 की अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली और पहली 500 करोड़ फिल्म बन गई है।

साउथ सिनेमा से अबतक सबसे ज्यादा 300 करोड़ हनु-मैन और बॉलीवुड फिल्म फाइटर 352 करोड़ रुपये की कमाई की थी।वहीं, फिल्म ने नॉर्थ अमेरिका में रिकॉर्ड तोड़ एडवांस बुकिंग कर कमाई का अंबार लगा दिया है। कल्कि 2898 एडी ने 11 मिलियन यूएस डॉलर (90 करोड़ की कमाई कर ली है। बता दें, आज 1 जुलाई को प्रभास की फिल्म ने अपने पहले सोमवार में एंट्री कर ली है।

अब देखना होगा कि फिल्म अपने मंडे टेस्ट में कितने कमाई के झंडे गाड़ती है।बता दें कि कल्कि 2898 एडीळ नाग अश्विन निर्देशित फिल्म है। 600 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म में प्रभास के अलावा अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण, कमल हासन और दिशा पटानी समेत कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किए हैं।

एथनिक लुक में गजब की बला लगीं साक्षी मलिक

बॉलीवुड की बोल्ड और खूबसूरत एक्ट्रेस साक्षी मलिक हमेशा अपनी हॉटनेस के कारण इंटरनेट पर छाई हुई रहती हैं। उनका स्टाइलिश अंदाज इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही फैंस के बीच तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस साक्षी मलिक ने अपने लेटेस्ट ट्रेडिशनल लुक में फोटोज शेयर की हैं। उनके इस लुक ने एक बार फिर से इटरनेट पर तहलका मचा दिया है।एक्ट्रेस साक्षी मलिक हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग अंदाज से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर लुक इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगता है।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक से एक बार फिर से फैंस के बीच कहर बरपा दिया है।उनका ये हॉट अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। साथ ही उनका कातिलाना अंदाज लोगों के बीच थमने का नाम नहीं ले रहा है।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं अभिनेत्री साक्षी मलिक ने फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर की फ्लोरल लुक में साड़ी पहनी हुई थी, जिसमें वो काफी गॉर्जियस लग रही हैं।खुले बाल,कानों में इयररिंग्स और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस साक्षी मलिक ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।एक्ट्रेस साक्षी मलिक अपनी फिटनेस के लिए फैंस के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनकी फिटनेस बेहद कमाल की है। ये ही नहीं एक्ट्रेस का हर एक स्टाइल फैंस के बीच ट्रेंड भी करता है।साक्षी मलिक सोशल मीडिया लवर हैं और इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव भी रहती हैं। साथ ही इंस्टा पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

हीरो ने खुद को बताया सबसे बदसूरत एक्टर

लोग हमारी सूरत की वजह से हमसे क्यों नफरत करते हैं? : नवाजुद्दीन सिद्दीकी

एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने रंगभेद और भेदभाव का सामना करने के बारे में खुलकर बात की है और बताया है कि लोग उन्हें 'बदसूरत' होने की वजह से नफरत करते थे। उन्होंने फिल्म मेकर्स को उन्हें कई मौके देने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि भेदभाव समाज में होता है, फिल्म इंडस्ट्री में नहीं।मुझे नहीं पता कि कुछ लोग हमारी शक्ल-सूरत की वजह से हमसे नफरत क्यों करते हैं। शायद इसलिए क्योंकि हमारा चेहरा ऐसा है - बहुत बदसूरत। जब हम खुद को आईने में देखते हैं तो हमें भी ऐसा ही महसूस होता है। हम खुद से भी कहते हैं, 'हम इतने बदसूरत चेहरे के साथ फिल्म उद्योग में क्यों आए?' मैं फिल्म इंडस्ट्री में सबसे बदसूरत एक्टर हूं। मैं ऐसा इसलिए मानता हूं क्योंकि मैं शुरू से ही यह सब सुनता आ रहा हूं और अब मैं भी इस पर यकीन करने लगा हूं।इंडस्ट्री में उन्हें मौका देने वाले डायरेक्टर का शुक्रिया अदा करते हुए 50 साल के एक्टर ने कहा, अगर आपके पास थोड़ा भी हुनरहै, तो इंडस्ट्री आपको बहुत कुछ देती है। समाज में भेदभाव है, इंडस्ट्री में नहीं।

नवाजुद्दीन ने 1999 में फिल्म सरफरोश से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। आमिर खान और सोनाली बेंद्रे स्टारर इस फिल्म में उन्होंने एक आतंकवादी की भूमिका निभाई थी। पिछले कुछ सालों में उन्होंने 'मुन्ना भाई एमबीबीएस', 'ब्लैक फ्राइडे', 'देव डी', 'कहानी', 'पान सिंह तोमर', 'गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'तलाश', 'किक', 'बजरंगी भाईजान', 'रमन राघव 2.0', 'सेक्रेड गेम्स', 'मंटो' और दूसरी कई फिल्मों में अलग-अलग रोल निभाए हैं। इस बीच, नवाजुद्दीन फिलहाल अपनी फिल्म 'राउतू का राज' के प्रमोशन में बिजी हैं, जिसमें वह एक पुलिस वाले के रोल में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी एक ऐसे शहर के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां 15 सालों से कोई हत्या नहीं हुई है। यह 28 जून को एक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई।

अल्लू सिरीश की फिल्म बडी का ट्रेलर रिलीज़

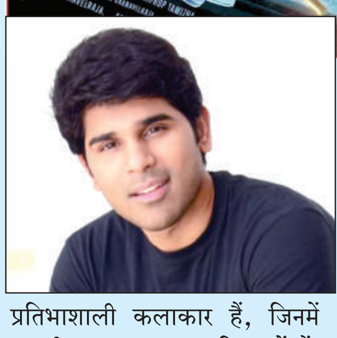

फिल्म बडी का ट्रेलर रिलीज़ हो गया है। अल्लू सिरीश की बडी का ट्रेलर एक दिल को छू लेने वाले रोमांच के साथ शुरू हुआ। अल्लू सिरीश तमिल निर्देशक सैम एंटोन के साथ मिलकर बडी के लिए काम कर रहे हैं, इसलिए एक दिल को छू लेने वाले रोमांच के लिए तैयार हो जाइए। पहले लुक और सिंगल को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद, फ़िल्म का ट्रेलर आ गया है, और यह हास्य, एक्शन और भावनात्मक गहराई का एक शानदार मिश्रण है।ट्रेलर में एक अनूठी कहानी दिखाई गई है मुसीबत में फंसा एक टेडी बियर आदित्य राम (अल्लू सिरीश) से मदद मांगता है। हम देखते हैं कि यह अप्रत्याशित जोड़ी समस्या को हल करने के लिए एक साथ आती है, जिसमें सिरीश फ़िल्म में एक पायलट की भूमिका निभा रहे हैं। ट्रेलर की बेहतरीन एडिटिंग और रोमांचक दृश्य एक आकर्षक कहानी के लिए मंच तैयार करते हैं।सिरीश के साथ कई प्रतिभाशाली कलाकार हैं, जिनमें गायत्री भारद्वाज मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही प्रिशा सिंह, अजमल आमिर, मुकेश ऋषि, मोहम्मद अली और अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभा रहे हैं। फ़िल्म हिप हॉप तमिज़ा के आकर्षक साउंडट्रैक पर आधारित है।स्टूडियो ग्रीन द्वारा निर्मित, जो अपनी उच्च गुणवत्ता वाली फिल्मों के लिए जाना जाने वाला एक प्रसिद्ध प्रोडक्शन हाउस है, बडी एक ताज़ा और मनोरंजक अनुभव का वादा करता है। ट्रेलर ने प्रशंसकों के बीच उत्साह जगा दिया है, जो फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अपने अनूठे आधार, मजबूत कलाकारों और प्रभावशाली प्रोडक्शन वैल्यू के साथ, बडी एक आकर्षक सिनेमाई यात्रा होने के लिए तैयार है।

बॉलीवुड में कदम रखने को तैयार श्रीलीला

पिछले दिनों अभिनेता वरुण धवन पिता बने हैं। उनकी पत्नी नताशा दलाल ने 3 जून को हिंदुजा अस्पताल में एक प्यारी बेटी को जन्म दिया था।निजी जिंदगी के अलावा वरुण अपनी फिल्मों को लेकर भी चर्चा में हैं।फिलहाल वरुण के हाथ में कई फिल्में हैं, जिनमें एक नाम उनके पिता डेविड धवन के निर्देशन में बन रही फिल्म भी शामिल है।खबर है कि वरुण की इस फिल्म के जरिए श्रीलीला बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, डेविड की अगली निर्देशित फिल्म से वरुण के साथ साउथ की अभिनेत्री श्रीलीला बॉलीवुड में कदम रखने के लिए तैयार हैं।बताया जा रहा है कि श्रीलीला फिल्म में वरुण की गर्लफ्रेंड की भूमिका निभाएंगी।इस फिल्म में मृणाल ठाकुर भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वरुण, मृणाल और श्रीलीला की यह फिल्म लव ट्रायंगल पर आधारित होगी।यह फिल्म 2 अक्टूबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।वरुण ने एक बार फिर अपने पिता डेविड के साथ हाथ मिला लिया है और अब दोनों मिलकर फिर अपनी फिल्म से दर्शकों को लोट-पोट करने की पूरी तैयारी में हैं।डेविड और वरुण ने टिप्स फिल्मस से हाथ मिलाया है। रमेश तौरानी फिल्म के निर्माता हैं।डेविड-वरुण पहली बार फिल्म मैं तेरा हीरो के लिए साथ आए थे। इसके बाद दोनों ने जुड़वा 2 में साथ काम किया और फिर वे फिल्म कुली नंबर 1 के लिए साथ आए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन मध्यम रहेगा। किसी भी काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करने पर सफलता मिलेगी, लेकिन कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। पुराने कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। परिजन, दोस्त, रिश्तेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा। जमीन–जायदाद के मामले में पड़ने से बचें, अन्यथा कानूनी विवाद में फंस सकते हैं। दाम्पत्य जीवन खुशनुमा रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन मनमुताबिक रहेगा। व्यापार लाभ देगा कामकाज अच्छा चलेगा और धन लाभ के योग भी रहेंगे, लेकिन छोटी–छोटी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। कर्ज किसी को भी नही देना हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन मिलाझुला रहेगा। आय के स्रोत बढ़ेंगे व्यापार अच्छा चलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आकस्मिक धन लाभ के योग भी बन रहे हैं। नौकरी में मनचाही पदोन्नति की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। दाम्पत्य जीवन भी सुखद रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। सेहत को लेकर सावधान रहें। धार्मिक कार्य में कुछ समय व्यतीत करें। यात्रा का योग नही हैं

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप का समय अनुकूल रहेगा। नक्षत्र बल रहेगा समय तारा अनुकूल रहने से भाग्य–वृद्धि के योग बन रहे हैं। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी। नौकरी में तरक्की मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन सहयोगियों की मदद से कार्य सफल होंगे। आकस्मिक धन प्राप्ति हो सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। सेहत भी अच्छी रहेगी। यात्रा पर जा रहे है तो गाय को गुड खिलाकर निकलें

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन कमजोर हैं। आमदनी मे भी रुकावटें बनेगी व्यापारिक गतिविधि मध्यम रहेंगी और छोटी–छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की भी अधिकता रहेगी, लेकिन सहकर्मियों की मदद से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। पैसों के लेन–देने और कोर्ट–कचहरी के कार्यों से दूर रहना बेहतर होगा। सेहत को लेकर सावधान रहें। छात्रो का परिणाम शतप्रतिशत रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन सामान्य से कुछ बहतर रहेगा। काम धंधा तो मध्यम रहेगा परन्तु काम मे रुकावटें नही आएगी कार्यभार की अधिकता रहने से दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। ईश्वर भक्ति मन को शांति प्रदान करेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का सहयोग भी मिलेगा। सेहत तंदुरुस्त रहेगी डीनर के समय दूध का ही सेवन करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कोई मशीन खरिदने का योग बनरहा हैं वाहन भी ले सकते है। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कार्य सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा, लेकिन ध्यान रहे कि आपकी बातों से किसी को ठेस न पहुंचे। गाय को गेहूं का भूसा खिलाए नंदी को लाल फल खिलाए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन शानदाय हैं आप रिस्क मे भी हाथ डाल सकते हैं। नुकसान की सम्भावना कम हैं कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य आसानी से पूरे होंगे। काम को लेकर किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। परिवार का साथ रहेगा शाम को टहलने के लिए जरुर निकले।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन महनत ज्यादा करनी पडेगी। आज सहकर्मियों का सहयोग भी मिलेगा, लेकिन आशानुरूप कार्यों में सफलता नहीं मिलने से मन व्यथित रहेगा। व्यापार–धंधे में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी। परिवार का माहौल ठीक रहेगा किसी से विवाद होने की आसंका मे अपने को दूर ही रखें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज सुबह ही कोई काम बनेगा खुशखबरी से दीन बन जाएगा। व्यवसाय में लाभ और नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। कारोबार विस्तार को लेकर योजनाएं शुरू कर सकते हैं। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक सिद्ध होगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ समय आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। मित्रों के साथ डीनर का प्रोग्राम बनेगा। सेहत भी जबरदस्त रहेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन थोडा व्यस्तता मे बीतेगा थकावट ज्यादा रहेगी। धंधा जरुर अच्छा चलेगा लेकिन नए कार्यों की शुरुआत करने से बचें, वरना बड़ा नुकसान होने की संभावना रहेगी। कार्यों में सफलता मिलने से धन लाभ होगा, अनावश्यक धन व्यय की भी अधिकता रहेगी। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। उधार लेन–देन से बचें। परिश्रम और प्रयासों से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। विरोधी परास्त होंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज सुबह ही हनुमान मंदिर के दर्शन करके दिन की शुरुआत करें कार्य सिद्धि होगी। आय में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं। हालांकि, कार्यभार की अधिकता रहेगी और कार्यों में सफलता के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। जोखिम लेने से नुकसान उठाना पड़ सकता है, इसलिए निर्णय सोच–समझकर लें। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। दिन का पीछला भाग जरुर सुकून भरा रहेगा।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 03 जुलाई 2024, बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़, कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी प्रातः 07:12 तक
नक्षत्र : रोहिणी उत्तर रात्रि 04:07 तक
योग : शूल प्रातः 09:00 तक
करण : तैतिल प्रातः 07:12 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 05:46, सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:49, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:39, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत, शुक्र बालत्व दोष समाप्त

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सदन में सभी को अपनी बात रखने का मिलेगा मौका :देवनानी

जयपुर, 02 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि विधानसभा में सभी सदस्यों को अपनी बात रखने का मौका मिलेगा लेकिन सदन नियमों एवं मर्यादाओं से चलेगा।

बुधवार से शुरु होने वाले सोलहवीं विधानसभा के द्वितिय सत्र से पहले मंगलवार को श्री देवनानी ने विधानसभा में सर्वदलीय बैठक बुलाई और उसमें उन्होंने यह बात कही। श्री देवनानी ने सदन को शांतिपूर्ण चलाने के लिए सभी दलों से सहयोग की अपील की है। श्री देवनानी की राजस्थान विधानसभा में सदन चलाने के लिए सर्वदलीय बैठक का आयोजन एक ऐतिहासिक पहल है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा का यह पवित्र सदन प्रदेश की आठ करोड जनता का प्रतिनिधित्व करता है। सदन की कार्यवाही को आम जनता देखती है। प्रदेश की जनता से चुनकर आये जनप्रतिनिधि अपने आचरण और व्यवहार को जन आकांक्षाओं के अनुकूल प्रस्तुत करें ताकि विधानसभा का नाम रोशन हो सके। उन्होंने कहा कि विधानसभा सदन नियमों एवं मर्यादाओं से चलेगा। उन्होंने सभी दलों से सदन को शांतिपूर्वक चलाने में सहयोग करने और सार्थक बहस में अपनी बात समय सीमा में रखने के लिए कहा।

श्री देवनानी ने बैठक की अध्यक्षता अध्यक्षता करते हुए कहा कि सदन में सार्थक चर्चा होनी चाहिए। सभी सदस्यों को बोलने का मौका मिलेगा। विधानसभा का सदन अधिक से अधिक दिन चले इसके लिए सभी दलों के सभी सदस्यों को सकारात्मक सोच रखनी होगी। उन्होंने कहा कि सदन को चलाने की जिम्मेदारी सोलहवीं विधानसभा के सभी नवनिर्वाचित सदस्यों की है।

बैठक में श्री देवनानी ने मध्याह्न भोजन अन्तराल के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि लोकसभा की तर्ज पर राजस्थान विधानसभा में भी भोजन अन्तराल का निश्चित समय तय किया जा सकता है। इससे एक ही समय पर सभी विधायक भोजन कर सकेंगे और उसके बाद पुनः सदन में सभी सदस्य कार्यवाही में भाग ले सकेंगे। श्री देवनानी के इस प्रस्ताव पर बैठक में मौजूद सभी दल के प्रतिनिधियों ने इसे अच्छी पहल बताते हुए सहमति व्यक्त की।

श्री देवनानी ने बताया कि प्रथम सत्र के 2054 प्रश्नों में से 92 प्रतिशत प्रश्नों के जवाब विधानसभा को प्राप्त हो गये है। अब 177 प्रश्नों के जवाब आना शेष है। श्री देवनानी ने कहा कि यह शुभ लक्षण है। शेष रहे प्रश्नों के जवाब भी विधानसभा को शीघ्र प्राप्त होने की उम्मीद है। बैठक में तय किया गया कि नया सत्र आरम्भ होने से पहले गत सत्र के सभी प्रश्नों के जवाब विधानसभा को आवश्यक रूप से प्राप्त हो जाने चाहिए।उन्होंने कहा कि जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा होगी। इसके लिए यदि सदन को देर तक चलाने की आवश्यकता होगी तो सदन को देर तक चलाया जायेगा। उन्होनें कहा कि समस्याओं का हल बातचीत से होता है। सदन में समस्याओं के निस्तारण का प्रयास होगा। यहां पर सदस्यों की बातों को गम्भीरता से लिया जायेगा और उनके द्वारा उठाई गई समस्याओं का निस्तारण भी कराया जायेगा। बैठक में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आश्वस्त किया कि प्रतिपक्ष सदन संचालन में सहयोग करेगा। प्रतिपक्ष के सदस्य सदन में मर्यादापूर्ण व्यवहार से अपनी बात रखेंगे। उन्होंने कहा कि सदन में रखी गयी बातों को सरकार गंभीरता से ले। सदन चलाने की जिम्मेदारी पक्ष के साथ प्रतिपक्ष की भी है।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि सर्वदलीय बैठक श्री देवनानी की यह ऐतिहासिक पहल है। सदन संचालन में इसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम दिखाई देंगे। बैठक में सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के मनोज कुमार, भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के थावर चन्द और राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के डॉ. सुभाष गर्ग भी मौजूद थे।

वैश्विक चुनौतियों को स्वीकार करते हुए रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों का निर्माण करे विवि : मिश्र

कोटा, 02 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा है कि विश्वविद्यालय वैश्विक चुनौतियों को स्वीकार करते हुये रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों का निर्माण करें।

श्री मिश्र मंगलवार को कोटा विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्या वाचस्पति अभ्यर्थियों को गोल्ड मेडल एवं उपाधियां प्रदान करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालयों को कौशल विकास से संबंधित शिक्षा पर विशेष ध्यान देते हुये 'विकसित भारत 2047' की संकल्पना को साकार करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं बल्कि नव जीवन का प्रारंभ है। यह वह अवसर है, जब विद्यार्थी प्राप्त करके शिक्षा का राष्ट्र और समाज के उत्थान में उपयोग करने के लिये तैयार होता है।

दीक्षांत समारोह में उन्होंने साक्षी जैन को कुलाधिपति पदक, पूजा साहू को कुलपति पदक, जबकि 60 छात्र–छात्राओं स्वर्ण पदक एवं 49 विद्यावाचस्पति उपाधियां प्रदान कीं। कोटा विश्वविद्यालय की ओर से कुल 88 हजार 692 उपाधियां प्रदान की गयी हैं। इनमें 43 हजार 677 छात्र (49 प्रतिशत) एवं 45 हजार 15 छात्राएं (51 प्रतिशत) शामिल हैं।

उन्होंने 51 फीसदी छात्राओं के उपाधि हासिल करने एवं शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने पर खुशी जताते हुये कहा कि बेटियों को अवसर प्रदान किये जायें तो वे किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। छात्रायें अपनी प्रतिभा का समुचित सदुपयोग करके निरंतर आगे बढ़ रही हैं। श्री मिश्र ने कहा कि इस समय हमारा देश अपने अमृत काल में है। जी–20 की अध्यक्षता भारत को मिली है और इस कार्यकाल ने भारत को एक महाशक्ति के रूप में उभारा है। भारत इस समय विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। भारत के भविष्य को गढ़ने के सबके प्रयास एक नए भारत की नींव का निर्माण करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि 2047 में भारत एक विकसित राष्ट्र के रूप में विश्व का नेतृत्व करेगा। इस अवसर पर श्री मिश्र ने विश्वविद्यालय परिसर में कन्या छात्रावास, धनवन्तरी भवन एवं बॉस्केबॉल, वॉलीबॉल, टेनिस कोर्ट का लोकार्पण भी किया।

करनाल के निकट मालगाड़ी पटरी से उतरी

चंडीगढ़, 02 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा में करनाल के निकट मंगलवार सुबह एक मालगाड़ी पटरी से उतर जाने के कारण अंबाला–नई दिल्ली रेल यातायात प्रभावित हुआ।

रेलवे सूत्रों ने बताया सुबह करीब पाँच बजे तरावड़ी रेल्वे स्टेशन के निकट एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई और उसके दस कन्टेनर रेलवे पटरी पर गिर गए। इससे कुछ बिजली के पोल भी चपेट में आए और ऊपरी तार (ओवरहेड इक्विपमेंट) भी। दुर्घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन अंबाला–नई दिल्ली के बीच रेल यातायात प्रभावित हुआ है। जीआरपी, आरपीएफ और रेल अधिकारी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे और कंटेनर को पटरियों से हटाने, क्षतिग्रस्त खंबों और तारों की मरम्मत करने तथा यातायात बहाल करने का कार्य शुरू किया गया है।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में गोली लगने से बदमाश घायल

भरतपुर, 02 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के डीग में खोह क्षेत्र के रूंध खोह गांव में मंगलवार को एक अंतरराज्यीय वाहन चोर एवं पुलिस के बीच हुई मुठभेड़ में शातिर वाहन चोर असलम पुलिस की गोलियों से गम्भीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार अलसुबह गाव में दबिश देने गयी पुलिस टीम पर अंतरराज्यीय वाहन चोर असलम ने फायरिंग कर दी थी। पुलिस की जवाबी चार राउंड फायरिंग में उसके दोनों पैरों में गोलियां लग गयीं तथा नुकीली चीज पर गिरने से उसका पेट भी फट गया। मुठभेड़ में घायल बदमाश को उपचार के लिये भरतपुर के आरबीएम अस्पताल से जयपुर भेजा गया है।

बताया गया है कि बदमाश असलम के खिलाफ राजस्थान के अलग–अलग थानों में वाहन चोरी के 18 मामले दर्ज हैं। वह हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भी कई वारदात कर चुका है। पुलिस को लंबे समय से उसकी तलाश थी, पुलिस टीम ने 24 जून की शाम चार बजे भी उसे दबोचने के लिये रुंध खोह गांव में दबिश दी थी, तब भी आरोपी पुलिस पर फायरिंग कर फरार हो गया था।

खड़े ट्रक से टकराई कार दो युवकों की मौत

अलवर, 02 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर जिले के नौगावा थाना क्षेत्र में सोमवार देर एक ट्रक से कार के टकराने से कार में सवार दो युवकों की मौत हो गयी।

घटना की जांच कर रहे सहायक उपनिरीक्षक बृजमोहन गोस्वामी ने बताया कि दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस राज मार्ग पर खुशपुरी पुलिया के पास रात करीब दो बजे दिल्ली जा रही कार खड़े ट्रक से टकरा गयी। इससे कार में सवार असरफ (32) और मोहम्मद दिलशाद (29) की मौके पर ही मौत हो गयी। दोनों मृतक दिल्ली के हैं। उन्होंने बताया कि शव नौगावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाये गये। परिजनों ने पुलिस कार्रवाई के लिये मना कर दिया। परिजनों के आग्रह पर बिना पोस्टमार्टम के शव उनके सुपुर्द कर दिये गये।

प्रसाद तीन जुलाई को करेंगे बी फ्यूचर प्रूफ पुस्तक का विमोचन

चंडीगढ़, 02 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्य सचिव टी.वी.एस.एन. प्रसाद तीन जुलाई को शाम पांच बजे चंडीगढ़ क्लब में विकास वर्मा द्वारा लिखित पुस्तक बी फ्यूचर प्रूफ का विमोचन करेंगे।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के उत्तर क्षेत्र प्रमुख और स्थिरता पर एक प्रतिष्ठित संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञ श्री वर्मा अमूल्य अंतर्दृष्टि के धनी हैं। बी फ्यूचर प्रूफ पुस्तक स्थिरता और फ्यूचर–प्रूफ करियर के बीच अंतर्निहित संबंधों को दर्शाती है। यह पुस्तक एक स्थायी करियर की पहचान करने और उसे आगे बढ़ाने के लिए प्रमुख विशेषताओं को रेखांकित करने के लिए व्यक्तिगत अनुभवों को सहेजती है। बी फ्यूचर प्रूफ एक विचारोत्तेजक पुस्तक है जो स्थिरता और भविष्य–सुरक्षित करियर के बीच अंतर्निहित संबंधों की खोज करती है। यह पुस्तक व्यक्तिगत अनुभवों को जोड़कर एक स्थायी करियर की पहचान करने और उसे आगे बढ़ाने के लिए प्रमुख विशेषताओं को उजागर करती है। यह स्थिरता के प्रति अनुराग तथा एक ऐसी मानसिकता विकसित करने की प्रबल अपील करती है, जो जीवन के अर्थ को बेहतर बनाती है।

प्रत्येक पेशेवर, चाहे वह करियर के बीच में हो या व्यापार जगत में नया प्रवेश कर रहा हो, एक निरंतर और असीमित करियर हासिल करने की आकांक्षा रखता है। हालांकि, एआई जलवायु परिवर्तन, कॉर्पोरेट दबाव और नौकरी का तनाव कई लोगों को एक विवश अस्तित्व की ओर धकेल रहा है। 'बी फ्यूचर प्रूफ' पुस्तक लोगों का मार्गदर्शन करती है कि फ्यूचर प्रूफ करियर तक पहुंचने के लिए स्थिरता को कैसे अपनाया जाए।

भारत–थाईलैंड संयुक्त सैन्य अभ्यास मैत्री के लिए सेना की टुकड़ी थाईलैंड रवाना

जयपुर, 02 जुलाई (एजेंसियां)। भारत–थाईलैंड संयुक्त सैन्य अभ्यास मैत्री के 13वें संस्करण में शिरकत करने के लिए भारतीय सेना की टुकड़ी सोमवार को थाईलैंड रवाना हुई।सैन्य प्रवक्ता कर्नल अमिताभ शर्मा ने मंगलवार को बताया कि यह अभ्यास एक से 15 जुलाई तक थाईलैंड के टाक प्रांत के फोर्ट वाचिराप्रकन में आयोजित किया जा रहा है। इसी अभ्यास का पिछला संस्करण सितंबर 2019 में मेघालय के उमरोई में आयोजित किया गया था।

उन्होंने बताया कि भारतीय सेना की टुकड़ी में 76 कर्मी शामिल हैं। इनमें मुख्य रूप से लद्दाख स्काउट्स की एक बटालियन के साथ–साथ अन्य शाखाओं और सेवाओं के कर्मी शामिल हैं। रॉयल थाईलैंड आर्मी की टुकड़ी में भी 76 कर्मी शामिल हैं, जिनमें मुख्य रूप से चार डिवीजन की 14 इन्फैंट्री रेजिमेंट की पहली बटालियन शिरकत कर रही है। कर्नल शर्मा ने बताया कि मैत्री अभ्यास का उद्देश्य भारत और थाईलैंड के बीच सैन्य सहयोग को प्रोत्साहन देना है। यह अभ्यास जंगल और शहरी वातावरण में उग्रवाद और आतंकवाद से निपटने के लिये अभियानों को अंजाम देने में संयुक्त क्षमताओं को बढ़ायेगा। उन्होंने बताया कि यह अभ्यास उच्च स्तर की शारीरिक क्षमता, संयुक्त योजना और संयुक्त सामरिक अभ्यास पर केंद्रित होगा। कर्नल शर्मा ने बताया कि इस दौरान किये जाने वाले सामरिक अभ्यासों में संयुक्त अभियान केंद्र का निर्माण, खुफिया और निगरानी केंद्र की स्थापना, ड्रोन और जवाबी ड्रोन प्रणाली का इस्तेमाल, उनके उतरने के स्थल की सुरक्षा, छोटे दल का प्रवेश और निकासी, हेलीकाप्टर से सैनिक उतारकर किये जाने वाले अभियान, लक्ष्य को घेरकर उसकी तलाशी अभियान और अवैध संरचनाओं को नष्ट करना शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि मैत्री अभ्यास से दोनों पक्षों को संयुक्त अभियानों के संचालन के लिये रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं में अपने सर्वोत्तम अभ्यासों को साझा करने का अवसर मिलेगा। यह अभ्यास दोनों देशों के सैनिकों के बीच अंतर–संचालन और आपसी सौहार्द विकसित करने में सहायक होगा।

भाजपा दे रही फर्जी घोषणाओं की मीठी गोली: हुड्डा

चंडीगढ़, 02 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा में नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि 10 साल सत्ता में रहते भारतीय जनता पार्टी ने जनता को लाठी और गोली दी, अब जब सत्ता हाथ से जाती हुई नजर आ रही है तो वह जनता को फर्जी घोषणाओं की मीठी गोली दे रही है।

श्री हुड्डा ने यहाँ इंडियन नेशनल लोकदल के कुछ कार्यकर्ताओं के कांग्रेस में शामिल होने के अवसर पर मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा ने हर वर्ग और 36 बिरादरी के अधिकारों पर कुठाराघात किया है।

श्री हुड्डा ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुये कहा कि भाजपा सरकार ने गांवों के मान–सम्मान पंच–सरपंचों को पंचकूला में डंडों से पिटवाया था। अब सत्ता हाथ से जाते देख भाजपा मान रही है कि कांग्रेस के समय की व्यवस्था ही सही थी और पंच–सरपंचों के हाथों में गांव का विकास सुरक्षित है। उन्होंने दावा किया कि अपने हर फैसले पर यू–टर्न मारकर भाजपा ने अपनी हार और विफलता दोनों को स्वीकार कर लिया है। इसलिये विधानसभा चुनाव में इस सरकार को जनता से वोट नहीं, बल्कि माफी मांगनी चाहिये। संसद सत्र को लेकर श्री हुड्डा ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी की तरफ से सदन में कही गई हरेक बात सत्य है। अग्निवीर योजना ना सेना के हक में है, ना देश और ना युवाओं के पक्ष में है। अग्निवीर योजना से हरियाणा बहुत ज्यादा प्रभावित हुआ है और अग्निवीर और कौशल निगम जैसी योजनायें युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ हैं और ऐसी योजनाओं के कारण प्रदेश में बेरोजगारी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिये हैं। ये बेरोजगारी बेकाबू अपराध की सबसे बड़ी वजह है।

पशुपति कुमार पारस का राजनीतिक करियर खत्म?

भतीजे से रार में कैसे राष्ट्रीय राजनीति से हवा हुए

पटना (एजेंसियां)।

लोक जनशक्ति पार्टी (राष्ट्रीय) के नेता अब भी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान के खिलाफ आग उगल रहे हैं। वैसे, वजह वाजिब है। चिराग पासवान ने लोकसभा चुनाव 2024 में बिहार की पांच सीटों पर प्रत्याशी दिए और पांचों जीत गए। चिराग से लड़ने के फेर में लोक जनशक्ति पार्टी (राष्ट्रीय) के प्रमुख पशुपति कुमार पारस ने आव देखा न ताव और केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देकर बैठ गए थे। जब कहीं बात नहीं बनी तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में ही रहने का एलान भी किया। लेकिन, अब समय चिराग पासवान का है। केंद्र में वह मंत्री हैं। चाचा पशुपति कुमार पारस बाहर हुए तो अब बाहर ही हो गए। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से राज्यसभा जाने का सपना और दावा, दोनों बिखर गया। लोकसभा चुनाव होने के कुछ दिन पहले केंद्र में मंत्री थे। चुनाव के दिन तक सांसद थे। अब, कुछ नहीं बचे। भाजपा ने अपने कोटे का राज्यसभा वाला टिकट उपेंद्र कुशवाहा को दे दिया है।

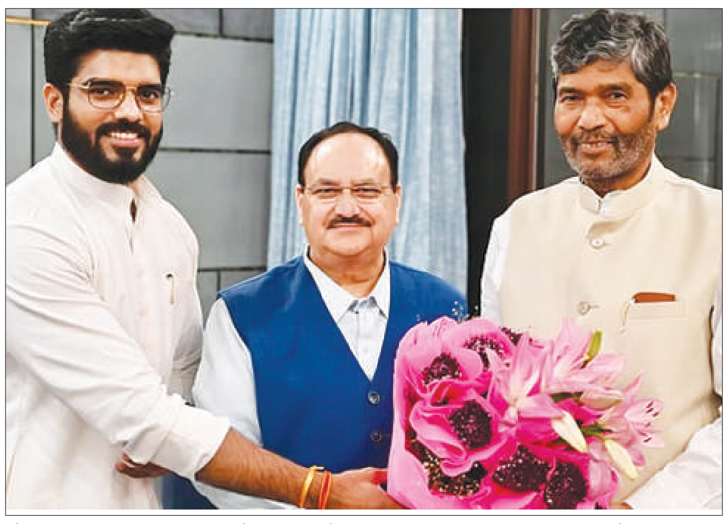

बड़े भाई दिवंगत रामविलास पासवान के बेटे चिराग पासवान को हाजीपुर लोकसभा सीट पर 2024 में चुनाव के लिए नहीं उतरने देने की जिद ठान पशुपति कुमार पारस ने खुद ही पैरों में कुल्हाड़ी मार ली। पारस ने राजग में सीट बंटवारे तक चिराग से समझौता नहीं करते हुए एनडीए सीट शेयरिंग की घोषणा के बाद केंद्रीय मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। दरअसल, वह समय को नहीं समझ नहीं सके और न ही भारतीय जनता पार्टी के हावभाव को। वह समझ नहीं सके कि भाजपा ने एक समय चिराग पासवान की जगह पशुपति कुमार पारस को तवज्जो इसलिए दी थी कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुरा न मान जाएं। 2020 के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड को विधानसभा में तीसरे पायदान पर पहुंचाने में चिराग की बड़ी भूमिका थी, जिसके कारण एनडीए में चिराग का रहना मुश्किल था। मंत्री बनना तो असंभव ही था। ऐसे में रामविलास पासवान के निधन से खाली हुई जगह उनके भाई पशुपति पारस को मिल गई थी। मोदी 2.0 में मंत्री बनने पर पारस को हमेशा ही लगता रहा कि भाजपा के लिए वह चिराग पासवान से ज्यादा खास हैं। इस भ्रम ने उन्हें बर्बाद कर दिया।

वह हाजीपुर लोकसभा सीट पर उतरने की अपनी जिद पर कायम रहे और भाजपा ने इस सीट के लिए उनके भतीजे चिराग पासवान को पक्का कर दिया। पशुपति पारस तब भी यह नहीं समझ सके। जिद पर कायम रहे। राजग के सीट बंटवारे में किनारे होने पर पारस ने आव देखा न ताव, केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। उसके बाद वह बिहार आकर लोकसभा चुनाव में सीटों के लिए महागठबंधन के ऑफर का इंतजार करते रहे, लेकिन भाव नहीं मिला। हारकर पारस ने वापस राजग के प्रति आस्था जताई। एक के बाद एक, कई प्रेस कांफ्रेंस किए। पुरानी तस्वीरें शेयर कीं। राजग की चुनावी जनसभाओं में भी रहे। लोकसभा चुनाव की गरमाहट के बीच अप्रैल में उन्होंने कहा कि भाजपा ने उन्हें राज्यसभा का भरोसा दिलाया है। लेकिन, मंगलवार को वह भरोसा और दावा- दोनों हवा हो गए। राजग ने भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह के हाथों वोट काटे जाने से काराकाट लोकसभा सीट गंवाने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा को राज्यसभा का टिकट दे दिया।

पशुपति कुमार पारस अपने बड़े भाई रामविलास पासवान के करीब थे। उन्हीं के बेटे से रार लेकर पारस अब परेशान हैं। वह अब राजग में बने रहते हैं तो 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में अपने लिए उम्मीद लगा सकते हैं। दूसरी तरफ महागठबंधन में जाने का विकल्प तो है, लेकिन ऐसा करना शायद बेकार जाएगा क्योंकि लोकसभा चुनाव में राजग से नाता तोड़ने के लिए वह लालू यादव और तेजस्वी यादव के भरोसे ही बिहार आए थे। लालू-तेजस्वी ने महागठबंधन के सीट बंटवारे में उन्हें अपने साथ नहीं माना, जिसके बाद विकल्पहीन होकर पारस ने वापस राजग के प्रति आस्था जताई थी। चाणक्य इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिकल राइट्स एंड रिसर्च के अध्यक्ष सुनील कुमार सिन्हा कहते हैं- ''पारस की एक गलती या जिद के कारण उनके भतीजे प्रिंस सहित उनके साथ रहे तमाम सांसदों का करियर खराब हो गया। ऐसे में पारस को अब उन अपनों से भी झटका लगा तो कोई अजूबा नहीं। संभव है कि यह सब देखते हुए पारस राजग में कायम रहें और बिहार विधानसभा चुनाव के लिए तैयारी करें।

हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने सुप्रीम कोर्ट पहुंची नीतीश सरकार

पटना (एजेंसियां)।

नीतीश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पटना हाईकोर्ट के 65 प्रतिशत आरक्षण पर रोक लगाने के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। पटना हाईकोर्ट ने बिहार में संशोधित आरक्षण कानूनों को रद्द कर दिया था। इस फैसले के खिलाफ बिहार सरकार के वकील मनीष सिंह ने याचिका दायर की और दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों के लिए कोटा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने की मांग की।

विपक्ष लगातार आरोप लगा रही थी कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार बिहार में आरक्षण को बढ़ाना नहीं चाहती थी। भाजपा आरक्षण के साथ खिलवाड़ करना चाहती है। कुछ दिन पहले ही तेजस्वी यादव ने कहा था कि हमलोगों को संदेह पहले से ही था कि भाजपा के लोग किसी भी हालत में आरक्षण को रोकने का काम करेंगे। हमलोगों ने चुनाव में भी कहा था कि भाजपा के लोग आरक्षण विरोधी लोग हैं। विपक्ष के इन आरोपों के बीच एनडीए सरकार की ओर से सुप्रीमो कोर्ट का रुख करना विरोधियों को जवाब देना माना जा रहा है।

20 जून पटना हाईकोर्ट ने बिहार सरकार के अनुसूचित जाति, जनजाति, अत्यंत पिछड़े और अन्य पिछड़े वर्ग को 65 आरक्षण देने वाले कानून को रद्द कर दिया था। पटना हाईकोर्ट ने इसे असंवैधानिक करार दिया था। यानी अब शिक्षण संस्थानों व सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति, जनजाति, अत्यंत पिछड़े और अन्य पिछड़े वर्ग को 65 आरक्षण नहीं मिलेगा। 50 प्रतिशत आरक्षण वाली पुरानी व्यवस्था ही लागू हो गई।

किशनगंज में निकाली गई नशा मुक्त अभियान रैली

पत्रकार, पुलिस, एसएसबी जवान और स्कूली बच्चों ने दिया संदेश

पूर्णिया (एजेंसियां)।

किशनगंज जिले में नशा मुक्त गलगलिया अभियान के मद्देनजर मंगलवार को गलगलिया में नशे के खिलाफ जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान पत्रकार और युवा मंच द्वारा आयोजित नशा मुक्त जन-जागरूकता रैली स्थानीय पुलिस प्रशासन और एसएसबी जवान सहित स्कूली बच्चों के सहयोग से सीमांत क्षेत्र के घोषपारा, गलगलिया बाजार, बाजार चौक, पुराना बस स्टैंड, सहनीटोला, दरभंगियाटोला आदि क्षेत्रों में निकाली गई।

जानकारी के मुताबिक, रैली में बच्चों से लेकर स्थानीय पत्रकार, गलगलिया पुलिस और एसएसबी जवान तक की भागीदारी देखी गई। जागरूकता रैली के दौरान ग्रामीणों ने शपथ ली कि सबसे पहले गांव के हर नागरिक को नशे से बचाने का काम करेंगे। गांव को

नशा मुक्त करेंगे।

इस दौरान गलगलिया थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने कहा कि सीमांत क्षेत्र को नशा मुक्त करने में हर संभव सहयोग किया जाएगा। जो लोग नशा बेचने का काम करते हैं, वे समाज के दुश्मन हैं।

साथ ही उन्होंने कहा कि नशा समाज को खोखला कर देता है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी देश के विकास में बड़ी भूमिका अदा करती है। अगर युवा ही नशे के गर्त में चले जाएंगे तो देश की तरक्की में बाधा बन जाएंगे। नशा मुक्त भारत अभियान में हर व्यक्ति को योगदान देते हुए सरकार का सहयोग करना चाहिए।

उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि नशा बेचने वालों की सूचना पुलिस प्रशासन को बिना डर दें। नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर गलगलिया उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक अर्जुन पासवान, गलगलिया थाना के एसआई भूषण झा, पीएसआई वेद प्रकाश, पुलिस जवान, एसएसबी भातगांव बीओपी के पुरुष सहित स्कूली बच्चे आदि मौजूद रहे।

सिविल सर्जन के तबादले के साथ रातों रात 46 स्वास्थ्य कर्मी किए गए इधर से उधर

सीतामढ़ी (एजेंसियां)।

सीतामढ़ी और शिवहर जिले के सिविल सर्जन का तबादला कर दिया गया है। हालांकि, इसके साथ जिले में भी स्वास्थ्य कर्मियों का बड़े पैमाने पर तबादला हुआ है। प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक से लेकर प्रखंड लेखा प्रबंधक, सामुदायिक उत्प्रेरकों का स्थानांतरण किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने सीतामढ़ी और शिवहर जिले के प्रभारी सीएस डॉ. केके झा और डॉ. त्रिलोकी शर्मा की जगह नए सिविल सर्जन की पोस्टिंग की है। किशनगंज के अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुरेश प्रसाद को सीतामढ़ी का, तो प्रतीक्षा में मुख्यालय में पदस्थापित डॉ. देवदास चौधरी को शिवहर जिले का नया सीएस बनाया गया है।

खास बात यह है कि सिविल सर्जन के तबादले के साथ रात तक ऐसी चिट्ठी निकली है, जिससे

स्वास्थ्य महकमे में हलचल है। दरअसल, सिविल सर्जन के तबादले के साथ प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक अरुण कुमार प्रशांत को परिहार सामुदायिक स्वास्थ्य प्रबंधक बनाया गया है। वहीं, उनकी जगह परिहार प्रबंधक संजय कुमार को भेजा गया है। इसी तरह बाजपट्टी बीएचएम अनुपमा सिंह को बाजपट्टी से डुमरा, समीर कुमार भारती को परसौनी से पुपरी, हरकिशोर सिंह को बथनाहा से नानपुर, दिलीप कुमार को चोरौत से बोखड़ा, निरंजन ठाकुर को डुमरा से बथनाहा, आशुतोष को मेजरगंज से सुप्पी, अवनीश कुमार को नानपुर से परसौनी, साक्षी कुमारी को पुपरी से चोरौत, अनवर अली को रीगा से बाजपट्टी, मो. सदरुद्दीन सोनबरसा से सुरसंड, संतोष कुमार को सुरसंड से सोनबरसा और मनोज कुमार को पुपरी अनुमंडलीय अस्पताल से बेलसंड अनुमंडलीय अस्पताल का नया प्रबंधक बनाया गया है। बताया जा रहा है कि अधिकतर कर्मियों को घर के पास वाले ब्लॉक में पोस्टिंग मिली है।

वहीं, बैरगनिया के लेखा प्रबंधक रविशंकर प्रसाद को सुरसंड सीएचसी में स्थानांतरित किया गया है। वहीं, उनकी जगह परिहार से मुकेश कुमार को बैरगनिया का भेजा गया है। इसी तरह पंकज कुमार को बाजपट्टी से मेजरगंज, मुकेश कुमार को बथनाहा से पुपरी, रौशन झा को बेलसंड से स्त्रीसैदपुर, राजेश कुमार दास को बोखड़ा से परिहार, आलोक कुमार को चौरौत से बोखड़ा, रमेश कुमार को डुमरा से परसौनी, विनय रजक को मेजरगंज से डुमरा, विनय कुमार को सोनबरसा से बथनाहा, ममता कुमारी को सुप्पी से रीगा, राजू कुमार को स्त्रीसैदपुर से सोनबरसा और आलोक कुमार को नानपुर से चोरौत भेजा गया।

वहीं, जिले में पदस्थापित 14 बीसीएम का भी तबादला किया गया है। उनकी जगह दूसरे स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थापित बीसीएम को स्थानांतरित किया गया है। बीसीएम क्रमशः पंकज कुमार को परिहार से चोरौत, सलोनी कुमारी को बाजपट्टी से सोनबरसा, कृष्णंदन कुमार को बथनाहा से सुरसंड, अनिल कुमार को बेलसंड से रीगा, सुरेश कुमार सुमन को चोरौत से परिहार, संतोष कुमार को डुमरा से बथनाहा, प्रभात कुमार को मेजरगंज से बेलसंड, सर्वानंद पांडेय को नानपुर से बैरगनिया, लवली कुमारी सुप्पी से नानपुर, नीतू कुमारी को रीगा से सुप्पी, सुजीत कुमार को रुन्नीसैदपुर से डुमरा, जयंती कुमारी को बैरगनिया से बाजपट्टी, मंजीत कुमार को सोनबरसा से मेजरगंज, और मो. कमरे आलम को सुरसंड इसे रुन्नीसैदपुर भेजा गया है।

पति को इंसाफ दिलाने पर अड़ी पत्नी भी मारी गई

बिहार में हत्या की गवाही से पहले महिला गवाह का मर्डर

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के नवादा में बेखौफ अपराधियों ने निर्मम तरीके से हत्या कर दी। अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर महिला को मौत के घाट उतार दिया। कारण बस इतना था कि वह अपने पति को इंसाफ दिलाने पर अड़ी हुई थी। वह हर हाल में अपने पति के हत्यारों को सजा दिलाना चाहती थी। इसलिए गवाही देने से दो दिन पहले अपराधियों ने उसकी हत्या कर दी। यह घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के उड़सा गांव के समीप सोमवार देर रात की है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग

गई।

इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। मृतिका की पहचान वारसलीगंज थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव निवासी स्वर्गीय विवेकानंद प्रसाद की पत्नी ममता कुमारी के रूप में की गई है। परिजनों ने बताया कि पूर्व से परिवार में आपसी रंजिश और भूमि विवाद चला आ रहा था। उसी को लेकर वर्ष 2018 में भी उनके पति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस वक्त बेखौफ अपराधियों ने विवेकानंद प्रसाद के घर घुसकर उनपर 25 गोलियां चलाई थी। इसमें से 18 गोलियां विवेकानंद को लगी थी। सोमवार रात्रि उनकी पत्नी की हत्या कर दी गई। पति के हत्या मामले में गांव के ही 12 लोगों पर नामजद चार अज्ञात पर स्थानीय थाने में मामला दर्ज कराया था। मृतक के परिजन ने वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव के निवासी राजेंद्र सिंह का पुत्र अनिल सिंह से पूर्व से जमीनी विवाद चल रहा था।

परिजनों ने बताया कि वह सोमवार देर रात अपने परिजनों से मिलकर घर लौट रही थी। इसी दौरान अपराधियों ने कार से ओवरटेक कर रुकवाया और पांच से छह की संख्या में रहे अपराधियों ने ताबड़तोड़ गोलीमार ममता की हत्या कर दी। उनके साथ रहे परिजन वहां किसी भी तरह जान बचाकर भागे। लेकिन, इस दौरान महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

परिजनों का कहना है कि तीन जुलाई को ममता अपने पति के हत्यारों को खिलाफ गवाही देने वाली थी। इसलिए अपराधियों ने उसे मार डाला। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया है। फिलहाल पुलिस घटना की हर बिंदु पर अनुसंधान कर रही हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अचानक पहुंच गए राजभवन

राज्यपाल से मुलाकात में कुलपतियों पर हुई बात

पटना (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अचानक राजभवन पहुंच गए। उन्होंने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात की। सीएम नीतीश 40 मिनट तक राजभवन में रुके। काफी देर तक राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच मुलाकात से बिहार के सियासी गलियारे हलचल बढ़ गई। सूत्रों की मानें तो सीएम नीतीश कुमार विश्वविद्यालय समेत कई प्रमुख मुद्दों पर राज्यपाल से बातचीत की। इसके बाद वापस सीएम हाउस चले गए।

बताया जा रहा है कि राज्य के विश्वविद्यालय में कुलपति की नियुक्ति और अन्य कुछ गंभीर मसलों पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यपाल से बातचीत की। राज्यपाल की ओर से भी कुलपति नियुक्ति मामले पर हामी भर दी गई। चर्चा है कि जल्द ही राज्य विश्वविद्यालयों में कुलपति की

नियुक्ति को लेकर नोटिफिकेशन जारी हो सकता है। राजभवन सचिवालय की ओर से इसका नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा।

बता दें कि सीएम नीतीश कुमार पटना में हो रही बारिश के बीच पहले बिहार विधानसभा पहुंचे। वहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के विधान परिषद् प्रत्याशी भगवान सिंह कुशवाहा के नामांकन में शामिल हुए।बिहार विधान परिषद की एक सीट पर उपचुनाव के लिए एनडीए की ओर से जनता दल यूनाइटेड प्रत्याशी भगवान सिंह कुशवाहा ने नामांकन पर्चा दाखिल किया। इस दौरान सीएम नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी समेत कई वरीय नेता मौजूद थे। इस कार्यक्रम से निकले के बाद यहां से सीधे राजभवन पहुंच गए। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने राज्य की वर्तमान राजनीतिक हालात पर चर्चा की है। मोदी 3.0 की सरकार बनने के बाद सीएम नीतीश कुमार पहली बार राजभवन पहुंचे हैं।

मुजफ्फरपुर में बिजली विभाग का एक और कारनामा

उपभोक्ता को भेज दिया 52 लाख का बिल, फिर काटी बिजली

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर में 34 लाख के बाद अब फिर से एक उपभोक्ता को 52 लाख रुपये का बिजली बिल भेजा गया है। स्मार्ट मीटर से बिजली उपभोक्ता परेशान हैं। अब किसी को 30 लाख तो किसी को 52 लाख रुपये का बिजली बिल पहुंच रहा है। वहीं, अचानक बिजली कटने के बाद जानकारी मिल रही है। जबकि अधिकारी धैर्य रखने और सिस्टम में सुधार की बात कर रहे हैं।

बिजली विभाग ने भले ही बिहार में प्री पेड मीटर हर घर में लगाने का लक्ष्य बनाया है, पर ये स्मार्ट मीटर बिजली उपभोक्ताओं के लिए जी का जंजाल बन गए हैं। उपभोक्ता डिफरमेंट चार्ज काटने और गलत बिजली बिल से परेशान हैं। ताजा मामला मुजफ्फरपुर जिले के मनियारी थाना क्षेत्र का है, जहां के हरिशंकर मनियारी के हरेश कुमार जिनकी मीटर सं 120 1046766 है उन्हें 52,43,327 यानी की बावन लाख तैंतालीस हजार तीन सौ सत्ताईस रुपये का बिजली बिल आया है। यही नहीं हरेश के घर 27 जून से बिजली काट दी गई है और वे विभाग के चक्कर लगाकर परेशान हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com